कार्यक्रम में पहुंचे सीएम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, सोमवार 17 नवंबर 2025 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 13, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 217 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

पंजाब : आरएसएस कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या

चंडीगढ़ । पंजाब के फिरोजपुर में नकाबपोश हमलावरों ने आरएसएस कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना शनिवार देर रात उस समय की है, जब संघ कार्यकर्ता नवीन अरोड़ा अपनी दुकान से घर जा रहे थे. पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ कई दशकों से जुड़े बलदेव राज अरोड़ा के पुत्र नवीन अरोड़ा की फिरोजपुर के मुख्य बाजार में मनियारी की दुकान है. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

सुकमा में मुठभेड़, 3 माओवादी मारे गए

सुकमा । छग के सुकमा जिले के थाना भेज्जी एवं चिंतागुफा के तुमालपाड़ जंगल में हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 माओवादियों को मार गिराया. जिसमें 2 महिला माओवादी सहित 3 माओवादी कैडरों के शव बरामद किए गए हैं. सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि 16 नवंबर को सुकमा जिले के थाना भेज्जी एवं चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र के तुमालपाड़ जंगल एवं पहाड़ी इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था.

नौसेना में शामिल होगा युद्धपोत 'माहे'

नयी दिल्ली । पनडुब्बी-रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत 'माहे' 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा. यह एक शैलो-वॉटर क्राफ्ट है. यानी यह युद्धपोत समुद्र की बजाय तटीय जल क्षेत्र या नदी मुहाने जैसे उथले पानी वाले क्षेत्रों के लिए डिजाइन किया गया है. यह टॉरपीडो, कई भूमिका वाली पनडुब्बी-रोधी मिसाइल, उन्नत रडार और सोनार से सुसज्जित है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत बना रहा है.

श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के गवर्नर का निधन

कोलंबो । श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के गवर्नर बंदुला हरिश्चंद्र का रविवार सुबह कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया. उन्होंने 62 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली. वह कुछ समय से बीमार थे. श्रीलंका के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हरिश्चंद्र ने कई वर्षों तक कई विभागों में सार्वजनिक सेवा की . राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने उन्हें पिछले साल 25 सितंबर को दक्षिणी प्रांत का गवर्नर नियुक्त किया था.

धनुष ने जीता स्वर्ण मुर्तजा को मिला रजत

नयी दिल्ली । भारत के युवा निशानेबाज धनुष श्रीकांत ने टोक्यो में चल रहे डेफलिंपिक्स में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोल दिया. 23 वर्षीय धनुष ने फाइनल में 252.2 अंक बनाते हुए डेफ फाइनल वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया. भारत के ही मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दक्षिण कोरिया के बैक स्यूंघाक को 223.6 अंक के साथ कांस्य मिला.

झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर सिंगर शिल्पा राव ने बिखेरे जलवे

शुभम संदेश। रांची

झारखंड स्थापना दिवस पर राजधानी रांची का मोरहाबादी मैदान एक बार फिर सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा. पूरे राज्य से आए हजारों लोगों की मौजूदगी में आयोजित इस मुख्य समारोह में बॉलीवुड की मशहूर प्लेबैक सिंगर शिल्पा राव ने अपने शानदार प्रदर्शन से शाम को यादगार बना दिया. उनके मंच पर आते ही दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत कर पूरे माहौल को उत्साह से भर दिया.शिल्पा राव ने अपने लोकप्रिय गीतों-खुदा जाने, बुलबुलैया, मलंग और एक्ला चलो रे की प्रस्तुति देकर दर्शकों को देर तक झूमने पर मजबूर कर दिया. उनकी अनोखी आवाज़ और ऊर्जा से भरी लाइव परफॉर्मेंस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. खास बात यह रही कि शिल्पा ने झारखंड की सांस्कृतिक आत्मा को सम्मान देते हुए स्थानीय लोकधुनों और फ्यूज़न संगीत का भी प्रदर्शन किया, जिसका लोगों ने खुले दिल से स्वागत किया.अपने संबोधन में शिल्पा राव ने कहा कि झारखंड की धरती पर आकर उन्हें हमेशा अलग खुशी और अपनापन महसूस होता है. उन्होंने राज्य की सांस्कृतिक विरासत, विशेष रूप से आदिवासी लोकसंगीत, की सराहना करते हुए कहा कि झारखंड का संगीत और नृत्य देश की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करता है. उन्होंने स्थापना दिवस के अवसर पर

राज्यवासियों को शुभकामनाएं भी दीं. समारोह के दौरान राज्य सरकार ने विकास योजनाओं, उपलब्धियों और सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाने वाले कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए. विशाल भीड़ और रंगारंग प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सव में बदल दिया. स्थानीय लोगों और युवाओं ने कहा कि शिल्पा राव की उपस्थिति ने कार्यक्रम में नई ऊर्जा भर दी और स्थापना दिवस का यह समारोह लंबे समय तक यादों में बसेगा. संगीत, प्रकाश और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के संग यह रात रांचीवासियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया.

लालू यादव परिवार में कलह बढ़ा! बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा-

किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी ना हो

शुभम संदेश। पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के घर का आंतरिक कलह अब बाहर आ गया है. उनकी बेटी

रोहिणी आचार्य ने गंभीर आरोप लगाए हैं. पहले सोशल मीडिया पर बयान देने के बाद एक बार फिर से उन्होंने अपनी बात साझा की है. रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि उन्होंने अपने पिता को किडनी दी, जिसे लेकर उनके घर में उन पर तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं. उन्हें गालियां दी जा रही हैं. उन्होंने एक बार फिर से अपने भाई और उनके हरियाणवी दोस्तों पर निशाना साधा है.

रोहिणी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रूपए लिए, टिकट लिया तब लगवाई गंदी किडनी. सभी बेटी-बहन, जो शादीशुदा हैं, उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा-भाई हो, तो भूल कर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं. अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोले कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे. सभी बहन-बेटियां अपना घर-परिवार देखें, अपने माता-पिता की परवाह किए बिना अपने बच्चे, अपना काम, अपना ससुराल देखें. सिर्फ अपने बारे में सोचें. मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनों बच्चों को नहीं देखा, किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली. अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वो कर दिया, जिसे आज गंदा बता दिया गया. आप सब मेरे जैसी गलती, कभी ना करें, किसी के घर रोहिणी जैसी बेटी ना हो.

रोहिणी के इस बयान से यह साफ है कि लालू यादव के परिवार में सब कुछ सामान्य नहीं है. परिवार में आंतरिक कलह चल रही है. इसके पूर्व लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से बाहर का रास्ता दिखाया था.

रोहिणी के अपमान पर तेज प्रताप यादव का बड़ा एलान, बोले-

अपमान करनेवाले पर कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलेगा

पटना । रोहिणी आचार्या के घर और पार्टी छोड़ने के बयान के बाद अब तेज प्रताप यादव ने कहा कि हमारी बहन का जो अपमान करेगा उस पर कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलेगा . तेज प्रताप ने आगे कहा कि रोहिणी दीदी जो बात कह रही है, वह अपनी जगह बिल्कुल सही कह रही हैं . एक मां होने के नाते, एक महिला होने के नाते, एक बहन होने के नाते उन्होंने जो सराहनीय काम उन्होंने किया है, वह शायद ही कोई बेटी या कोई बहन या कोई मां कर सकती है . यह हमारे लिए और सभी महिलाओं के लिए ये पूरे तरीके से ये पूजनीय हैं .

एनडीए सरकार के समर्थन में उतरे तेज प्रताप : बिहार की राजनीति में तेज प्रताप यादव की नई पार्टी जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) ने बड़ी घोषणा की है . जेजेडी की बैठक में फैसला लिया गया है कि वे मौजूदा एनडीए सरकार को नैतिक समर्थन देंगे . इस कदम को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे लालू-परिवार से उनकी दूरी और ज्यादा स्पष्ट होती है .

तेजस्वी आज करेंगे चुनाव में हार की समीक्षा

पटना । बिहार चुनाव में बड़ी हार झेलने के बाद अब राष्ट्रीय जनता दल में मंथन

का दौर है . बिहार चुनाव में बड़ी हार झेलने के बाद अब राष्ट्रीय जनता दल में मंथन की बारी है . इस बीच तेजस्वी यादव ने अब पार्टी के विधायकों और हारे हुए प्रत्याशियों की अहम बैठक पटना में बुलाई है . तेजस्वी यादव के पटना स्थित 1पोलो रोड पर आज दोपहर करीब 2 बजे राजद के प्रत्याशियों एवं निर्वाचित विधायकों की बैठक बुला गई है . इस बैठक में चुनाव परिणामों तथा संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की जाएगी .

लालू के पारिवारिक विवाद पर भाजपा ने कसा तंज, कहा-

जिस परिवार में बहू-बेटियों को बाल पकड़कर पीटा जाता हो, वे सत्ता में आते तो क्या होता

पटना । लालू प्रसाद यादव के परिवार के भीतर मचे विवाद ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है. भाजपा ने पार्टी की तरफ से जारी एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया, बिहार की जनता ने राजद को नहीं चुनकर जंगलराज से बचा लिया. जिस परिवार में बहू-बेटियों को बाल पकड़कर और चप्पल से पीटा जाता हो, सोचिए अगर ये लोग सत्ता में आ जाते तो बिहार की बहन-बेटियों का क्या हाल होता. बीजेपी के इस बयान ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है. उधर, एलजेपी (रामविलास) प्रमुख **चिराग पासवान** ने भी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन रोहिणी भी मेरा परिवार है. किसी भी परिवार में तनाव होने पर कितना दर्द होता है, मैं समझ सकता हूं. ससुराल ही बेटी का एकमात्र घर है-यह सोच मैं नहीं मानता. रोहिणी जो महसूस कर रही हैं, वह पीड़ा मैं समझ पा रहा हूं. उम्मीद है कि सब जल्द ठीक होगा. वहीं जेडीयू नेता **अशोक चौधरी** ने विवाद को पारिवारिक मामला बताते हुए कहा, यह उनका निजी विषय है. इस पर राजनीतिक टिप्पणी उचित नहीं. इतना बड़ा परिवार है, ऐसी स्थिति का बनना दुखद है. चौधरी ने साफ कहा कि यह राजद के लिए भी असहज स्थिति है. वहीं **साधु यादव** ने भी कहा, रोहिणी परिवार की बड़ी बेटी हैं. अगर किसी ने उनके साथ गलत कहा है तो वह गलत है. वह अपने घर में रहने वालों पर आपत्ति उठाने का पूरा अधिकार रखती है. अगर कोई बाहरी व्यक्ति घर में रह रहा है और समस्या पैदा कर रहा है, तो उसे बाहर निकालने का अधिकार रोहिणी को है.

बिहार से हटी आचार संहिता, चुनाव आयोग ने राज्यपाल को सौंपी 243 विधायकों की सूची

पटना । बिहार में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद आदर्श आचार संहिता हटा दी गई है . चुनाव आयोग ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को नवनिर्वाचित 243 विधायकों की सूची सौंप दी है . अब बिहार में नए सरकार के गठन की कवायद की जाएगी . बिहार के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने कहा कि अब राजभवन के द्वारा नई सरकार पर आगे की प्रक्रिया की जाएगी . सीईसी गुंजियाल रविवार शाम को पटना स्थित राजभवन पहुंचे . उन्होंने राज्य की सभी 243 सीटों

से जीतने वाले विभिन्न दलों के विधायकों की लिस्ट राज्यपाल को सौंपी . इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद भी मौजूद रहे . बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान 6 अक्टूबर को हुआ था, जिसके बाद से राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू थी .

आज इस्तीफा देकर नया दावा पेश करेंगे नीतीश कुमार : नीतीश कुमार ने आज सुबह 11 बजे कैबिनेट मीटिंग बुलाई है . बताया जा रहा है कि बैठक में मंत्रिमंडल भंग करने पर मुहर लग सकती है . इसके तुरंत बाद नीतीश कुमार राज्यपाल को इस्तीफा सौंपेंगे और इसके बाद नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू होगी .

आरक्षण पर सीजेआई बीआर गवई बोले-

अनुसूचित जाति में भी लागू होना चाहिए क्रीमी लेयर

एजेंसी । अमरावती

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि वे अब भी इस विचार के पक्ष में हैं कि अनुसूचित जातियों (एससी) को मिलने वाले आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' यानी आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए. एक कार्यक्रम 'इंडिया एंड द लिविंग इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन ऐट 75 इयर्स' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक आईएएस अफसर के बच्चे और गरीब किसान मजदूर के बच्चों को एक ही स्तर पर नहीं रखा जा सकता. उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है. सीजेआई ने कहा कि देश में वर्षों के दौरान महिलाओं के अधिकारों और समानता को लेकर जागरूकता बढ़ी है, और भेदभाव की पुरानी सोच को पीछे छोड़ा जा रहा है.

मेरी सेवानिवृत्ति में बचा है सिर्फ एक सप्ताह

सीजेआई गवई ने बताया कि उन्होंने अतीत में भी इंद्रा साहनी (मंडल आयोग) मामले के आधार पर यही राय दी थी कि जैसे ओबीसी समुदाय में क्रीमी लेयर की पहचान की जाती है, वैसे ही यह व्यवस्था एससी समुदाय के लिए भी होनी चाहिए, भले ही इस विचार की काफी आलोचना हुई हो . उन्होंने मुस्कराकर कहा कि 'न्यायाधीशों को आम तौर पर अपने फैसलों का बचाव नहीं करना चाहिएऔर मेरे पास सेवानिवृत्ति तक सिर्फ एक हफ्ता ही बचा है .'

लालकिला धमाका

आत्मघाती हमलावर उमर नबी का साथी राशिद अली गिरफ्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके में कश्मीर के रहने वाले अमीर राशिद अली को गिरफ्तार कर लिया है. राशिद ने ही कथित आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर यह हमला करने की साजिश रची थी. एनआईए के अनुसार जांच में सामने आया कि धमाके में इस्तेमाल हुई कार अमीर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी. फोरेंसिक जांच से पुष्टि हुई है कि विस्फोटक युक्त वाहन का चालक उमर उन नबी था. उमर पुलवामा जिले का निवासी था और फरीदाबाद में अल फलाह यूनिवर्सिटी के जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत था. एनआईए ने उमर उन नबी का एक और वाहन भी जब्त किया है.

एटीएस ने लखनऊ से 2 संदिग्धों को उठाया

नयी दिल्ली । दिल्ली ब्लास्ट केस में रविवार को एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने लखनऊ में पारा क्षेत्र के कुंदन विहार से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया . सूत्रों के मुताबिक जांच में दोनों के दिल्ली ब्लास्ट से संभावित लिंक मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई . एटीएस की टीम बीते तीन दिनों से संदिग्धों की गतिविधियों की गुप्त निगरानी कर रही थी . देर शाम एटीएस की स्कॉर्पियो कुंदन विहार पहुंची, जहां से टीम ने दोनों युवकों को हिरासत में लिया .

बिहार चुनाव ने बदला राजनीतिक परिदृश्य, कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के लिए बोझ

कांग्रेस का सिकुड़ता जनाधार और भाजपा का उभार

- भाजपा का मॉडल बना वैश्विक चर्चा का विषय : भारतीय राजनीति नए दौर में

शुभम संदेश डेस्क

भारतीय राजनीति इस समय एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां कांग्रेस की भूमिका, सामर्थ्य और भविष्य को लेकर राष्ट्रव्यापी बहस तेज हो गई है. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों ने इस बहस को और धार दे दी है. भाजपा का वर्षों से दिया गया नारा-'कांग्रेस-मुक्त भारत'-अब व्यावहारिक राजनीतिक रुझान के रूप में उभरने लगा है. भाजपा प्रवक्ता आनंद दूबे का कहना है कि 2025 में भारत का राजनीतिक परिदृश्य जिस तेजी से बदल रहा है, उसने वैश्विक राजनीति के विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में कांग्रेस का सतत सिकुड़ना और भाजपा का व्यापक विस्तार अब अंतरराष्ट्रीय थिंक-टैंकों के लिए अध्ययन का प्रमुख विषय बन गया है. दूबे बताते हैं कि वैश्विक विश्लेषक इसे भारत की राजनीतिक शक्ति-संतुलन में ऐतिहासिक बदलाव के रूप में देख रहे हैं.

क्षेत्रीय दलों के लिए बोझ बनी कांग्रेस : राजनीति विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले एक दशक में कांग्रेस किसी भी गठबंधन को मजबूती देने में विफल रही है. उल्टा, जिन राज्यों में क्षेत्रीय दल

कांग्रेस के साथ आए, वहां उन्हें अपने पारंपरिक वोटबैंक को बचाए रखने में कठिनाई हुई. कई राज्यों में कांग्रेस की मौजूदगी गठबंधन के लिए 'इलेक्टोरल रिस्क' साबित हुई. बिहार चुनाव 2025 इसका ताजा उदाहरण है, जहां महागठबंधन की सबसे कमजोर कड़ी कांग्रेस ही बनी और परिणामों में उसका प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा.

भाजपा का बढ़ता प्रभुत्व और कांग्रेस का क्षरण : वरिष्ठ पत्रकार लव मिश्र के अनुसार, भाजपा अब सिर्फ एक शक्तिशाली राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है. नेतृत्व, संगठन और कैडर की दृष्टि से भाजपा कांग्रेस से वर्षों आगे निकल चुकी है. कांग्रेस के पास न सशक्त नेतृत्व है, न स्पष्ट नैरेटिव और न ही जमीन पर सक्रिय रणनीति. इन तीनों की कमी ने उसे राष्ट्रीय राजनीति के हाशिये पर पहुंचा दिया है. भाजपा का विकास, राष्ट्रवाद और हिंदुत्व आधारित मॉडल अब कांग्रेस के पारंपरिक वोटबैंक में भी सेंध लगा चुका है.

कांग्रेस-मुक्त राजनीति की ओर बढ़ता देश : मिश्र के अनुसार लगातार पराजय ने कांग्रेस को केवल कमजोर ही नहीं किया, बल्कि कई राज्यों में उसे लगभग अप्रासंगिक बना दिया है. संगठनात्मक संरचना बिखर चुकी है, युवा नेतृत्व नदारद है और वरिष्ठ नेताओं की पकड़ कमजोर होती जा रही है.

भाजपा का उभार बना वैश्विक राजनीतिक मॉडल : विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में भाजपा का मजबूत संगठनात्मक ढांचा, तकनीक और सोशल मीडिया की समझ, कैडर-आधारित संरचना का सम्मिलित मॉडल वैश्विक मंचों पर भी नए राजनीतिक उदाहरण के रूप में सामने आ रहा है. भाजपा का संगठन कांग्रेस की तुलना में कई गुना अधिक सक्रिय माना जाता है.

स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से चलता है संघ : डॉ. मोहनराव भागवत

एजेंसी । जयपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से ही संघ चलता है. मानसिकता से हर स्वयंसेवक प्रचारक ही हो जाता है. संघ की यही जीवन शक्ति है. संघ यानी हम लोग स्वयंसेवक हैं. संघ याने स्वयंसेवकों का जीवन और उनका भावबल है. आज संघ बढ़ गया है. कार्य की दृष्टि से अनुकूलताएं और सुविधाएं भी बढी है, परंतु इसमें बहुत सारे नुकसान भी हैं. हमें वैसा ही रहना है जैसा हम विरोध और उपेक्षा के समय थे, उसी भावबल से संघ आगे बढ़ेगा.

डॉ. मोहनराव भागवत रविवार को पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में ज्ञान गंगा प्रकाशन की ओर से आयोजित '...और यह जीवन

समर्पित' ग्रंथ के विमोचन समारोह में बोल रहे थे. यह पुस्तक राजस्थान के दिवंगत संघ 24 प्रचारकों की जीवन गाथा का संकलन है. संघ कार्य के बारे में उन्होंने कहा कि संघ ऐसे ही समझ में नहीं आता है. इसे समझने के लिए प्रत्यक्ष अनुभूति की आवश्यकता होती है, जो संघ में प्रत्यक्ष आने के बाद ही प्राप्त हो सकती है. कई लोगों ने संघ की स्पर्धा में संघ जैसी शाखाएं चलाने का उपक्रम किया, लेकिन पंद्रह दिन से ज्यादा किसी की शाखा नहीं चली. हमारी सौ साल से चल रही है और बढ़ भी रही है. क्योंकि संघ स्वंयसेवकों के भाव-बल और जीवन बल पर चलता है. डॉ. भागवत ने कहा कि आज संघ का काम चर्चा और समाज के स्नेह का विषय बना हुआ है. संघ के स्वयंसेवकों और प्रचारकों ने क्या क्या किया है, इसके डंके बज रहे हैं. कार्यक्रम के आरंभ में पुस्तक का परिचय और प्रस्तावना संपादक भागीरथ चौधरी ने रखी. आभार ज्ञान गंगा प्रकाशन समिति के अध्यक्ष डॉ. मुरलीधर शर्मा ने प्रकट किया. समिति के उपाध्यक्ष जगदीश नारायण शर्मा ने सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत का अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया.

हिज्ब-उत-तहरीर के झारखंड मॉड्यूल पर रांची की अदालत में दाखिल विस्तृत चार्जशीट में कई चौंकाने वाले खुलासे

एटीएस की बड़ी कार्रवाई : देश में अस्थिरता फैलाने की साजिश का पर्दाफाश, पांच संदिग्धों ने मानी आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता

हथियार, डिजिटल सबूत और भड़काऊ दस्तावेज बरामद

शुभम संदेश। रांची

झारखंड पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (हट) के झारखंड मॉड्यूल के खिलाफ रांची स्थित विशेष एटीएस अदालत में विस्तृत आरोप पत्र दाखिल कर दिया है. चार्जशीट में ऐसे- ऐसे खुलासे हुए हैं, जिसने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है. दस्तावेजों में बताया गया है कि यह मॉड्यूल देश में धर्म के नाम पर हिंसा फैलाने, युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने और संवैधानिक व्यवस्था को चुनौती देने की साजिश में लगा था.

चार्जशीट की मुख्य बातें

एटीएस ने चार्जशीट में बताया कि पांचों अभियुक्त एचयूटी को आर्थिक सहायता, संसाधन और नए सदस्यों की भर्ती जैसे काम कर रहे थे. इनके पास से धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने वाली सामग्री, संविधान को नकारने वाले दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, डिजिटल सबूत, पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए. कॉल रिकॉर्ड, फोन एनालिसिस और लिंग्विस्टिक जांच से यह पुष्टि हुई कि सभी आरोपियों का एक-दूसरे से लगातार संपर्क था और वे हथियार खरीदकर किसी बड़ी वारदात की योजना तैयार कर रहे थे.

एटीएस की जांच के अनुसार, इस मॉड्यूल से जुड़े पांचों संदिग्धों को भारतीय संविधान पर भरोसा नहीं था. वे मिलकर देश में अस्थिरता बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे और लगातार युवाओं को आतंकी विचारधारा अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे. गिरफ्तारी रांची, धनबाद और गया के नेटवर्क के फैलाव का अंदाजा होता है. **नबा से रफ्तार अम्मार यासिर मॉड्यूल का सबसे खतरनाक कड़ी:** धनबाद के वासेपुर से गिरफ्तार अम्मार यासिर की भूमिका सबसे गंभीर मानी गई है. वह यासिन, बड़े आतंकियों का करीबी रहा है. पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह भटकल ब्रदर्स के निर्देश पर कई घटनाओं में शामिल रहा है. जेल से निकलने के बाद शबनम से संपर्क में आने के बाद वह एटयूटी से जुड़ गया से मॉड्यूल को मजबूती दे रहा था.उसने बिहार के दरभंगा समेत कई जगहों पर बैठकें कर संगठन को विस्तार देने की कोशिश भी की. शबनम की निशानदेही पर ही वासेपुर से उसे गिरफ्तार किया गया.

पांचों अभियुक्तों की भूमिका, जो उन्होंने खुद एटीएस की पूछताछ में स्वीकारी

- गुलफाम हसन (21 वर्ष) : एचयूटी से जुड़ाव और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की बात स्वीकार की. इसके पास से अवैध पिस्टल और भड़काऊ दस्तावेज मिले, जिनमें संवैधानिक व्यवस्था को न मानने वाले तथ्य शामिल थे.
- **अयान जावेद (21 वर्ष)** : आतंकी संगठन से संबंध और संलिप्तता स्वीकारी. उसके मोबाइल से मिले कॉल रिकॉर्ड में हथियार खरीदने की योजना का प्रमाण मिला. एक पिस्टल भी बरामद हुई.
- **मो. शहजाद आलम (20 वर्ष)** : शहजाद के पास से ऐसे दस्तावेज मिले जो धार्मिक सौहार्द को ठेस पहुंचाने और संविधान को नकारने वाले विचारों को बढ़ावा देते थे. उसके एचयूटी से जुड़े होने की पुष्टि हुई.
- **शबनम परवीन** : अपने पति अयान के लिए हथियार खरीदने और आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने की बात कबूल की. उसके पास से भी देश विरोधी दस्तावेज बरामद हुए.
- **मोहम्मद अम्मार यासिर (33 वर्ष)** : पहले इंडियन मुजाहिदीन (आईएस) का सक्रिय सदस्य रह चुका है. 2014 में जोधपुर से गिरफ्तार हुआ था और 2024 में जेल से बाहर आने के बाद फिर से आतंकी गतिविधियों में शामिल पाया गया. सीडीआर और लोकेशन एनालिसिस में उसने सभी अभियुक्तों से निरंतर संपर्क बनाए रखा था.

घाटशिला के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश सपरिवार पहुंचे रांची

सीएम हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की

रांची। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में रविवार को घाटशिला विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने अपने परिवार संग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री सोरेन को विधानसभा चुनाव में जीत की ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि यह विजय घाटशिला की जनता की आकांक्षाओं और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय रामदास सोरेन जी द्वारा जनहित में आरंभ किए गए कार्यों और अधूरे सपनों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब उनके पुत्र श्री सोमेश सोरेन के कंधों पर है। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि श्री सोरेन जनसेवा एवं विकास कार्यों की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

देश भर में कांग्रेस पार्टी चला रही है 'नेशनल मीडिया टैलेंट हंट प्रोग्राम'

झारखंड कांग्रेस ने प्रदेश और क्षेत्रीय प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की

शुभम संदेश। रांची

झारखंड कांग्रेस ने प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर नए प्रवक्ताओं की नियुक्ति के लिए औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को रांची स्थित प्रदेश मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि प्रवक्ताओं के चयन के लिए कांग्रेस का 'नेशनल मीडिया टैलेंट हंट प्रोग्राम' देश भर में चलाया जा रहा है और झारखंड में इसकी शुरुआत रविवार से ही कर दी गई है. यह प्रक्रिया पूरे दिसंबर माह तक जारी रहेगी. इस अवसर पर कार्यक्रम से संबंधित पोस्टर भी जारी किया गया.

प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर किया जाएगा चयन : यह पूछे जाने पर कि प्रवक्ता पद के लिए कौन आवेदन कर सकता है, इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ऐसे लोगों की तलाश कर रही है, जिनमें कांग्रेस के मूल्यों के प्रति निष्ठा, वैचारिक प्रतिबद्धता, राजनीतिक समझ, तेज और स्पष्ट प्रतिक्रिया क्षमता हो. इसके साथ ही शुद्ध भाषा, बेहतर संचार कौशल, इतिहास व समसामयिक मुद्दों की जानकारी और मीडिया के सामने सहज उपस्थिति रखने वाले प्रतिभाशाली युवाओं का चयन प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर किया जाएगा. यह पूरी प्रक्रिया संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित होगी.

चयन प्रक्रिया के लिए राज्य सात जोन में विभाजित

अद्यक्ष कमलेश ने बताया कि चयन प्रक्रिया को सुचारू और प्रभावी बनाने के लिए पूरे झारखंड को सात जोन में विभाजित किया गया है. पहले जोन में पलामू, दूसरे में कोल्हान, तीसरे में देवघर, चौथे में दुमका और जामताड़ा, पांचवें में साहिबगंज, गोड्डा और पाकुड़, छठे में रामगढ़, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग शामिल किए गए हैं. जबकि आठवें जोन में बोकारो, धनबाद, गिरिडीह और दक्षिणी छोटानागपुर समेत अन्य जिलों को रखा गया है.

पहल का मुख्य उद्देश्य नई प्रतिभाओं को सामने लाना है

कार्यक्रम के पूर्वी क्षेत्र (ओडिशा, बिहार, झारखंड, बंगाल) के प्रभारी और एआईसीसी प्रवक्ता अतुल लोधे पाटिल ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऐसी नई प्रतिभाओं को सामने लाना है, जो संविधान, प्रस्तावना, संस्कृति और राजनीति की गहरी समझ रखते हों. उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एक स्वतंत्र और पारदर्शी मंच है, जिसमें प्रवेश के लिए किसी नेता की सिफारिश की आवश्यकता नहीं है. चयन को निष्पक्ष बनाने के लिए एनजीओ, सिविल सोसाइटी और मीडिया जगत के प्रतिनिधियों को भी प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा. संवाददाता सम्मेलन में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, लालकिशोर नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर और गजेंद्र सिंह उपस्थित थे.

कांग्रेस का तथाकथित 'टैलेंट हंट' कार्यक्रम असल में 'डैमेज कंट्रोल हंट' है' : प्रतुल शाहदेव

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल लोढे पाटिल पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस बिहार में सिंगल डिजिट सीटों के आंकड़े पर सिमट गई है. अब इस मुद्दे पर डैमेज कंट्रोल करने के लिए नया पोस्टर और नया प्रवक्ता पैनल का नाटक कर रही है.

कांग्रेस झारखंड में अपनी संगठनात्मक क्षमता को छुपाने के लिए नए-नए पोस्टर और कार्यक्रम लॉन्च कर रही है, लेकिन जनता सब जानती है कि जिस पार्टी में शीर्ष नेताओं की ही विश्वसनीयता शून्य है, वहां प्रवक्ता बदलने से कुछ नहीं बदलेगा. प्रतुल ने कहा इस सीरियस प्रेस कॉन्फ्रेंस को कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने उस समय लाफ्टर शो बना दिया, जब उन्होंने कहा कि यथार्थ में और सोशल मीडिया में राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से बहुत ज्यादा लोकप्रिय हैं.

प्रतुल ने कहा पूरी दुनिया जानती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है. देश की बात छोड़िए विदेश में भी उनकी कोई टक्कर का दूसरा नेता नहीं है. फिर उनकी तुलना तीन-तीन आम चुनाव में बुरे तरीके से हारने वाले कांग्रेस पार्टी के अगुवाई करने वाले राहुल गांधी जी से कैसे हो सकती है?

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ज्यादा पॉपुलर बता प्रेस कॉन्फ्रेंस को लाफ्टर शो बना दिया

देश में कांग्रेस को 200 करोड़ प्रतिक्रियाएं मिलना हास्यास्पद

प्रतुल ने कहा 140 करोड़ की आबादी वाले देश में कांग्रेस को 200 करोड लोगों की प्रतिक्रिया मिलने का दावा ही सारे अभियान की पोल खोलता है. कांग्रेस प्रवक्ता का यह कहना कि उन्हें 200 करोड लोगों ने प्रतिक्रियाएं दी हैं हास्यास्पद है. इसी से प्रतीत होता है कि उनको अब पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी प्रतिक्रिया मिल रही है. बात जमीन की हो या सोशल मीडिया की हो, भाजपा और कांग्रेस में कोई मुकाबला ही नहीं है.

टैलेंट हंट एक नया राजनीतिक शो-ऑफ है

शाहदेव ने कहा कि कांग्रेस जिस टैलेंट हंट की बात कर रही है, वह सिर्फ एक नया राजनीतिक शो-ऑफ है, क्योंकि सबसे पहले कांग्रेस को अपने शीर्ष नेतृत्व में "वैचारिक निष्ठा" ढूंढनी चाहिए, जो रोज़ दल बदलने वाले, टिकट बेचने वाले और परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ पाए हैं. कांग्रेस जिस "स्पष्ट सोच" की मांग कर रही है, वही सोच उसकी अपनी नीतियों से गायब है. कांग्रेस के नेता देश और संविधान की दुहाई देते हैं, लेकिन झारखंड में भ्रष्टाचार और लूट की राजनीति की सबसे बड़ी साझेदार वही पार्टी रही है.

सुजीत सिन्हा गिरोह और कथित पुलिस साठगांठ पर बड़ा आरोप

बाबूलाल मरांडी ने कहा-एनआईए करे जांच

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता और कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गिरोह के बीच कथित सांठगांठ की एनआईए से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है. उन्होंने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी और संगठित अपराध से जुड़ा बताते हुए विस्तृत जांच का आग्रह किया है. मरांडी ने एनआईए महानिदेशक को भेजे पत्र में लिखा कि सुजीत सिन्हा गिरोह कोयलांचल शांति समिति (KSS) नामक संगठन के नाम पर लंबे समय से हत्या, अवैध वसूली और हथियारों के अवैध कारोबार जैसे अपराधों में शामिल है. आरोप है कि यह गिरोह पंजाब के मोगा में ड्रोन से गिराए गए हथियारों की खरीद करता है, जो कथित तौर पर पाकिस्तान से

भेजे जाते हैं. इसके अलावा, गिरोह के अंतरराष्ट्रीय अपराधी प्रिंस खान से संबंध होने की भी बात कही गई है.

मरांडी के अनुसार, हाल ही में रांची पुलिस द्वारा यूएपीए तहत गिरफ्तार सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा के मोबाइल से कई चौंकाने वाले डिजिटल सबूत सामने आए हैं, जिनसे पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता से उनके कथित घनिष्ठ संपर्क का संकेत मिलता है. दावा है कि केएसएस की स्थापना और संचालन में भी अनुराग गुप्ता की सक्रिय भूमिका रही और गिरोह द्वारा वसूली गई राशि का एक हिस्सा उन्हें पहुँचाया जाता था. उन्होंने एनआईए से विशेष रूप से इन बिंदुओं की जांच की मांग की है—

- रिया सिन्हा और अनुराग गुप्ता के बीच डिजिटल बातचीत का फोरेंसिक विश्लेषण
- केएसएस के गठन और उसके संचालन में पूर्व डीजीपी की भूमिका
- भारतमाला परियोजना क्षेत्रों पर कथित आपराधिक प्रभुत्व सुनिश्चित करने की साजिश
- गैंगस्टर अमन साहू की मुठभेड़ को लेकर उठे संदिग्ध आरोप
- पुलिस के कुछ अधिकारियों द्वारा महत्वपूर्ण चैट रिकॉर्ड दबाने की कोशिश

मरांडी ने कहा कि यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला सिर्फ राज्य के कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर मुद्दा बन जाता है. उन्होंने सुजीत सिन्हा गिरोह से संबंधित सभी मामलों को एनआईए को सौंपने की मांग दोहराई है.

नई दिल्ली में 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला का तीसरा दिन

झारखंड पवेलियन में लोगों को लुभा रहा है शुद्ध प्राकृतिक शहद, लाह और रेशम से निर्मित उत्पाद

शुभम संदेश। रांची/नयी दिल्ली

वन, पर्यावरण विभाग दिखा रहा है प्रदेश की समृद्धि की झलक

नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला के झारखंड पवेलियन में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के स्टॉल पर लोग जानकारी लेने के साथ-साथ प्राकृतिक शहद, रेशम के उत्पाद पसंद कर रहे हैं. वन क्षेत्र पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद के अनुसार झारखंड की भूमि पर 31.8% वन पाए जाते हैं. हमारे वनों में सबसे ज्यादा अधिकता शाल वृक्ष की है. इसके अलावा गमहार, शीशम, सागवान आदि के पेड़ भी पाये जाते हैं, जिनकी लकड़ियों का उपयोग व्यावसायिक और घरेलू सामानों के लिए किया जाता है. सौंदर्यीकरण के लिए हमारे पास गुलमोहर, जकरंदा, प्लेटोफार्म, अमलतास जैसे पेड़ हैं. बांस की बहुतायत भी ग्रामीणों और व्यवसायियों के लिए आमदनी का स्रोत है. वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग वनों के संरक्षण के लिए कई परियोजनाओं पर काम करता है, जिसमे मुख्यमंत्री जन वन योजना अहम् है.

वनों के संरक्षण के लिए विभाग ग्रामीणों को साथ ले कर समिति बना देता है, जिनकी सहायता से वनों की सुरक्षा निश्चित हो पाती है, जिसके फलस्वरूप हमारा पर्यावरण भी संतुलित रहता है. साथ ही इन्हीं समितियों द्वारा वनों में पाए जाने वाले उत्पादों का प्रसंस्करण कर उसकी बिक्री की जाती है. इस वर्ष झारखंड पवेलियन के स्टाल पर राजमहल के उत्पादों की बिक्री की जा रही है. हमारे प्रदेश की शहद प्राकृतिक होती है, उसके अलावा विशेष शहद जैसे लीची, करंज, वन तुलसी, वाइल्ड हनी आदि प्रमुख हैं.

झारखंड के वनों से ऑर्गेनिक काजू, शहद, लाह जैसी बहुमूल्य चीजें प्राप्त होती है. वहीं जड़ी-बूटी की बात करें तो शतावर, गोखरू, कालमेघ, नीम, अनंतमूल, अर्जुन, ब्राम्ही, शंखपुष्पी, बाकस वासा, हडजोड, कचनार, भृंगराज आदि झारखंड और देश के सरे कोनों की मांग भी पूरी करते हैं. हमारा विभाग वन्य जीवों के संरक्षण के लिए भी काफी काम करता है. झारखंड राज्य में एक व्याघ्र अभ्यारण्य, 1 गज अभ्यारण्य, 1 राष्ट्रीय उद्यान, 11 वन्य प्राणी आश्रयणी, 1 जैविक उद्यान, 1 मृग विहार, 1 मगर प्रजनन केंद्र, व्याघ्र अभ्यारण्य पलामू बेतला, गज आरक्ष्य सिंहभूम दलमा, बेतला राष्ट्रीय उद्यान एवं 11 वन्य प्राणी आश्रयणी हैं.

11 वन्य आश्रयणी में वन्य प्राणी आश्रयणी हजारीबाग, वन्यप्राणी आश्रयणी, कोडरमा, गौतम बुद्ध वन्यप्राणी आश्रयणी, पालकोट वन्यप्राणी आश्रयणी, महुआडांड़ भेड़िया आश्रयणी, पलामू वन्यप्राणी आश्रयणी, तोपचांची वन्यप्राणी आश्रयणी, लावालौंग वन्यप्राणी आश्रयणी, महुआडांड वन्यप्राणी आश्रयणी, उधवा पक्षी आश्रयणी और दलमा वन्य प्राणियों का इन-सिटु संरक्षण किया है. जब की मूटा मगर प्रजनन केंद्र रांची, बिरसा मृग विहार कालामाटी रांची और भगवान बिरसा जैविक उद्यान ओरमांझी रांची में वन्य प्राणियों का एक्स-सिटु संरक्षण किया जाता है. झारखंड मंडप में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग इन सभी जानकारियों को साझा कर रहा है.

बिहार में राजद-कांग्रेस की करारी हार के बाद उठ रहे तरह-तरह के सवाल

क्या आरजेडी और कांग्रेस का हेमंत बनेंगे सहारा या लेंगे कोई फैसला

शुभम संदेश। रांची

'हारे का सहारा, हेमंत हमारा' -झारखंड में जेएमएम पर सबकी निगाहें

बिहार विधानसभा चुनाव और झारखंड के घाटशिला उपचुनाव के नतीजे आते ही झारखंड की राजनीति में हलचल तेज हो गई है. घाटशिला उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बड़ी जीत दर्ज की है, जबकि बिहार में भाजपा-जदयू गठबंधन की भारी जीत और कांग्रेस-राजद की करारी हार ने महागठबंधन के भविष्य को लेकर नई बहस छेड़ दी है. यही कारण है कि अब झारखंड की सियासत में यह सवाल गूंज रहा है कि क्या झामुमो अपने सहयोगी दलों, कांग्रेस, राजद और भाकपा (माले) के व्यवहार की समीक्षा करेगा या फिर समय के साथ पार्टी का रुख नरम पड़ जाएगा?

इस राजनीतिक चर्चा का ताप इसलिए भी बढ़ा है, क्योंकि दो दिन पहले झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बयान दिया था- 'हारे का सहारा, हेमंत हमारा.' इस बयान को बिहार चुनाव में कांग्रेस-राजद की हार से जोड़कर देखा जा रहा है. सवाल उठ रहा है कि क्या झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बिहार में हारे गठबंधन दलों के 'सहारा' बनने वाले हैं या कोई सख्त फैसला ले सकते हैं.

तनाव की शुरुआत 2025 के बिहार चुनाव के दौरान तब हुई, जब राजद और कांग्रेस ने झामुमो को प्राथमिकता नहीं दी. इसे लेकर झामुमो के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने

खुलकर नाराजगी जताई थी और कहा था कि चुनाव के बाद महागठबंधन के व्यवहार की समीक्षा की जाएगी. अब जब सुप्रियो भट्टाचार्य खुलकर 'हारे का सहारा' वाली राजनीति की बात करते हैं, तो झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडे भी स्वीकार करते हैं कि समीक्षा निश्चित रूप से होगी. हालांकि वे स्पष्ट करते हैं कि अंतिम निर्णय उनके नेता हेमंत सोरेन ही लेंगे.

उधर कांग्रेस ने नाराजगी की खबरों को खारिज किया है. झारखंड प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा कहते हैं कि महागठबंधन में 'ऑल इज वेल' है. उनके मुताबिक समीक्षा एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन भाजपा इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है और गठबंधन में दरार पैदा करने की कोशिश कर रही है. कांग्रेस का दावा है कि ऐसा होने नहीं दिया जाएगा.

भाजपा इस पूरे विवाद को अपने राजनीतिक चश्मे से देख रही है. पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने तंज कसते हुए कहा कि झामुमो की बातों को उसके सहयोगी दल कितनी गंभीरता से ले रहे हैं, यह खुद स्पष्ट है. उन्होंने कहा कि झामुमो बिहार में चुनाव लड़ना चाहता था, लेकिन जब उसे तवज्जो नहीं मिली तो पार्टी नाराज हो गयी और अब समीक्षा के नाम पर नए संदेश देने की कोशिश कर रही है.

हालांकि इन बयानों के बीच झारखंड की राजनीति में नए समीकरणों की संभावनाओं का लेकर भी चर्चा तेज है. राजनीतिक दलों में तरह-तरह के सवाल या तो उठ रहे हैं या उठाए जा रहे हैं. आने वाले दिनों में यह देखना होगा कि समीक्षा की प्रक्रिया महागठबंधन को मजबूत करेगी या इसके भीतर छिपे तनाव को और उजागर करेगी.

एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य

सब्सिडी के लिए समय सीमा 31 मार्च 2026 तय

शुभम संदेश। रांची

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देशभर के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए बायोमीट्रिक आधार प्रमाणीकरण (ई-केवाईसी) अनिवार्य कर दिया है. इसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थी भी शामिल हैं. उपभोक्ता ई-केवाईसी मोबाइल ऐप के जरिए या नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर पूरा कर सकते हैं. सरकार ने कहा है कि 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की आठवीं और नौवीं रिफिल पर 300 की सब्सिडी केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को मिलेगी, जिन्होंने 31 मार्च 2026 तक ई-केवाईसी पूरी कर ली होगी. समय पर प्रमाणीकरण न कराने पर रिफिलिंग और सब्सिडी अस्थायी रूप से रोक दी जाएगी. हालांकि गैस आपूर्ति बाधित नहीं होगी, सिर्फ डीबीटी सब्सिडी रोकी जाएगी.

रांची में एलपीजी डिस्ट्रीब्यूशन एसोसिएशन के अनुसार, शहर में लगभग 8.5 लाख लाभार्थी हैं, लेकिन आधे से अधिक ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं करायी है. इससे सब्सिडी और नियमित गैस आपूर्ति में दिक्कत हो सकती है. एसोसिएशन ने सभी उपभोक्ताओं से जल्द से जल्द ई-केवाईसी करने की अपील की है. मंत्रालय ने कहा है कि जिन उज्ज्वला योजना लाभार्थियों ने वर्ष में एक बार प्रमाणीकरण कर लिया है, उन्हें इसे दोबारा करने की आवश्यकता नहीं है. समय पर ई-केवाईसी न करने पर उस वर्ष की सब्सिडी स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी.

ई-केवाईसी करने के लिए आवश्यक दस्तावेज

- आधार कार्ड
- आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर
- गैस कनेक्शन नंबर
- बैंक अकाउंट नंबर
- ई-केवाईसी प्रक्रिया
- गैस कंपनी का आधिकारिक मोबाइल ऐप और 'आधार फेस आरडी' ऐप डाउनलोड करें.
- एलपीजी आईडी और पंजीकृत मोबाइल नंबर से लॉगिन करें.
- ई-केवाईसी विकल्प चुनें.
- चेहरे की पहचान कराएं.
- मोबाइल पर आए ओटीपी दर्ज करके सत्यापन पूरा करें.

रांची, सोमवार 17 नवंबर 2025 I मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 217 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

झारखंड स्थापना का 25वां गौरवशाली रजत उत्सव : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ढोल-नगाड़ा बजाकर 'झारखंड जतरा' में हुए शामिल

झारखंड सिर्फ भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि संघर्ष, अस्मिता और गौरव की भूमि है : हेमंत

'झारखंड जतरा' : राजधानी रांची की सड़कों पर ढोल-नगाड़े की थाप पर बिखरी शतरंगी छटा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड स्थापना के रजत जयंती उत्सव के अवसर पर रविवार को "झारखंड जतरा" का आयोजन हुआ. राजधानी रांची की सड़कों पर ढोल-नगाड़े की थाप पर शतरंगी छटा बिखरी. पारंपरिक परिधान में महिला-पुरुष ढोल-नगाड़े की थाप पर लय में नृत्य करते चल रहे थे. नृत्य करती टोलियां ऐसी लग रही थीं, मानो शहर की सड़कों पर रंग-बिरंगी तितलियां अठखेलियां कर रही हों. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी भव्य "झारखंड जतरा" में शामिल हुए. मुख्यमंत्री ने रांची के जैप–1 ग्राउंड, डोरंडा से अलबर्ट एक्का चौक होते हुए बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक तक निकाली गई जतरा में पारंपरिक ढोल–नगाड़ा बजाकर स्थानीय लोक कलाकारों की हौसला अफजाई की. खुद भी जतरा में शामिल होकर अल्बर्ट एक्का चौक तक पदयात्रा की.

जनजातीय समुदायों ने संस्कृति की रंगारंग झलक पेश की : "झारखंड जतरा" झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, लोककला और जन एकता का जीवंत प्रतीक बनी. जतरा में राज्य की विभिन्न जनजातीय एवं स्थानीय समुदायों ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य, गीत, वाद्य और झांकियों के माध्यम से अपनी संस्कृति की रंगारंग झलक पेश की. विभिन्न जिलों से आई झांकियों में झारखंड की लोककला, त्योहार, नायक–नायिकाओं के योगदान और वीर सपूतों के संघर्ष को रचनात्मक रूप से दर्शाया गया. पूरे कार्यक्रम के दौरान हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गयी, जिससे वातावरण उल्लास, गर्व और भावना से सराबोर हो उठा.

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और विधायक कल्पना सोरेन ने बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में 'झारखंड जतरा' का स्वागत किया

"झारखंड जतरा" राज्य की सामूहिक भावना, एकता का प्रतीक

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को 25वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड सिर्फ भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि संघर्ष, अस्मिता और गौरव की भूमि है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार झारखंड की भाषाई, सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान को संरक्षित और सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है. मुख्यमंत्री ने कहा कि "झारखंड जतरा" राज्य की सामूहिक भावना, एकता और गौरवशाली विरासत का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बनेगा.

शिल्पी और कल्पना ने नगाड़े की थाप पर नृत्य कर मन मोहा

जतरा को रविवार सुबह स्थानीय जैप–1 ग्राउंड, डोरंडा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने नगाड़ा बजा कर एवं शामिल झांकियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था. जतरा के समापन अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और विधायक कल्पना सोरेन बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक पहुंचीं और "झारखंड जतरा" का स्वागत करते हुए समापन किया. उन्होंने झारखंडी परंपरा के अनुरूप ढोल–नगाड़ा बजाया और पारंपरिक नृत्य में सहभागिता कर उत्सव के वातावरण को और उल्लासमय बनाया. कार्यक्रम में विभिन्न जनजातीय समुदायों के प्रतिनिधि, लोक कलाकार, विद्यार्थी, सांस्कृतिक दल, सामाजिक संस्थाएं और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे. राज्य के विभिन्न विभागों एवं सांस्कृतिक समूहों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई. झारखंड के रजत जयंती केमौके पर "झारखंड जतरा" का आयोजन राज्य की आत्मा, संस्कृति और जनगौरव को एक स्वर में प्रस्तुत करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ.

विधानसभा सचिवालय के सचिव ने डीसी एसएसपी से मांगी रिपोर्ट

विशेष समिति के दिए गए निर्देशों का कितना हुआ पालन

खास बातें

- अवैध डंपिंग के मामले में समिति ने दिए थे निर्देश
- विधानसभा सत्र के बाद स्पीकर करेंगे समीक्षा : चंद्रदेव महतो

अमित सिन्हा

आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा रैयती जमीन के अतिक्रमण का भी मामला

समिति के प्रमुख निर्देश, जिन पर रिपोर्ट मांगी गई

धनबाद। झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) द्वारा धनबाद में 18-21 सितंबर को किए गए स्थल निरीक्षण के बाद दिए गए निर्देशों पर अब तक की कार्रवाई को लेकर विधानसभा सचिवालय भी सक्रिय हो गया है. विधानसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव ओम प्रकाश तिवारी ने उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक, धनबाद को पत्र लिखकर खनन विभाग व बीसीसीएल से समन्वय कर अद्यतन अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है. पत्र विधानसभा सचिवालय के दो पूर्व पत्रों (17 अक्टूबर व 4 नवंबर) के संदर्भ में जारी किया गया है, जिसमें रिपोर्ट की मांग की गई है. धनबाद निरीक्षण के निर्देशों का 'अद्यतन अनुपालन' समिति ने सितंबर यात्रा के दौरान धनबाद के सुरूंगा, जीनागोड़ा, नूनूडीह, महुलबनी, भौरा, परसियाबाद, बलियापुर और झरिया अंचल के बीसीसीएल क्षेत्र संख्या–10, जीनागोड़ा एनटीएसटी में एमडीओ मोड से संचालित खनन कार्य में रैयती और सरकारी जमीन पर ओबी डंपिंग को तत्काल रोकने का निर्देश दिया गया. साथ ही, ब्लास्टिंग और उत्खनन कार्य को जांच पूरी होने तक अस्थायी रूप से स्थगित करने का आदेश है. जांच प्रतिवेदन समिति को सौंपा जाएगा .उपायुक्त को अमीन की नियुक्ति कर उच्चस्तरीय कोषांग गठित करने का निर्देश दिया गया है. यह कोषांग 15 दिनों के भीतर रैयती, सरकारी, गैरमजरूआ और वन भूमि पर अतिक्रमण और ओबी डंपिंग की जांच करेगा. बीसीसीएल और उनकी आउटसोर्सिंग कंपनियों से कागजात प्राप्त कर मालिकाना हक और रकबा का मिलान किया जाएगा. अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई होगी. रैयतों को मुआवजा और नौकरी के लाभ से वंचित होने की समस्या के समाधान के लिए अंचल अधिकारी को उत्खनन क्षेत्र में विशेष शिविर लगाने का निर्देश दिया गया है. यह शिविर जमीन से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण करेगा. भू–धंसान की संभावना वाले क्षेत्रों में रैंप/फेसिंग और बैचिंग जैसे उपाय तत्काल लागू करने का निर्देश दिया गया. डीजीएमएस द्वारा पहले दी गई चेतावनियों का अनुपालन न होने पर कड़ी नाराजगी जताई गई और तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया. ग्रामीणों और रैयतों द्वारा दिए गए आवेदनों की 15 दिनों के भीतर जांच कर कार्रवाई की रिपोर्ट समिति को सौंपने का आदेश है. डीजीएमएस की आपत्तियों के बावजूद हो रही ब्लास्टिंग और ओबी डंपिंग को तत्काल रोकने का निर्देश दिया गया.

विधानसभा सत्र के बाद स्पीकर करेंगे समीक्षा

विशेष समिति की रिपोर्ट पर अब विधानसभा के स्पीकर समीक्षा करेंगे. सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने बताया कि विशेष समिति के दिए निर्देशों का अबतक अनुपालन नहीं किया गया है. जिसे लेकर विधानसभा सत्र के बाद स्पीकर स्वयं इसकी समीक्षा करेंगे. उन्होंने कहा कि समीक्षा के दौरान कोल इंडिया के चेयरमैन के भी शामिल होने की संभावना है. उन्होंने कहा कि धनबाद के रैयतों के लिए लड़ाई जारी रखेंगे.

केशलपुर मधुबन आदि क्षेत्रों का दौरा किया था. 20 सितंबर को धनबाद परिसदन में उपायुक्त, बीसीसीएल के सीएमडी, डीजीएमएस, अंचल अधिकारी आदि के साथ बैठक में छह प्रमुख निर्देश दिए गए थे, जिन पर अब तक कार्रवाई न होने की शिकायतें मिल रही हैं. समिति के निर्देशों के अनुपालन को लेकर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि सचिवालय द्वारा रिपोर्ट की मांग की थी. विशेष समिति द्वारा सुझाए निर्देशों पर जिला प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया है. उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र के बाद इसकी समीक्षा होगी.

हजारीबाग जेल में बंद कैदी की इलाज के दौरान मौत

रांची। हजारीबाग के जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में बंद 55 वर्षीय कैदी खेमलाल महतो उर्फ़ खेलवा की बुधवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसबीएमसीएच) में उपचार के दौरान मौत हो गई. खेमलाल हजारीबाग जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र स्थित हारम गांव के निवासी थे और पिछले दो वर्षों से सजा काट रहे थे.जेल प्रशासन के अनुसार, खेमलाल कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे. तबीयत बिगड़ने पर चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें एसबीएमसीएच रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई. जेल अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन का कहना है कि कैदी को समय-समय पर इलाज उपलब्ध कराया गया और पूरी प्रक्रिया नियमानुसार की गई.

दुबई एयर शो 2025 आज और कल

रक्षा उत्पादन और तकनीकी साझेदारी पर कई देशों के साथ होगा विचार-विमर्श

शुभम संदेश। रांची/नयी दिल्ली

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ 17–18 नवंबर 2025 को आयोजित दुबई एयर शो 2025 में भाग लेने के लिए भारत के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे. इस प्रतिनिधिमंडल में रक्षा विभाग, रक्षा उत्पादन विभाग, विदेश मंत्रालय और तीनों सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे.एयर शो के दौरान रक्षा राज्य मंत्री की अपने यूएई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक निर्धारित है. इसके अतिरिक्त, रक्षा राज्य मंत्री लगभग 50 कंपनियों (भारत, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्राज़ील, ब्रिटेन और इटली की) के साथ एक उद्योग गोलमेज़ बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसका उद्देश्य रक्षा तकनीक सहयोग को बढ़ावा देना और भारत में विनिर्माण को सुदृढ़ करना है.

रक्षा राज्य मंत्री दुबई एयर शो में स्थापित 'इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन भी करेंगे. इस पवेलियन में एचएएल, डीआरडीओ, कोरेल टेक्नोलॉजीज, डैंटल हाइड्रोलिक्स, इमेज सिनर्जी एक्सप्लोर और एसएफओ टेक्नोलॉजीज जैसी प्रमुख भारतीय संस्थाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे. इंडिया पवेलियन के अतिरिक्त भारत की 19 प्रमुख कंपनियां जैसे भारत फोर्ज, ब्राह्मोस, टेक महिंद्रा, एचबीएल इंजीनियरिंग अलग से प्रदर्शनी में भाग ले रही हैं. साथ ही भारत के 15 स्टार्टअप्स भी अपने उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे.

रांची से वाराणसी तक 100 करोड़ के अवैध कफ सिरप का रैकेट बेनकाब

कोडिन फास्फेटयुक्त फेंसीडील की बड़े पैमाने पर तस्करी, रांची के शैली ट्रेडर्स से जुड़ा है नेटवर्क

- 28 दवा व्यवसायियों पर केस दर्ज

शुभम संदेश। रांची

वाराणसी में कोडीन फास्फेटयुक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री करने वाले एक बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश होने के बाद दवा कारोबार में खलबली मच गई है. यह पूरा रैकेट रांची से संचालित हो रहा था, जिसकी जड़ें उत्तर प्रदेश के कई जिलों तक फैली हुई थीं. जांच में सामने आया कि रांची स्थित थोक दवा कंपनी मेसर्स शैली ट्रेडर्स ने वर्ष 2023 से 2025 के बीच करीब 100 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित फेंसीडील कफ सिरप की सप्लाई उत्तर प्रदेश के 93 थोक विक्रेताओं को की. इनमें अकेले वाराणसी के 26 थोक दवा विक्रेता शामिल थे, जिन्हें लगभग 50 करोड़ रुपये का माल भेजा गया. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को यह जानकारी तब मिली, जब मध्य प्रदेश और राजस्थान में कोडीन युक्त कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत की घटनाओं के बाद विभाग ने देशभर में कफ सिरप के स्टॉक की जांच तेज कर दी थी.

कनकनी कोलियरी में सेंधमारी की कोशिश नाकाम

तीन गार्ड को मिला चार्जशीट, सीआईएसएफ की सतर्कता से बची बड़ी चोरी

शुभम संदेश। लोयाबाद

सिजुआ क्षेत्र स्थित कनकनी कोलियरी के वर्कशॉप परिसर में शनिवार आधी रात सेंधमारी कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। दर्जनभर नकाबपोश अपराधी देर रात गोदाम की दीवार में सेंधमारी कर अंदर घुसे और गोदाम में रखे पाइप, मोटर, मशीन के कल-पुर्जे, तांबे एवं पीतल के कई सामानों की चोरी कर ली। शनिवार सुबह कर्मियों ने सेंधमारी वाली दीवार की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया है।

सीआईएसएफ क्यूआरटी टीम ने नाकाम की चोरी : कनकनी प्रबंधन के अनुसार अपराधियों ने घटना को अंजाम तो दिया, लेकिन सीआईएसएफ की क्यूआरटी टीम की त्वरित कार्रवाई के कारण अपराधी अधिकांश सामान ले जाने में सफल नहीं हो सके। प्रबंधन ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए लोयाबाद थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है।

पहले ही रात चोरों ने उड़ाए थे दो सीसीटीवी कैमरे : कर्मियों ने बताया कि शनिवार रात की सेंधमारी से पहले मंगलवार को ही अपराधियों ने गोदाम परिसर के दो महत्वपूर्ण सीसीटीवी कैमरे चोरी कर लिए थे। एक कैमरा मेन गेट की निगरानी करता था, जबकि दूसरा वर्कशॉप परिसर के अंदर लगा था। कनकनी प्रबंधन ने बताया कि बढ़ती चोरी और अपराध की घटनाओं को रोकने के लिए गोदाम क्षेत्र में कुल 7 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इनमें से दो कैमरे पिछले कुछ दिनों से खराब थे, जबकि दो कैमरे मेन गेट एवं गोदाम क्षेत्र से अपराधियों ने चोरी कर लिए। गोदाम

परिसर का एक और कैमरा तकनीकी खराबी से बंद पड़ा है। वर्तमान में केवल तीन कैमरे कार्यरत हैं। कैमरा चोरी होने के बाद परिसर की निगरानी लगभग ठप हो गई थी, जिसका फायदा उठाकर अपराधियों ने शनिवार की रात सेंधमारी को अंजाम दिया।

तीन गार्डों पर कार्रवाई : सीसीटीवी चोरी मामले में कनकनी प्रबंधन ने राम दुलार कुम्हार, विजय मंडल और रामचन्द्र महतो—इन तीनों सुरक्षा गार्डों को चार्जशीट किया है। हालांकि चार्जशीट होने के बावजूद तीनों की ड्यूटी फिलहाल जारी है। प्रबंधन ने सीसीटीवी सिस्टम के इंचार्ज एरिया नोडल अधिकारी को सूचित कर दिया है और पुलिस को मामले से संबंधित लिखित शिकायत सौंप दी है।

प्रबंधन ने सीआईएसएफ की तत्परता की प्रशंसा की : कनकनी कोलियरी के प्रबंधक रोहित कुमार ने कहा कि शनिवार की रात सेंधमारी की कोशिश की गई, लेकिन अपराधी सामान ले जाने में सफल नहीं हुए। सीआईएसएफ की क्यूआरटी टीम की सतर्कता प्रशंसनीय है। परियोजना पदाधिकारी धीरज कुमार सिन्हा ने बताया कि बढ़ती चोरी की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है तथा तीनों गार्डों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

न्यूज अपडेट

दीक्षा महिला मंडल ने अनन्या को किया सम्मानित

तेतुलमारी (शुभम संदेश)। बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र संख्या 5 के दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल, पुर्विता रमैया, रंजना सिंह तथा नेहा दास के दिशा निर्देश पर प्रज्वला महिला द्वारा सिजुआ स्टेडियम में सम्मान समारोह सह खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, प्रतियोगिता में महिलाओं का 50 मीटर स्पून मार्बल रेस, रिले रेस विथ ड्रेसिंग, बैलेंसिंग रेस, लूडो, बैडमिंटन तथा विभिन्न तरह के खेलों का आयोजन किया गया। समिति ने झरिया के भागा में समोसे की दुकान चलाने वाले पिता सुभाष प्रसाद गुप्ता की पुत्री अनन्या को सम्मानित किया। अनन्या ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में धनबाद जिले का नाम रोशन किया था। अनन्या राज्य स्तरीय 2 सौ मीटर में कांस्य पदक विजेता रही है। इसके अलावा उन्होने 6 सौ मीटर, लॉन्ग जंप, हाई जंप में बैहतरीन प्रदर्शन किया था।अनन्या के पिता आर्थिक रूप से कमजोर है। आज प्रज्वला महिला समिति की अध्यक्षा शर्मिष्ठा चक्रवर्ती ने समिति की ओर से 6 हजार रूपया की आर्थिक मदद की। उन्होंने कहा कि आगे भी हमारी महिला समिति आपको हर संभव मदद करती रहेगी। मौके पर भास्वती कुंडू, बबीता दास, अपर्णा चौधरी, कंचन कुमार, रेखा कुमार, नूतन जोशी, रीना मित्रा आदि मौजूद थी।

अवैध खनन में चाल धंसने से एक की मौत, 4 घायल

निरसा/कुमारधुबी (शुभम संदेश)। ईसीएल के कापासारा आउटसोर्सिंग क्षेत्र में रविवार सुबह करीब नौ बजे अवैध कोयला खनन के दौरान चाल धंसने से एक महिला सहित चार लोग मलबे में दब गए. इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए. खदान संचालक से जुड़े लोगों ने सभी को मलबे से बाहर निकाल लिया. घायल लोगों का गुपचुप तरीके से इलाज कराया जा रहा है. मृतक की पहचान सीतारामपुर (पश्चिम बंगाल) निवासी मनोज कोयरी (46) के रूप में हुई है. उसका शव मलबे से बाहर निकाल कर परिजनों को सौंप दिया गया है. कोलियरी प्रबंधन और निरसा पुलिस ने घटना होने से ही इंकार कर दिया है.

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

कालूबथान (शुभम संदेश)। कलियासोल प्रखंड क्षेत्र के उरमा पंचायत के उरमा मदरसा परिसर में कुमारधुबी हॉस्पिटल व पूर्व मुखिया शमीम अख्तर की अगुवाई में रविवार को कुमारधुबी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, रक्त जांच एवं ईसीजी जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उरमा गांव के लोगों के साथ-साथ कलियासोल प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य की जांच विशेषज्ञ डॉक्टरों से कराई। जांच उपरांत सभी रोगियों को निःशुल्क दवाई भी दी गई। इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों के लगभग 160 ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई तथा जांच के बाद सभी को इलाज के लिए निःशुल्क दवाई प्रदान की गई। कुमारधुबी हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टर पिंकु कुमार एवं आबू सलेम ने उपस्थित सभी रोगियों की जांच कर सलाह-परामर्श देते हुए कहा कि कुमारधुबी हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों का इलाज करना एक बहुत नेक पहल है। क्षेत्र में ऐसे लोग भी हैं जो आर्थिक अभाव के कारण समय-समय पर अपना स्वास्थ्य जांच नहीं करवा पाते। शिविर में मुख्य रूप से डॉक्टर पिंकु कुमार, आबू सलेम, पूर्व मुखिया शमीम अख्तर, शुभेंदु हालदार, सुदीप्ता, अंकिता, शिवम् सिंह, प्रियंका, मोहन, मोना आदि के साथ कुमारधुबी हॉस्पिटल का अहम योगदान रहा।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर रक्तदान शिविर

बाघमारा (शुभम संदेश)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर बाघमारा प्रखंड के भीमकनाली ग्राम पंचायत सचिवालय में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की और 25वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 25 यूनिट रक्तदान किया। रक्त संग्रह के लिए शहीद निर्मल महतो स्मारक अस्पताल, धनबाद की मोबाइल वैन टीम मौजूद थी। कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया संतोष कुमार सिंह चौधरी ने फीता काटकर और बिरसा मुंडा की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता जगत महतो ने कहा कि बिरसा ने अंग्रेजी शोषण और सामंती व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई लड़ी और आजादी का बिगुल फूंका। अब झारखंड को भ्रष्टाचार से मुक्त कर स्वराज का झंडा गाड़ना होगा। जल, जंगल और जमीन को पूंजीपतियों के चंगुल से छुड़ाने के लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा, तभी झारखंड खुशहाल होगा। रक्तदान शिविर में जगत महतो, प्रेम कुमार, रमेश कुमार महतो, मदन मोहन महतो, बबलू मिश्रा, विक्की साव, विकास कुमार महतो, रंजीत कुमार, विकास रजवार, विश्वनाथ हाड़ी, सरबन बढ़ई, अमरदीप चटर्जी, विप्लव चटर्जी, विशाल कुमार महतो, दिनेश महतो, रमेश रजवार, सुमित कुमार, रौनक कुमार, लक्ष्मण कुमार सहित कई कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

ब्रीफ खबरें

बीसीसीएल कर्मी पन्नालाल का निधन

बाघमारा। रीजनल हॉस्पिटल बाघमारा में कार्यरत बीसीसीएल के पंप ऑपरेटर पन्नालाल महतो का इलाज के दौरान कोलकाता के मिशन हॉस्पिटल में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पन्नालाल महतो के पार्थिव शरीर को बरोरा क्षेत्र के कार्यालय में रखा गया है, जहां सभी यूनियन प्रतिनिधि और संयुक्त मोर्चा ने एकजुट होकर उनके परिजनों के लिए तत्काल प्रोविजनल नियोजन की मांग की है। यूनियन नेताओं का कहना है कि यह मांग कंपनी के नियमों के तहत उचित है और इसे शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। खबर लिखे जाने तक वार्ता चल रही हैं।

जिप सदस्य ने फेवर ब्लाक का किया शिलान्यास

गोमो। रेलवे के साउथ कॉलोनी स्थित दुर्गा मंडप और लोको बाजार बिजली ऑफिस समीप काली मंडप प्रांगण में जिला परिषद निधि से बिछने वाली फेवर ब्लाक का शिलान्यास रविवार को तोपचांची (1) जिला परिषद सदस्य श्रीमती बिजली देवी, पूर्व जिप सदस्य हीरामन नायक ने शिलापट्ट के समक्ष धूप-दीप व नारियल फोड़ कर किया। इस मौके पर प्रतिनिधि हीरामन नायक ने कहा कि पूजा समिति सदस्यों के द्वारा मंडप प्रांगण में फेवर ब्लाक बिछाने की मांग की गई थी, जो अब पूरा होने वाला है। उन्होंने बताया कि दोनों पूजा स्थलों का निर्माण कार्य की कुल लागत राशि 4 लाख 22 हजार रुपया है, जो संवेदक द्वारा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बारिश में पूजा मंडप प्रांगण कीचड़युक्त हो जाता था, जिससे भक्तों को माँ के प्रांगण में पहुँचने में परेशानी होती थी। निर्माण कार्य होने से समस्या से निजात मिलेगी।

गोविंदपुर पैक्स राज्य स्थापना दिवस पर सम्मानित

गोविंदपुर। सहकारिता विकास में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए गोविंदपुर पैक्स को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। शनिवार को रांची में आयोजित मुख्य समारोह में सहकारिता एवं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गोविंदपुर पैक्स को सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर पैक्स प्रबंधक कंसारी चंद्र दास और व्यापार मंडल प्रतिनिधि गुलजार महतो को सहकारिता विभाग की ओर से 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। गोविंदपुर पैक्स की इस उपलब्धि पर जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश यादव, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी अजीत सिंह, मुखिया झूमा मुखर्जी एवं ममता देवी ने प्रसन्नता व्यक्त की है तथा भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करते रहने की अपील की है।

आजसू पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक

बाघमारा। बीसीसीएल डुमरा गेस्ट हाउस में रविवार को आजसू पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में लंबोदर महतो उपस्थित रहे. बैठक का मुख्य उद्देश्य 29 नवंबर को कतरास में आयोजित होने वाले आजसू पार्टी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार करना था. इस कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के आगमन की पुष्टि हुई है. जानकारी के अनुसार, 29 नवंबर को आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न दलों के नेता और कार्यकर्ता सुदेश महतो की उपस्थिति में आजसू पार्टी में शामिल होंगे.

तेज रफ्तार हाइवा ने युवक को रौंदा, हालत गंभीर, रांची रेफर

आक्रोशित लोगों ने वाहन जब्त कर चालक को बनाया बंधक

शुभम संदेश। झरिया

जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा को-ऑपरेटिव कॉलोनी के समीप रविवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में 25 वर्षीय हीरा पंडित गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क से गुजर रहे तेज रफ्तार हाइवा ने युवक को अचानक अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद सड़क पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती देख डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया। घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने हाइवा को रोककर जब्त कर लिया और उसके चालक को पकड़ लिया। लोगों का कहना था कि जब तक घायल युवक के इलाज की पूरी व्यवस्था नहीं की जाती और परिवार को उचित मुआवजा नहीं मिलता, तब तक चालक को नहीं छोड़ा जाएगा। वहीं, मौके पर पहुंची जोड़ापोखर थाना पुलिस ने चालक को हिरासत में लेने का प्रयास किया, लेकिन भारी विरोध के कारण पुलिस उसे मौके से नहीं ले जा सकी। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में चलने वाले अधिकांश हाइवा बिना खलासी के चलते हैं, जिसके कारण चालक को सड़क पर दोनों दिशाओं का ध्यान रखने में कठिनाई होती है और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, सड़क किनारे मनमाने तरीके से खड़ी की जाने वाली दुकानदारों की गाड़ियाँ भी सड़क को संकरा कर देती हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाएं आम हो गई हैं। लोगों ने प्रशासन से ऐसे वाहनों और अवैध पार्किंग पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

बसेरिया गोलीकांड: दो और आरोपी गिरफ्तार

केंदुआ (शुभम संदेश)। कोल ट्रांसपोर्टिंग पर वर्चस्व को लेकर बसेरिया में चली गोलीकांड की घटना में गोंदूडीह पुलिस ने दो और नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया. ओपी प्रभारी राजन झा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बसेरिया यादव बस्ती के सत्यम यादव और छोटू यादव शामिल है. अन्य आरोपियों की तलाश जारी है. इन आरोपियों के खिलाफ द्वितीय पक्ष की रानी कुमारी ने शिकायत दर्ज कराई थी. वहीं प्रथम पक्ष के बलराम यादव की शिकायत पर पुलिस एक दिन पहले ही सहोदर भाई राहुल कुमार उर्फ गुलटन यादव और मर्कसर यादव को लोडेड देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. वर्चस्व को लेकर हुए इस विवाद में अब तक तीन मामलों में 32 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है.

तोपचांची झील ने पूरा किया सौ वर्ष, शिक्षक ने बांटी मिठाई

शुभम संदेश। गोमो

तोपचांची वॉटर वर्क्स (झील) ने शनिवार 15 नवंबर को अपने स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर लिए। उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर 1924 को अंग्रेज सरकार के बिहार-उड़ीसा के तत्कालीन गवर्नर सर हेनरी व्हीलर ने झरिया वॉटर वर्क्स (झील) का उद्घाटन किया था। आज झील ने पूरे 100 वर्ष का सफर पूरा किया है।इस ऐतिहासिक अवसर पर झामुड़ा विभाग की ओर से कोई विशेष कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। संभवतः विभाग ने इस तिथि को संज्ञान में नहीं लिया, जबकि गुरुवार को आयोजित साइकिल रैली कार्यक्रम में धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने अपने संबोधन में 15 नवंबर को अंग्रेजों द्वारा झील के उद्घाटन का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि संभव है अंग्रेज भी भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सम्मान रखते थे, इसलिए झील का उद्घाटन 15 नवंबर के दिन ही निर्धारित किया गया था। गोमो के एक निजी विद्यालय के शिक्षक व समाजसेवी रविंद्र कुमार महतो का झील से विशेष लगाव रहा है। वे अपने सहयोगियों के साथ हर वर्ष झील की सालगिरह पर पहुंचकर दीप जलाते हैं और मिठाई बांटकर खुशी साझा करते हैं। इसी कड़ी में शनिवार को झील के सौ वर्ष पूरे होने पर उन्होंने झील परिसर पहुंचकर बच्चों और अन्य सैलानियों के बीच मिठाई बांटी और उत्सव मनाया। उन्होंने बाहर से आए पर्यटकों को भी झील का इतिहास और इसकी विशेषताएँ बताते हुए मिठाई खिलाई तथा सौ वर्षीय इस धरोहर पर गर्व जताया।

तेतुलमारी में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह कथा में बही भक्ति रस की धारा, श्रद्धालु झूमे

शुभम संदेश। तेतुलमारी

आज के समय में लोग भक्ति को भी "ट्रेंडिंग" का हिस्सा बना बैठे हैं। लोग यह देखने लगे हैं कि कौन सा गुरु या कौन सी भक्ति सोशल मीडिया पर अधिक प्रसिद्ध है और उसी के पीछे चल पड़ते हैं। जबकि भक्ति और गुरु साधना कोई प्रतियोगिता नहीं होती। सच्चा गुरु वह है जो साधक को भगवान की ओर ले जाए, और सच्चा भक्त वह होता है जो बिना दिखावे और स्वार्थ के अपने गुरु के बताए मार्ग पर चलता है। कथा के दौरान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विवाह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जैसे ही श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह से जुड़े भजनों की प्रस्तुति हुई, श्रद्धालु भक्ति भाव में झूम उठे। पूरा वातावरण "राधे-श्याम" के जयकारों, तालियों की गूंज और भक्ति रस से भर उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं भगवान श्रीकृष्ण कथा स्थल पर विराजमान होकर अपने भक्तों संग आनंद मना रहे हों। आज बहुत से लोग तीर्थ स्थलों पर पर्यटन या सोशल मीडिया के लिए रील बनाने की भावना से जाते हैं, जबकि तीर्थ केवल दिखावे का स्थान नहीं, बल्कि आत्मा के उत्थान और भक्ति का केंद्र हैं। जब श्रद्धा से तीर्थ जाते हैं, तब वहाँ का प्रत्येक कण मन को पवित्र कर देता है। रास लीला केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि प्रेम की पराकाष्ठा का प्रतीक थी - जहाँ भगवान ने दिखाया कि सच्चा प्रेम स्वार्थरहित होता है। गोपियों ने अपना सर्वस्व भगवान को अर्पित कर दिया, तब भगवान ने उनके हृदय में स्वयं को प्रकट किया। यह रास प्रेम और भक्ति का दिव्य संगम था - जहाँ न शरीर था, न अहंकार, केवल आत्मा थी और भगवान का सान्निध्य। मनुष्य को जिस वस्तु का अभिमान होता है - चाहे वह धन, रूप, ज्ञान या पद - भगवान अक्सर उसी का अहंकार तोड़ देते हैं। क्योंकि अहंकार रहते भक्ति का बीज हृदय में अंकुरित नहीं होता। आज बच्चों की सुरक्षा और सही दिशा इसलिए कमज़ोर पड़ रही है क्योंकि माता-पिता स्वयं धर्म से दूर होते जा रहे हैं। जब जीवन में भक्ति, पूजा, कथा और सत्संग का स्थान नहीं रहता, तो बच्चे भी भौतिकता और दिखावे की ओर बढ़ जाते हैं। धर्म से जुड़ाव ही वह सुरक्षा कवच है, जो परिवार और समाज दोनों को संभालता है। इस कथा के सफल आयोजन में आशीष वर्मा, आशा वर्मा, राजू लाला, धनंजय सिंह, संतोष वर्मा, आनंद सोनार, कैलाश बाउरी, मंजू देवी, दयावती देवी, अवधेश वर्मा, रेखा देवी, बिरजू बाउरी, हर्ष वर्मा, सचित बाउरी, प्रेम वर्मा, सुजीत वर्मा, मुकुंद स्वर्णकार, बिंदेश्वर सोनार, सरोज देवी, खुशी कुमारी, देवेंद्र नाथ वर्मा, उर्मिला सिंह सहित समस्त पांडेढीह, चंदौर और तेतुलमारी नगरवासियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

मायुमं झरिया का सीए कोर्स पर निःशुल्क करियर काउंसलिंग

सही मार्गदर्शन से हर बच्चा बड़ी सफलता हासिल कर सकता है : सीए श्याम सुन्दर

- मैं भी एक दिन इसी तरह की काउंसलिंग से प्रेरित हुआ था : सीए विनय हरितवाल

शुभम संदेश। झरिया

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के आह्वान पर चल रहे "हर बच्चा ख़ास है" अभियान के तहत बाल जागरूकता सप्ताह (10–20 नवंबर 2025) के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा द्वारा 16 नवंबर 2025 को निःशुल्क करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन मनीष कोचिंग सेंटर, मानबाद, झरिया में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सीए कोर्स की संरचना, अवसरों तथा भविष्य की संभावनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि धनबाद ब्रांच ऑफ सीए के पूर्व चेयरमैन सीए श्याम सुन्दर साह, शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा, संयोजक सीए सन्नी केटेसरिया तथा काउंसलर सीए विनय हरितवाल द्वारा किया गया। अतिथियों ने माता सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। मुख्य अतिथि सीए श्याम सुन्दर साह ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा— "हर बच्चा अपनी विशिष्ट प्रतिभा रखता है। यदि उसे सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिले, तो वह निश्चित ही बड़ी सफलता प्राप्त कर सकता है। युवा पीढ़ी को शिक्षित, जागरूक और सक्षम बनाने की दिशा में मारवाड़ी युवा मंच का यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है।" इसके बाद सीए विनय हरितवाल ने छात्रों को चार्टर्ड अकाउंटेंसी कोर्स के विभिन्न स्तरों, परीक्षाओं की प्रक्रिया, अध्ययन पद्धति, आर्टिकलशिप, भविष्य के करियर विकल्पों तथा उद्योग में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन एवं सही मार्गदर्शन के महत्व पर भी प्रेरक विचार साझा किए। विद्यार्थियों ने उनसे सीए कोर्स से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनके उन्होंने सरल एवं स्पष्ट उत्तर देकर उनके संदेह दूर किए। कार्यक्रम के दौरान सीए विनय हरितवाल ने अपनी प्रेरक यात्रा साझा करते हुए बताया कि जब वे बारहवीं में थे, तब उन्होंने मारवाड़ी युवा मंच द्वारा झरिया के अग्रसेन भवन में आयोजित एक करियर काउंसलिंग सत्र में भाग लिया था। उन्होंने कहा— "उसी सत्र ने मेरे करियर की दिशा तय कर दी। वहीं से मुझे सीए करने की प्रेरणा मिली और आज मैं आपके सामने सीए विनय हरितवाल बनकर खड़ा हूँ। यह मंच मेरे लिए केवल एक संगठन नहीं, बल्कि मेरी सफलता की शुरुआत है।" संयोजक सीए सन्नी केटेसरिया ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं उपस्थित विद्यार्थियों का धन्यवाद किया।

स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में सरकारी विद्यालयों के साथ हो रहा अन्याय : चंद्रदेव

शुभम संदेश। गोविंदपुर

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के लिए बने नियमों पर आपत्ति जताई है. उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों के साथ अन्याय किया जा रहा है। विभाग ने जो व्यवस्था बनाई है उसके तहत कोई भी सरकारी विद्यालय मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय का पुरस्कार नहीं प्राप्त कर सकेंगे. सारे पुरस्कार पब्लिक और कॉर्पोरेट स्कूलों की झोली में चले जाएंगे. इसके लिए विभाग को प्रावधान में संशोधन करना होगा . महतो ने मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के लिए सरकारी, पब्लिक और कॉर्पोरेट विद्यालयों को एक ही श्रेणी में रखे जाने पर आपत्ति जताई है. उन्होंने कहा है कि विद्यालयों में साफ-सफाई को लेकर प्रतिस्पर्धा हो, इसके लिए विभाग द्वारा यह पुरस्कार सराहनीय है पर इसमें सरकारी, पब्लिक और कॉरपोरेट सभी तरह के विद्यालयों को एक ही श्रेणी में रख दिया गया है । इस स्थिति में सरकारी विद्यालय किसी भी हाल में पब्लिक और कॉर्पोरेट विद्यालयों के समक्ष नहीं टिक पाएंगे. इसके लिए विभाग को सरकारी विद्यालयों तथा पब्लिक और कॉर्पोरेट विद्यालयों के लिए अलग-अलग श्रेणी बनाना चाहिए. अन्यथा सारा पुरस्कार पब्लिक और कॉर्पोरेट विद्यालय ही ले लेंगे और सरकारी विद्यालय हाथ मलते रह जाएंगे. विधायक ने विभाग को सुझाव दिया है कि सरकारी विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए इस पुरस्कार की दो श्रेणी की जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है और इस मामले को लेकर वह स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता के सचिव को पत्र लिखेंगे तथा इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएंगे. उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले से तीन सरकारी तथा तीन पब्लिक और कॉर्पोरेट विद्यालयों को आकलन के आधार पर यह पुरस्कार दिया जाना चाहिए. सभी तरह के विद्यालयों को एक ही श्रेणी में समाहित करना सरकारी विद्यालयों के साथ अन्याय है.

स्थापना दिवस पर कला केंद्र में झारखंड संगीत समारोह

शुभम संदेश। बोकारो

प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़ एवं भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर 2डी स्थित कला केन्द्र में शनिवार की शाम झारखंड संगीत समारोह 2025 का भव्य आयोजन किया गया. झारखंड स्थापना दिवस पर आयोजित इस समारोह में कला केन्द्र का सभागार संगीत प्रेमियों से खचाखच भरा रहा. कार्यक्रम का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, रांची क्षेत्रीय शाखा के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कुमार संजय झा, वरिष्ठ परामर्शदाता एवं कैंसर रोग विभाग प्रमुख, मेडिकेंट अस्पताल डॉ. टी. एम. सिंह, प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़ के सचिव सजल कौसर, कार्यक्रम संयोजक व भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो के सचिव डॉ. राकेश रंजन, संरक्षक अशोक कुमार सिंह तथा कवि व गायक अरुण पाठक ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया. प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़ के सचिव सजल कौसर ने स्वागत भाषण में शास्त्रीय संगीत, नृत्य एवं कला के क्षेत्र में संस्था की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला. उन्होंने सभी को झारखंड स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और बोकारो में कार्यक्रम के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की. विशिष्ट अतिथि डॉ. कुमार संजय झा ने शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने में प्राचीन कला केन्द्र और भारतीय संगीत कला अकादमी के योगदान की सराहना की. डॉ. टी. एम. सिंह ने

अपने संबोधन में मानव जीवन में संगीत के सकारात्मक प्रभावों पर चर्चा की और कहा कि संगीत अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी महत्त्वपूर्ण है. संगीत समारोह की शुरुआत भारतीय संगीत कला अकादमी के छात्र केशव नंदन, अपूर्व सिंह, यश मिश्र, अक्षिता वत्स, हर्षित झा और अर्णव पाल की समूह तबला वादन प्रस्तुति से हुई. हार्मोनियम पर लहरा श्रुति रंजन एवं अमित सरकार ने दिया. इसके बाद कोलकाता की ख्याति-प्राप्त शास्त्रीय गायिका पियू मुखर्जी ने अपनी प्रस्तुति से समां बाँध दिया. उन्होंने राग यमन में बड़ा ख्याल (एकताल), मध्यलय बंदिश (तीनताल) और द्रुत एकताल की प्रस्तुति दी. तत्पश्चात राग माझ खमाज में ठुमरी और राग पीलू में दादरा प्रस्तुत कर श्रोताओं से भरपूर वाहवाही पाई. तबले पर बोकारो के डॉ. राकेश रंजन, हार्मोनियम पर कोलकाता के देवाशीष अधिकारी तथा तानपूरा पर बोकारो की गौरी झा ने संगति दी. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं चंडीगढ़ से आईं वरिष्ठ कथक नृत्यांगना डॉ. समीरा कौसर. उन्होंने अपनी मनोहारी कथक प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया. उन्होंने कृष्ण वंदना से प्रस्तुति की शुरुआत की, जिसके बाद पारंपरिक कथक शैली गत, निकास, थाट, आमद, उठान, परन, चक्रदार परन, उपज, प्रमिलु, लमछड़ परन आदि का मनमोहक प्रदर्शन किया. उनकी नृत्य नाटिका 'काया स्वरूपा' ने दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया, जिसमें उन्होंने अभिनय पक्ष की गहरी समझ और भावाभिव्यक्ति की अनोखी शैली प्रस्तुत की. समारोह में बोकारो के अलावा धनबाद, गिरिडीह, जमशेदपुर व रांची से भी बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित थे. प्रमुख उपस्थित लोगों में वरिष्ठ संगीतज्ञ कृष्ण मोहन पाठक, अवनीन्द्र कुमार सिंह, धनबाद के संगीतज्ञ मधुरेश कुमार वर्मा, डॉ. डी. के. झा, बेरमो के संगीतज्ञ तापस सेन गुप्ता, पं. बच्चन महाराज, नरेश कुमार सिन्हा, धनंजय चक्रवर्ती, अंकिता चक्रवर्ती, शांतनु सेन गुप्ता, अर्चना, रंजू सिंह, प्रसून कुमार झा, अरुप रक्षित, अमरजी सिन्हा, मंजरी श्रीवास्तव, पूनम सिंह, शारदा झा, अरुण कुमार, रुपक झा आदि शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

अन्नपूर्णा मेला को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

गांडेय (गिरिडीह)। गांडेय प्रखंड के गांडेय बाजार स्थित अन्नपूर्णा मंदिर परिसर में शनिवार की रात ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई. बैठक में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वार्षिक अन्नपूर्णा मेला के सफल आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही अन्नपूर्णा मंदिर समिति का विस्तार किया जाएगा, जिसमें पुराने सदस्यों के साथ-साथ युवा वर्ग को भी शामिल किया जाएगा. इस दौरान नरेंद्र कुटियार और विकास पाठक ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 4 दिसंबर से पाक्षिक अन्नपूर्णा मेला का आयोजन किया जाएगा. बैठक में श्याम पाठक, मीठू पाठक, अरविंद वर्मा, रवि वर्मा, शिव कृष्णा, रुद्ध संकेत गुप्ता सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे.

ट्रैक्टर ने कार को मारी टक्कर, दो घायल

साहिबगंज। रविवार को बोरियो थाना क्षेत्र के बोरियो–साहिबगंज मुख्य पथ स्थित पीर दरगाह के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें दो महिलाएं घायल हो गईं. मिली जानकारी के अनुसार साहिबगंज निवासी एक परिवार अपने निजी कार से घूमने के लिए राजमहल गया था. लौटने के क्रम में पीर दरगाह के पास साहिबगंज से बोरियो की ओर आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने कार को टक्कर मार दी. टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया. घायल महिलाओं को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है.

डॉ. रत्नप्पा के नाम पर समिति का गठन

तालगड़िया। तालगड़िया में प्रबुद्धजनों की बैठक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और संविधान निर्माता डॉ. रत्नप्पा कुम्हार के योगदान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया. इस अवसर पर डॉ. रत्नप्पा कुम्हार स्मारक समिति का गठन किया गया, जिसमें अंकित कुम्भकार अध्यक्ष और लक्ष्मण कुम्भकार उपाध्यक्ष चुने गए. समिति के संरक्षक के रूप में जगन्नाथ रजवार को मनोनीत किया गया. बैठक में किसानों की समस्याओं, संविधान संरक्षण और जन-जागरुकता पर भी चर्चा हुई. स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद थे. कार्यक्रम में झामुमो संस्थापक सदस्य दुर्गा चरण महतो, सुबोध कुम्भकार, इंद्रजीत कुम्भकार, परमानंद कुम्भकार, फंटू कुम्भकार, राजेश कुम्भकार, दिलीप कुम्भकार, अरुण पंडित, मंजू देवी, सविता देवी, गीता देवी, बब्लू कुम्भकार, विनोद कुमार महतो सहित अनेक लोग उपस्थित थे.

सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनी

साहिबगंज। रविवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शहर के मुक्तेश्वरधाम नमामि गंगे घाट से एक किलोमीटर से अधिक लंबा यूनिटी मार्च निकाला गया. यूनिटी मार्च को डीडीसी सतीश चंद्रा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. मार्च में शामिल युवा वर्ग हाथों में तिरंगा झंडा थामे एक भारत–आत्मनिर्भर भारत, सरदार वल्लभ भाई पटेल की जय और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए शहर भ्रमण करते रहे. यूनिटी मार्च गंगा घाट से निकलकर बड़तल्ला, कुलीपाड़ा, स्टेशन रोड, पटेल चौक, स्वामी विवेकानंद चौक, गांधी चौक और नॉर्थ कॉलोनी होते हुए पुनः मुक्तेश्वरधाम नमामि गंगे घाट में समाप्त हुआ. कार्यक्रम के दौरान पटेल चौक स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा सहित अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं पर अधिकारियों ने फूल-माला अर्पित कर नमन किया. गंगा घाट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों युवा शामिल हुए.

प्रभावित लोगों की समस्याओं का जल्द होगा समाधान : सांसद विजय

शुभम संदेश। ललमटिया

राजमहल सांसद विजय हांसदा ने रविवार को ललमटिया क्षेत्र का दौरा किया. उनके साथ सांसद प्रतिनिधि मानस दत्ता, बोआरीजोर प्रखंड अध्यक्ष सुनील मरांडी, अब्दुल्ला अंसारी, जमशेद अंसारी सहित अन्य झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे. दौरे की शुरुआत में सांसद ईसीएल की राजमहल परियोजना के सीएचपी पहुंचे, जहां उन्होंने ठेका मजदूरों से मुलाकात की. मजदूरों ने माला पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. इस दौरान ईसीएल के प्रबंधक कार्मिक प्रणव कुमार, एपीएम मनोज इमानुएल टुडू भी उपस्थित थे. मौके पर ठेका मजदूरों ने सांसद के समक्ष अपनी पांच सूत्री मांगें रखीं, जिनमें सीएमपीएफ अपडेट, हॉलीडे में काम कराकर वेतन न देना, वर्क डे 312 से घटाकर 305 करने का विरोध, ओवरटाइम करा कर बाद में छुट्टी कर देने की समस्या, असंगठित मजदूरों को ईसीएल द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराना. सांसद ने मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए ईसीएल अधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान का आश्वासन दिया. इसके बाद सांसद ने राजमहल परियोजना के लोकल सेल के मजदूरों से भी मुलाकात की. मजदूरों ने शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया और अपनी समस्याएं बताईं. सांसद ने सभी मुद्दों के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया. दौरे के क्रम में वे परियोजना से प्रभावित तालझारी गांव पहुंचे, जहां ग्रामीणों के साथ बैठक की. ग्रामीणों ने बताया कि ईसीएल द्वारा लगातार खुदाई गांव के निकट तक पहुंच गई है. हैवी ब्लास्टिंग के कारण घरों में कंपन होता है, दीवारों में दरारें पड़ गई हैं और जीवन असुरक्षित महसूस होता है. ग्रामीणों ने विस्थापन की मांग करते हुए कहा कि तेलगांव मौजा में तालझारी गांव का पुनर्वास कराया जाए. सांसद विजय हांसदा ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि परियोजना प्रबंधन के साथ बैठक कर पुनर्वास एवं अन्य समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाएगा. मौके पर सीएचपी के अमीर अंसारी, बशीर अंसारी, मतीन अंसारी, शमशेर अंसारी, शकील अंसारी, जहांगीर अंसारी समेत सैकड़ों ठेका मजदूर उपस्थित थे.

खान बचाव दिवस पर ललमटिया कोलियरी में कार्यक्रम आयोजित

ललमटिया। राजमहल परियोजना के ललमटिया कोलियरी क्षेत्र में माइंस रेस्क्यू डे को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. यह दिवस जसवंत सिंह गिल द्वारा किए गए ऐतिहासिक और साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन की स्मृति को समर्पित है. कार्यक्रम का आयोजन राजमहल क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक ए. एन. नायक के मार्गदर्शन में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत स्व. गिल को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हुई. इस दौरान वर्ष 1989 में रानीगंज कोलफील्ड में स्व. गिल द्वारा किए गए अद्वितीय बचाव अभियान का विस्तृत विवरण सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया. इस वीरतापूर्ण घटना ने न केवल खदान बचाव कार्यों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा, बल्कि साहस, निष्ठा और तकनीकी दक्षता का सर्वोच्च उदाहरण भी स्थापित किया. कार्यक्रम में दिनेश शर्मा, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) राजमहल क्षेत्र, पी. बर्नवाल, क्षेत्र सुरक्षा अधिकारी, मनोज ई. टुडू, क्षेत्रीय एचआर प्रबंधक सहित राजमहल क्षेत्र के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान दिनेश शर्मा ने खदान सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी और रेस्क्यू टीमों की क्षमता सुदृढ़ करने पर जोर दिया. साथ ही कोल इंडिया की विभिन्न रेस्क्यू टीमों के अमूल्य योगदान की सराहना की गई और राजमहल क्षेत्र की सुरक्षा प्रतिबद्धता को दोहराया गया. कार्यक्रम का समापन सभी रेस्क्यू कर्मियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किया गया, जिनके साहस और समर्पण से खदान कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है.

मंत्री योगेंद्र ने किया झारखंड आंदोलनकारी को सम्मानित

शुभम संदेश। बोकारो

जिला प्रशासन द्वारा पेटरवार में आयोजित सम्मान समारोह में मंत्री योगेन्द्र प्रसाद महतो ने झारखंड आंदोलनकारियों को मोमेंटो और सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. इस सम्मान के लिए झारखंड आंदोलनकारियों ने हेमंत सरकार के प्रति आभार जताया है. केंद्रीय समिति के सचिव एवं भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य भुवनेश्वर केवट ने कहा कि सम्मान समारोह में जेल जाने वाले वरिष्ठ आंदोलनकारियों को आमंत्रित नहीं किया गया, जिस पर आंदोलनकारियों ने जिला प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि जब भी आंदोलनकारियों को सम्मानित किया जाए, जेल जाने वाले वरिष्ठ आंदोलनकारियों को अवश्य आमंत्रित किया जाना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि सम्मानित होने वाले आंदोलनकारियों को केवल सम्मान पत्र ही नहीं, बल्कि प्रतिमाह 10 हजार रुपये सम्मान राशि, मेडिकल कार्ड और नियोजन की गारंटी भी दी जानी चाहिए. सम्मान समारोह के दौरान झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा से जुड़े बोकारो जिले के वरिष्ठ आंदोलनकारी भुवनेश्वर केवट, इंद्रदेव सिंह, राजेश गिरी और गुजर सिंह ने मंत्री योगेन्द्र प्रसाद महतो को एक मांग पत्र सौंपा. मांग पत्र में प्रमुख रूप से जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी झारखंड आंदोलनकारियों को प्रतिमाह 25,000 रुपये सम्मान राशि प्रदान करने, झारखंड आंदोलनकारियों को चिकित्सा सुविधा हेतु प्रतिवर्ष 15 लाख रुपये का गुरुजी मेडिकल कार्ड जारी करने, आंदोलनकारियों के आश्रितों के नियोजन में 5% क्षैतिज आरक्षण के स्थान पर सीधी नियुक्ति की गारंटी देने, आंदोलनकारियों के लिए अलग-अलग नियमावली एवं संकल्प पत्र के बजाय 2015 से सभी आंदोलनकारियों को सम्मान राशि एवं अन्य लाभ सुनिश्चित किए जाने की मांग शामिल है.

अहीर रेजिमेंट मांग को लेकर दुमका से दल दिल्ली रवाना

देश भर से जंतर-मंतर पर जुटेंगे हजारों यदुवंशी : डॉ. अमरेन्द्र यादव

शुभम संदेश। दुमका

अहीर रेजिमेंट, जातिगत जनगणना की मांग तथा समाज में राजनीतिक जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा द्वारा रेजांगला युद्ध (1962) में शहीद 114 सैनिकों की स्मृति में अहीर धाम, लद्दाख की पवित्र मिट्टी से कलश यात्रा निकाली गई. यह यात्रा झारखंड–बिहार सहित देश के 19 राज्यों में भ्रमण कर रही है और 18 नवंबर, रेजांगला दिवस को जंतर-मंतर, नई दिल्ली में आयोजित विशाल सभा के साथ संपन्न होगी. 18 नवंबर को होने वाली इस जनसभा में देश भर से हजारों यदुवंशी अपनी मांगों के समर्थन में जुटेंगे और आवाज बुलंद करेंगे. कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रांतीय यादव महासभा के प्रदेश महासचिव सह संताल परगना प्रभारी डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव, जिलाध्यक्ष शिवनारायण दर्बे, कोषाध्यक्ष सौरभ यादव एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद मंडल दुमका रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा नई दिल्ली के लिए रवाना हुए. मौके पर जिला कमेटी के बिष्णु यादव, अशोक यादव, जितेंद्र यादव सहित कई सदस्य उपस्थित थे. प्रदेश महासचिव डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की लड़ाई के दौरान भारतीय सेना की 13 कुमाऊं बटालियन की एक कंपनी, जिसमें अधिकांश अहीर सैनिक शामिल थे, ने अद्भुत साहस और पराक्रम का प्रदर्शन किया था. इस युद्ध में 120 भारतीय सैनिकों ने 5,000 से अधिक चीनी सैनिकों का सामना किया और अनेक चीनी सैनिकों को मार गिराया. इस वीरतापूर्ण लड़ाई में 114 अहीर सैनिक शहीद हुए, जिनकी वीरता को आज भी सम्मान और श्रद्धा के साथ याद किया जाता है.

बोकारो में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया की जिम्मेदारी पर जोर

मीडिया की विश्वसनीयता जरूरी : उपायुक्त

जल्द बनेगा बोकारो में प्रेस क्लब भवन

शुभम संदेश। बोकारो

पत्रकारिता एक अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है, जिसका सीधा प्रभाव आम जनता के जीवन पर पड़ता है. मीडिया को अपने ट्रस्ट यानी विश्वसनीयता को कभी भी कमजोर नहीं होने देना चाहिए. उक्त बातें जिले के उपायुक्त अजय नाथ झा ने रविवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर कही. यह कार्यक्रम जिला प्रशासन (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) की ओर से वेस्टर्न फार्म, नया मोड़ में आयोजित किया गया था. कार्यक्रम का विषय था बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण. कार्यक्रम

की शुरुआत डीपीआरओ रवि कुमार द्वारा उपायुक्त को पुष्पगुच्छ देकर की गई. इसके बाद उपायुक्त सहित वरिष्ठ पत्रकारों ने दीप प्रज्ज्वलित किया. उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन और मीडिया दोनों ही जनता के भरोसे के स्तंभ हैं. आम लोग इनकी विश्वसनीयता पर विश्वास करते हैं. इसलिए खबर भले देर से आए, लेकिन सही और पुष्टि के साथ आए. उन्होंने कहा कि मीडिया का प्रबंधन (मैनेजमेंट) मजबूत होना चाहिए ताकि गलत सूचना न फैल सके. उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में भ्रामक सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, इसलिए हर पत्रकार का दायित्व बनता है कि वह पूरी जांच और पुष्टि के बाद ही किसी जानकारी को सार्वजनिक करे. उपायुक्त ने यह भी कहा कि जल्द ही बोकारो में प्रेस क्लब भवन का निर्माण शुरू किया जाएगा और इस दिशा में प्रशासन सकारात्मक पहल करेगा. परिचर्चा में कई पत्रकारों ने भी अपने विचार रखे. विजय झा ने पत्रकारिता की अहमियत पर प्रकाश डाला. रजत नाथ ने कहा कि धैर्य पत्रकारिता का मूल मंत्र है. पुष्टि की गई खबर ही प्रकाशित हो. अजय अश्क ने कहा कि पत्रकारिता पूरी जिम्मेदारी के साथ की जानी चाहिए. कार्यक्रम का संचालन पूर्णेंदु कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन पत्रकार धनंजय प्रताप ने दिया. परिचर्चा में जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, पोर्टल और सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकार बड़ी संख्या में शामिल हुए.

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर विधायक ने दी बधाई

बोकारो। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर विधायक श्वेता सिंह ने जिले के सभी पत्रकारों को बधाई प्रेषित की है. श्वेता ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और साहसी पत्रकारिता किसी भी लोकतांत्रिक समाज की रीढ़ होती है. सत्य को निर्भीकता से सामने रखने का साहस चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हो लोकतंत्र को मजबूत करता है और जनता का विश्वास बनाए रखता है. उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब फेक न्यूज, दमन और दबाव पत्रकारिता के वास्तविक चरित्र पर असर डालने की कोशिश करते हैं, तब वे सभी पत्रकार और मीडियाकर्मी प्रशंसा के पात्र हैं, जो सत्य, संवैधानिक मूल्यों और जनहित के प्रति पूरी निष्ठा से काम कर रहे हैं.

न्यूज अपडेट

डायन बताकर वृद्धा की पिटाई, न्याय की गुहार

बेंगाबाद (शुभम संदेश)। बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत चपुवाडीह पंचायत के डुमरजोर गांव में एक वृद्ध महिला को डायन बताकर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है. लगातार प्रताड़ना से परेशान पीड़िता ने बेंगाबाद थाना पहुंच कर लिखित आवेदन के माध्यम से आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. थाना को दिए आवेदन में वृद्धा ने उल्लेख किया है कि गांव के कुछ लोग वर्षों से किसी के बीमार होने या अनहोनी की घटना होने पर उसे डायन बताकर प्रताड़ित करते आ रहे हैं. पीड़िता के अनुसार, 14 नवंबर की रात आरोपितों ने उसे पकड़ कर मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई. वृद्धा ने बताया कि अगली सुबह, 15 नवंबर को भी वही लोग उसके घर पहुंचे और डायन होने का आरोप लगाते हुए फिर से उसके साथ मारपीट की. जब उसका बेटा और बहू बीच-बचाव करने आए, तो उन पर भी हमला किया गया. पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपितों ने उसकी बहू की साड़ी खींचकर उसकी अस्मिता को ठेस पहुँचाने की कोशिश भी की. पीड़िता का कहना है कि लंबे समय से जारी उत्पीड़न से वह मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद परेशान है. उसने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है.

झुलसी महिला को अधिकारियों ने कराया भर्ती

दुमका (शुभम संदेश)। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के सीतासाल गांव की 21 वर्षीय माकुम मुर्मू, जो 13 नवंबर 2025 की रात गंभीर रूप से जल गई थी, का इलाज पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट अस्पताल में चल रहा था. वहां से उसे रेफर कर दिया गया, जिसके बाद परिजन उसे दुर्गापुर ले गए. शनिवार को दुर्गापुर के चिकित्सकों ने भी जवाब दे दिया, जिसके बाद परिजन रात में उसे लेकर वापस सीतासाल गांव लौट आए. रविवार को जैसे ही प्रशासन को इसकी सूचना मिली, प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद एजाज आलम, अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर, पुलिस निरीक्षक-सह-थाना प्रभारी अमित लकड़ा तथा शिकारीपाड़ा के चिकित्सक डॉ. मिथिलेश कुमार ने मानवीय पहल दिखाते हुए पीड़िता के घर पहुंच कर उसका हाल जाना. उन्होंने पीड़िता को एंबुलेंस से दुमका मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजवाया, जहां उसका उपचार शुरू कराया गया. पदाधिकारियों ने इलाज में आर्थिक सहयोग देने का भी आश्वासन दिया. बताते चलें कि गंभीर रूप से जली माकुम मुर्मू की मां फुल मूनी हांसदा के बयान पर पेट्रोल छिड़ककर जलाने के आरोप में मझलाडीह निवासी मोगला देहरी एवं उसकी पत्नी के विरुद्ध थाना कांड संख्या 120/25 दर्ज किया गया है. पुलिस ने आरोपी मंगल देहरी को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है.

डुमरी से रांची लौट रही मंत्री का स्वागत

डुमरी (शुभम संदेश)। झारखंड सरकार में कांग्रेस कोटे की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह शनिवार की रात्रि गोड्डा से रांची लौट रही थीं. इसी दौरान डुमरी बाइपास ओवरब्रिज के समीप झामुमो एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. इसी मार्ग से गुजर रहीं झारखंड बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष बेबी देवी, जो इसरी बाजार में एक शादी समारोह में शामिल होकर अलारगो वापस लौट रही थीं, का भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुष्प-गुच्छ देकर सम्मान किया. कार्यकर्ताओं ने मंत्री को क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि एसडीएम, एलआरडीसी, बीडीओ, एमओ सहित कई महत्वपूर्ण पद महीनों से रिक्त पड़े हैं, जिसके कारण आमजनों को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने शीघ्र पदस्थापना की मांग की. कार्यक्रम में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, युवा कांग्रेस गिरिडीह जिला महासचिव गुड्डु मलिक, झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष पंकज कुमार समेत अनेक पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे.

एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने किया रक्तदान

गोड्डा (शुभम संदेश)। झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के साथ रक्तदान कर समाज को प्रेरणादायक संदेश दिया. पुलिस केंद्र, गोड्डा में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ उपायुक्त अंजली यादव ने फीता काटकर किया. उपायुक्त ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी है और रक्तदाता के लिए भी अत्यंत लाभकारी है. यह एक महान दान है, इसलिए सभी को आगे आकर रक्तदान करना चाहिए, ताकि जिले में गंभीर बीमारी या आपातकालीन स्थिति में रक्त की कमी न हो. पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधिकारी और जवान समय-समय पर रक्तदान में हिस्सा लेते रहे हैं. उन्होंने कहा कि आमजन की जरूरतों को देखते हुए सभी संस्थाओं और प्रबुद्धजनों को भी स्वैच्छिक रक्तदान में भाग लेना चाहिए. शिविर में नगर थाना प्रभारी दिनेश महली, एसडीपीओ महगामा चंद्रशेखर आजाद, डीएसपी कुमार गौरव, एसपी के रीडर महेश पांडेय सहित कई अधिकारियों ने रक्तदान किया. कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक, जिला वन पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी, पुलिसकर्मी, आईआरबी-8 गोड्डा के अधिकारी-कर्मियों सहित अन्य लोग उपस्थित रहे. रक्तदान शिविर में सिविल सर्जन डॉ. एस. सी. शर्मा और सदर अस्पताल, गोड्डा की चिकित्सक टीम द्वारा कुल 55 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया.

फुटबॉल से दिया गया लाइफ-स्किल प्रशिक्षण

कसमार (शुभम संदेश)। कसमार प्रखंड के टांगटोना पंचायत के नावाडीह गांव में सहयोगिनी संस्था द्वारा फुटबॉल खेल सह जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम के माध्यम से किशोरियों और महिलाओं को खेल के जरिये जागरूक करना, नेतृत्व क्षमता विकसित करना और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया. कार्यक्रम में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की गई. प्रतिभागियों को जेंडर समानता, बाल संरक्षण, किशोरियों के अधिकार, किशोरावस्था में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य तथा निर्णय लेने की क्षमता जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों की जानकारी दी गई. फुटबॉल खेल की विभिन्न गतिविधियों को लाइफ-स्किल प्रशिक्षण से जोड़ते हुए किशोरियों में आत्मविश्वास, टीमवर्क और सकारात्मक सोच विकसित करने पर बल दिया गया. समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के कई पंचायतों में किशोरी एवं युवा महिला समूहों का गठन कर उनके नेतृत्व विकास पर कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं से जोड़कर इन समूहों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास जारी है. सुरक्षित और जागरूक वातावरण बच्चों के भविष्य की नींव है. कार्यक्रम में प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो, खेल प्रशिक्षक सिमोती किस्कू, रेखा देवी, परी कुमारी, षष्ठी कुमारी, डोली कुमारी, मधु कुमारी, कशिश कुमारी, आरती कुमारी, सोनिया परवीन, साना परवीन, जुबेदा खातून, रोशनी खातून, शहनाज खातून सहित कई किशोरियाँ एवं महिलाएं उपस्थित थीं.

सुरभि कोचिंग सेंटर में बाल दिवस मना

डुमरी (शुभम संदेश)। सुरभि कोचिंग सेंटर में रविवार को रजत जयंती एवं बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षकों द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण और उनके जीवन पर प्रकाश डालने के साथ हुई. इस अवसर पर कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए. उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए सुरभि कोचिंग सेंटर के संचालक शशि शेखर पांडेय ने कहा कि पंडित नेहरू को बच्चों से अत्यधिक प्रेम था और बच्चे भी उन्हें स्नेहपूर्वक चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे. यह दिन हमें याद दिलाता है कि बच्चे किसी भी देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति होते हैं और वही भविष्य के नेता, वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर तथा राष्ट्र निर्माता बनेंगे. कार्यक्रम में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में सफल बच्चों को ट्रॉफी भी प्रदान की गई. इस अवसर पर शिक्षाविद प्रो. गौरीशंकर पांडेय एवं उमाशंकर पांडेय भी उपस्थित थे.

बोकारो में एंटी करप्शन फाउंडेशन की बैठक

बोकारो (शुभम संदेश)। बोकारो में आयोजित एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ वर्ल्ड झारखंड की प्रदेश बैठक में पदाधिकारियों के आई-कार्ड व पास के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया. संगठन ने भ्रष्टाचार, नशा, सड़क सुरक्षा, घरेलू हिंसा और मिलावटी सामान बेचने वालों के खिलाफ अभियान तेज करने पर भी जोर दिया. बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पी.एन. तिवारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे. बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पी. एन. तिवारी, उपाध्यक्ष जय शर्मा, सचिव कमलेश प्रसाद, डॉ. विकास मोदी, आभा सिंघा, कुमार राजा, सुरेश बोथरा, नवीन कुमार तिवारी, भोला प्रसाद नोनिया, गुड्डू चौहान, इस्लाम अंसारी, शंकर महतो और महेंद्र चौहान सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

ब्रीफ खबरें

शहीद नेपाल रवानी को श्रद्धांजलि

धनबाद। गोधर स्थित शहीद नेपाल रवानी चौक में शहीद नेपाल बाबू की प्रतिमा पर युवा अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आकाश रवानी द्वारा माल्यार्पण कर नेपाल बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. वहीं महासभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष आकाश रवानी ने कहा कि नेपाल बाबू ने सूदखोरी प्रथा के खिलाफ आंदोलन कर महाजनों के विरुद्ध लड़ाई लड़ी. झारखंड अलग राज्य आंदोलन में उनकी भूमिका अति महत्वपूर्ण थी. वे सदैव शोषित-वंचित समाज के लिए एक मिसाल के तौर पर स्थापित रहे। हम सभी युवा वर्ग को उनके जीवनकाल से प्रेरणा लेनी चाहिए. उनके ही मार्गदर्शन पर चलकर झारखंड का कायाकल्प किया जा सकता है. मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पिंटू रवानी, जिला अध्यक्ष गोपाल रवानी, विक्रांत रवानी, समीर रवानी, अजय रवानी, संतोष रवानी, विजय रवानी, संजय रवानी, विनोद कुमार, बबलू रवानी एवं सैकड़ों लोग मौजूद थे.

लोहा चोर को आरपीएफ ने किया गिरफ्तार

धनबाद। आरपीएफ पोस्ट धनबाद के अधिकारी एवं जवान द्वारा धनबाद यार्ड में कि.मी. 0 पोल संख्या 270/एस31जी के पास बालो गोस्वामी, उम्र-लगभग 33 वर्ष, पिता-स्व. अनिल गोस्वामी, पता-धनबाद डायमंड क्रॉसिंग के पास पहाड़ी पर, थाना- बैंकमोड़, जिला-धनबाद को रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग की एक अदद सीएसटी-9 प्लेट की चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया. उक्त के संबंध में कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया तथा न ही कोई वैध कागजात प्रस्तुत किया गया. चोरी की गई रेल संपत्ति को समय 05:30 बजे जब्त किया गया तथा अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया. उक्त घटना के संबंध में स.उ.नि. जीबलाल राम द्वारा दिए गए लिखित शिकायत पत्र के आधार पर रेसुब पोस्ट धनबाद के अंतर्गत गिरफ्तारशुदा बालो गोस्वामी के विरुद्ध दर्ज किया गया तथा जांच का जिम्मा उ.नि. कुंदन कुमार को सौंपा गया. अभियुक्त को अग्रिम कार्रवाई के लिए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. बरामद रेल संपत्ति का अनुमानित मूल्य 1280 रुपए है.

लापता युवक का शव झाड़ियों में मिला, हत्या की आशंका

मृतक के शरीर पर चोट के मिले निशान, पास से एक मोबाइल जब्त

- 11 नवंबर से था लापता चंदनकियारी थाने में दर्ज है गुमशुदगी की रिपोर्ट
- नौकरी के लिए छत्तीसगढ़ जाने की बात कहकर निकला था मृतक

शुभम संदेश। झरिया

एटी देव प्रभा आउटसोर्सिंग कंपनी अंतर्गत पोखरिया स्थित घनी झाड़ियों में रविवार को एक अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. देखते ही देखते घटना की जानकारी पूरे इलाके में जंगल की आग की तरह फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना घनुडीह ओपी पुलिस को दी. सूचना मिलते ही ओपी प्रभारी पंकज कुमार दल-बल के साथ पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गए. जांच के दौरान स्थानीय लोगों ने बताया कि शव पांडे बेड़ा बस्ती निवासी लालचंद के साले का है. मृतक की पहचान बोकारो जिला चंदरपुरा थाना क्षेत्र निवासी राजन सिंह के 22 वर्षीय पुत्र तुसार सिंह के रूप में हुई. मृतक तुसार 11 नवंबर 2025 से लापता था. उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट चंद्रपुरा थाना में दर्ज कराई गई थी. परिजन कई दिनों से उसकी खोजबीन कर रहे थे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल रहा था. उसका मोबाइल भी लगातार स्विच ऑफ बता रहा था. रविवार को उसका शव पोखरिया की झाड़ियों में मिला. मृतक के शरीर पर चोट के निशान थे. घटनास्थल से एक मोबाइल भी बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है. इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी. सूचना मिलते ही मृतक की मां राधा देवी, बहन रेशमी देवी, फुआ नीलू देवी और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतक की मां राधा देवी ने आरोप लगाया कि तुसार घर का इकलौता चिराग था. वह छत्तीसगढ़ में नौकरी करने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन अचानक उसका मोबाइल बंद हो गया और संपर्क नहीं हो सका. मोबाइल की अंतिम लोकेशन झरिया मिली. परिजनों ने आरोप लगाया कि पांडे बेड़ा बस्ती निवासी एक लड़की ने फोन कर तुसार को झरिया बुलाया. तुसार के वहां पहुंचने के बाद लड़की के परिवारजनों ने साजिश के तहत उसे घर बुलाया और उसकी हत्या कर दी और शव को पोखरिया की झाड़ियों में फेंक दिया. फिलहाल, समाचार लिखे जाने तक पीड़ित परिवार की ओर से स्थानीय थाना में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

मंडल कारा में जेल अदालत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

- एक विचाराधीन बंदी रिहा बंदियों का किया गया स्वास्थ्य जांच

शुभम संदेश। धनबाद

झालसा एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी के आदेश पर रविवार को मंडल कारा धनबाद में जेल अदालत व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि जेल अदालत में रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी मनोज कुमार के उपस्थिति में मंडल कारा पाल दिनेश वर्मा के द्वारा जेल अदालत के लिए चिन्हित कूल चार बंदियों को पीठासीन न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष हाजिर कराया गया. जिसमें एक बंदी को रिहा किया गया. इस दौरान न्यायिक पदाधिकारी एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल की टीम ने बंदीयों के बीच विभिन्न कानून की जानकारी दी. डॉक्टर राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में डॉक्टर एस के झा ,डॉक्टर अमिताभ त्रिगुणाइत, डॉक्टर सोमा दत्त राय, डॉक्टर एमपी राजवाड़ा ,हेल्थ वर्कर सुनील कुमार ,नूतन कुमारी, उत्तम कुमार यादव, गोपाल प्रजापति द्वारा 187 बंदियों का स्वास्थ्य जांच किया गया और उन्हें मौके पर दवा उपलब्ध कराई गई. इस मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल सुमन पाठक, मुस्कान चोपड़ा, नीरज गोयल, स्वाति कुमरी, कन्हैयालाल ठाकुर, सहायक , सौरव सरकार, अरूण कुमार ,पीएलवी विशाल सिंह, उज्जवल कुमार, समेत अन्य उपस्थित थे.

सरकार आपके द्वार को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

शुभम संदेश। महुदा

पंचायत सचिवालय धर्माबांध में बाघमारा प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायत अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित सभी उप–मोचां पदाधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष लखी सोरेन शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार रवानी तथा संचालन प्रखंड सचिव मनसाराम मुर्मू ने किया. शिविर की शुरुआत दीप प्रज्वलन और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक स्व. शिबू सोरेन तथा झारखंड आंदोलनकारी शहीद नेपाल रवानी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई. प्रशिक्षण शिविर में झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सरकार आपके द्वार के तहत अधिक से अधिक लोगों को कैसे लाभान्वित किया जाए, इस पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्रशिक्षण दिया गया. साथ ही सरकार द्वारा संचालित मंईयां सम्मान योजना, सर्वजन पेंशन योजना, पशुधन विकास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि की विस्तृत जानकारी दी गई. योजनाओं से संबंधित खाली व भरे हुए फॉर्म भी उपलब्ध कराए गए. जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा कि यह प्रशिक्षण इसलिए दिया जा रहा है ताकि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रतिनिधि को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो और मुख्यमंत्री की प्रत्येक योजना घर–घर तक पहुंचे, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें. यही अबुआ सरकार का लक्ष्य है.

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म तीन से दो मोबाइल चोर गिरफ्तार

शुभम संदेश। धनबाद

निरीक्षक प्रभारी के नेतृत्व में सीआईबी के द्वारा धनबाद स्टेशन पर गश्त व अपराधिक निगरानी के दौरान धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 3 पर गाड़ी संख्या 12381 अप (पूर्वा एक्सप्रेस) के समय 11:52 बजे आगमन पर चेकिंग कर रहे थे. तभी दो व्यक्ति अगले सामान्य कोच में संदिग्ध अवस्था में इधर-उधर घूमते हुए दिखाई दिए. शक होने पर हमलोग इनके ऊपर निगरानी करने लगे. तभी दोनों व्यक्ति एक-दूसरे का सहयोग करते हुए उक्त गाड़ी के उक्त कोच में यात्रा कर रहे यात्रियों का कुछ सामान चोरी कर उक्त गाड़ी से उतरकर तेजी से आगे की तरफ भागने लगे, जिसे गश्ती पार्टी द्वारा दोनों को पीछा कर घेरकर धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 3 के पश्चिमी छोर पर पकड़ लिया गया. घटना के संबंध में सुशील कुमार, सउनि/अआशा/धनबाद के द्वारा लिखित प्राथमिकी दी गई, जिसके आधार पर राजकीय रेल थाना धनबाद पर कांड संख्या 126/25 दर्ज किया गया. दोनों के पास से दो अदद पुराना सैमसंग कंपनी का नीला एवं आसमानी रंग का स्क्रीन टच मोबाइल और नगद 5500 रुपये बरामद किए गए. गिरफ्तार युवकों में करण कुमार, उम्र- 19 वर्ष, पिता-मनोज कुमार, वर्तमान पता- सा. गोधर, थाना- केन्दुआडीह, जिला-धनबाद (झारखंड) एवं अजय पासवान, उम्र- 25 वर्ष, पिता-राजेन्द्र पासवान, वर्तमान पता- सा. गोधर, थाना- केन्दुआडीह, जिला-धनबाद (झारखंड) शामिल हैं.

रेलवे पार्सल में अवैध रूप से रखे गए करीब 500 खरगोश, हंगामा

शुभम संदेश। धनबाद

रविवार को रेलवे पार्सल कार्यालय में उस समय हंगामा मच गया जब एनिमल एक्टिविस्ट शौमिक बैनर्जी अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे. उन्हें सूचना मिली थी कि करीब 500 खरगोशों को अवैध रूप से कई दिनों से पार्सल कार्यालय में रखा गया है और इन्हें तस्करी कर ट्रेन के माध्यम से कहीं दूसरी जगह ले जाने की तैयारी है. जांच में पता चला कि शाहा इंटरप्राइजेज द्वारा इन खरगोशों को धनबाद से मुरादाबाद भेजने की योजना थी. एक्टिविस्ट्स ने बताया कि प्रत्येक केज में अधिकतम 10 खरगोश ले जाने की अनुमति है, लेकिन यहां भारी ओवरलोडिंग की गई थी. न तो भोजन की व्यवस्था थी और न ही पानी. इसी लापरवाही के कारण लगभग चार खरगोशों की मौत हो चुकी है, जबकि कुछ ने वहीं बच्चे भी दे दिए हैं. एक्टिविस्ट्स का कहना है कि यदि इन खरगोशों को जल्द रेस्क्यू नहीं किया गया तो सभी की जान खतरे में पड़ सकती है. वहीं पार्सल कर्मचारी रूपक कुमार ने बताया कि उचित कागजात न होने और नियमों का पालन न किए जाने के कारण पार्सल को रोक दिया गया है. उधर, खरगोश लाने वाला व्यक्ति अपनी तबीयत खराब होने का हवाला देकर कार्यालय से निकल गया.

आसनसोल

भाजपा युवा कार्यकर्ताओं की विजयी सभा आयोजित

शुभम संदेश। बराकर

बिहार चुनाव में एनडीए की प्रचंड विजय को लेकर बराकर के वार्ड 67 स्थित डायमंड मैदान में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विजयी सभा का आयोजन किया गया. इस खुशी सभा में भाजपा के राज्य नेता एवं आसनसोल नगर निगम के पूर्व मेयर जितेंद्र तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. मंच पर उनके साथ भाजपा जिला नेता एवं पूर्व पार्षद अभिजीत आचार्य, पार्षद ललन मेहरा, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. इबरार अहमद, राजेश सिन्हा और विभाष सिंह भी मौजूद थे. वार्ड 67 के भाजपा युवा कार्यकर्ताओं प्रशांत प्रामाणिक, बाबू कर्मकार, बबलू गोप, अरविंद गोप और समीरण दास ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया. मुख्य वक्ता जितेंद्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि जहां मोदी, वहां जीत निश्चित है. उन्होंने बिहार की जनता, विशेष रूप से माताओं और बहनों को दोनो हाथ जोड़कर धन्यवाद एवं प्रणाम किया, जिन्होंने सही दिशा और स्पष्ट नीति को चुनते हुए सुशासन और विकास पर भरोसा जताया. उन्होंने कहा कि चुनाव अभियान के दौरान महागठबंधन के नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को 'वोट चोर' कहना, छठ जैसे आस्था के पर्व पर अनर्गल टिप्पणी करना और राम मंदिर को लेकर बयानबाज़ी करना जनता ने पसंद नहीं किया, जिसका परिणाम उनके सूपड़े साफ" होने के रूप में दिखा. उन्होंने अंत में कहा अब बारी पश्चिम बंगाल की है."

डॉल्फिन एफसी ने जीता बिरसा मुंडा जयंती फुटबॉल टूर्नामेंट

शुभम संदेश। पुरुलिया

अमर शहीद क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को पुरुलिया में आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में डॉल्फिन एफसी विजेता और लाओन एफसी उपविजेता रही. पुरुलिया के हुड़ा के केंदबना स्थित रघुनाथ मुर्मू मिनी स्टेडियम में आयोजित इस टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि, जिला पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी ने किक मारकर किया. इस अवसर पर पुरुलिया जिला पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी, डीएसपी जीवेश रॉय, हुड़ा ब्लॉक बीडीओ अरिकुल इस्लाम, पुरुलिया जिला परगना भारत ज़कात माझी परगना महल के रतन लाल हांसदा, अमर शहीद वीर विप्लव बिरसा मुंडा जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष एवं हुड़ा हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक पिंटू डे, सचिव अजीत सोरेन सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे. जानकारी के अनुसार, यह टूर्नामेंट अमर शहीद वीर बिरसा मुंडा जन्म जयंती समारोह समिति द्वारा हुड़ा हाई स्कूल और भारत ज़कात माझी परगना महल, पुरुलिया जिला समिति के सहयोग से आयोजित किया गया. स्टेडियम पूरे दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रोमांचक मैचों से गुलज़ार रहा.

दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

पुरुलिया। पुरुलिया जिले के पाड़ा प्रखंड अंतर्गत बराहिर गांव में बाउरी समाज द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. आज इस खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रमुख समाजसेवी सम्राट बाउरी, प्रखंड अध्यक्ष गौरांग बाउरी और बराहिर सेवन स्टार क्लब के सदस्यगण ने संयुक्त रूप से किया.

अयोध्या हिल्स में नया आकर्षण

शुभम संदेश। पुरुलिया

पर्यटकों के लिए अयोध्या का मतलब हमेशा से ऊपरी बांध, निचला बांध, तुर्गा बांध, मयूर पहाड़ और बामनी जलप्रपात रहा है. लेकिन अब यह नया मनमोहक जलप्रपात भी जुड़ गया है. ये झरने तेलियाभाषा गाँव से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर, खमार-झालदा मार्ग के पास स्थित हैं. झालदा की ओर से आते हुए, खमार और जिलिंगसेरेंग तथा पिटिटिरी गाँवों से गुज़रने के बाद आपको माछकांदा जलप्रपात का साइनबोर्ड दिखाई देगा. सावधानी ज़रूरी है क्योंकि आपको एक खड़ी चढ़ाई से नीचे उतरना है, लेकिन चूँकि मुख्य सड़क पक्की है, इसलिए यात्रा में कोई परेशानी नहीं होती. प्रकृति की शांत सुंदरता और पहाड़ी झरने की कलकल ध्वनि का मेल अब पर्यटकों के लिए अयोध्या का एक नया आकर्षण बन गया है.

कुल्टी में जल्द शुरू होगी ईएसआई डिस्पेंसरी : मंत्री मलय घटक

शुभम संदेश। कुल्टी

सीतारामपुर स्टेशन रोड स्थित वर्षों से बंद पड़े उप बॉयलर निदेशक कार्यालय का रविवार को मंत्री मलय घटक ने औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उनके साथ आसनसोल नगर निगम के मेयर परिषद सदस्य गुरुदास चटर्जी, इन्द्राणी मिश्रा, बोरों चेयरमैन रबी लाल टुडू, कुल्टी ब्लॉक–II के अध्यक्ष कंचन राय, पार्षद सुशांत मंडल और अशोक पासवान मुख्य रूप से उपस्थित थे. निरीक्षण के बाद मंत्री मलय घटक ने बताया कि बंद पड़े इस उप बॉयलर निदेशक कार्यालय में ईएसआई हॉस्पिटल की एक डिस्पेंसरी स्थापित की जाएगी. उन्होंने बताया कि पूरे पश्चिम बंगाल में वर्तमान में 65 ईएसआई डिस्पेंसरी संचालित हैं, और सरकार द्वारा 26 नई डिस्पेंसरी स्थापित की जाएँगी, जिनमें से एक कुल्टी में बनाई जाएगी. सीतारामपुर स्टेशन रोड स्थित यह सरकारी कार्यालय वर्षों से खाली पड़ा है. मंत्री ने बताया कि इसकी मरम्मत कर जल्द ही राज्य सरकार के निर्देशानुसार नई ईएसआई डिस्पेंसरी शुरू की जाएगी, जिससे कुल्टी के आम लोगों को उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा.

हुड़ा में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

शुभम संदेश। पुरुलिया

पुरुलिया जिले के हुड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर रविवार को हुड़ा ग्राम पंचायत की ओर से पारंपरिक छऊ नृत्य, रक्तदान शिविर और कई स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. कार्यक्रमों के दौरान विशेष रूप से प्रस्तुत महिला छऊ नृत्य को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. जयंती के उपलक्ष्य में हुड़ा ग्राम पंचायत ने स्थानीय लोगों की सहायता के लिए कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराईं. ग्राम पंचायत प्रधान संदीप सिंह सरदार की पहल पर हुड़ा के हाटतोला मैदान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने स्वयं रक्तदान कर लोगों को रक्त संकट से निपटने के प्रति जागरूक किया. इसके अलावा, क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर और स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया. बड़ी संख्या में लोगों ने इन शिविरों का लाभ उठाया. इन स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ-साथ हुड़ा ग्राम पंचायत द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम के अंत में संथाली और आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किए गए. अंत में प्रस्तुत महिला छऊ नृत्य कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा, जिसे देखने के लिए क्षेत्रवासियों की बड़ी भीड़ जुटी. ग्राम पंचायत प्रधान संदीप सिंह सरदार ने कहा, हुड़ा ग्राम पंचायत हमेशा स्थानीय लोगों के साथ खड़ी रही है.

भारतीय समवाय सप्ताह का उद्घाटन

शुभम संदेश। नितुरिया

स्थायी तथ्य, दीर्घस्थायी उन्नयन एवं श्रेष्ठ पृथ्वी की स्थापना में समवाय की भूमिका विषय पर रविवार को पारबेलिया स्थित लीलावती मैरिज हॉल में अखिल भारतीय समवाय सप्ताह का उद्घाटन किया गया. इस वर्ष समवाय सप्ताह का मुख्य विषय विकसित भारत निर्माण में समवाय की भूमिका रहा. कार्यक्रम में पुरुलिया जिला समवाय समिति के अध्यक्ष श्यामल चटर्जी, उपाध्यक्ष रामाशंकर सिंह, जिला निदेशक राधेश्याम साव, सुभेन्दु मुखर्जी, कार्तिक चक्रवर्ती, दीनबंधु सिंह, सुरेश साव, सुभाष विश्वकर्मा, समिति सदस्य गिरीश भगत, आईएनटीयूसी तृणमूल के नितुरिया ब्लॉक अध्यक्ष अमर चंद्र माजी सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत समवाय समिति का ध्वज फहराकर की गई. सभा में वक्ताओं ने विकसित भारत निर्माण में समवाय की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत रूप से चर्चा की. उन्होंने बताया कि समवाय साधारण एवं गरीब लोगों के जीवन में किस तरह सहायक सिद्ध हो सकता है. मुख्य वक्ता, जिला समवाय समिति के अध्यक्ष श्यामल चटर्जी ने समाज में समवाय की आवश्यकता और इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि भारत के विकास में समवाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. साथ ही उन्होंने जल्द ही पारबेलिया में समवाय समिति की स्थापना का आश्वासन दिया. अन्य वक्ताओं में रामाशंकर सिंह ने समाज के पिछड़े वर्ग, दुकानदारों, ठेला चालकों, किसानों आदि के लिए समवाय की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि नौकरीपेशा लोगों के लिए तो समवाय समितियाँ उपलब्ध हैं, जो जरूरत पड़ने पर आर्थिक सहयोग करती हैं, किंतु गैर-नौकरीपेशा लोगों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है. इसलिए उनके लिए भी समवाय समिति की स्थापना बेहद आवश्यक है.

मसाला फसल में अग्रणी मिर्च

भूमि

क्षारीय भूमि को छोड़कर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। दोमट या बलुई दोमट मिट्टी जिसमें कार्बनिक पदार्थ की मात्रा अधिक हो, इसकी खेती के लिये उपयुक्त रहती है।

उन्नत किस्में

पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, अर्का लोहित, अर्का सुफल, मिर्च–101, पंत–सी–1, फूले ज्योति, फूले मुक्ता, जवाहर मिर्च–283, एन.पी.–46ए।

संकर किस्में

ए.आर.सी.एच.–236, उजाला।

बीज की मात्रा

1–1.5 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों का 500 ग्राम बीज पर्याप्त होता है।

बुवाई समय

मिर्च की सर्दी की फसल हेतु जुलाई–सितम्बर तथा गर्मी की फसल हेतु रोपाई फरवरी–मार्च में की जाती है। रोपाई के 1.5 माह पूर्व बीज को नर्सरी में लगाया जाता है।

नर्सरी तैयार करना

नर्सरी क्यारी एक मीटर चौड़ी, 5 मीटर लम्बी तथा 15 सेमी ऊंची क्यारियाँ बनायें। क्यारियाँ बनाने से पहले मिट्टी को भुरभुरी बनाकर गोबर खाद 10–15 किग्रा तथा मिट्टी उपचार हेतु 100 ग्राम फोरेट मिलायें। बीजों को कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित कर बीजों को 5 सेमी की दूरी पर लाईनों में लगायें। बीज बोने के बाद क्यारी को पुआल या सरकंडा आदि की पलवार से ढंक देते हैं। इससे नमी संरक्षित रहती है, तथा अंकुरण जल्दी हो जाता है। अंकुरण के बाद पलवार हटा देते हैं। कीट व्याधि से पौधों को बचाने हेतु इमिडाक्लोप्रिड 1 मिली./3 लीटर पानी तथा 2 ग्राम मैन्कोजेब या कार्बेन्डाजिम प्रति लीटर पानी मे घोल कर छिड़काव करें।

खाद एवं उर्वरक

मिर्च की अच्छी उपज के लिये 25–30 टन प्रति हेक्टेयर सड़ी गोबर खाद तथा उर्वरक में 260 किग्रा यूरिया, 300 किग्रा सिंगल सुपर फास्फोरस तथा 100 किग्रा पोटाश की आवश्यकता होगी। गोबर खाद, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा रोपाई से पहले खेत में मिलायें। शेष आधी नत्रजन की मात्रा को दो भागों में बांटकर 25–30 दिन और 45–50 दिनों के बाद खड़ी फसल में डालें।

खेत की तैयारी एवं रोपाई

जुताई के समय गोबर खाद मिट्टी में मिला दें तथा पाटा लगाकर खेत में सिंचाई हेतु सुविधानुसार उपयुक्त आकार की क्यारियां बना लें या मेढ़ नाली पद्धति से रोपाई करें। बीज बोने के 5–6 सप्ताह बाद जब पौध 10–15 सेमी की हो जाये तो रोपाई के लिये उपयुक्त हो जाती है। रोपाई का कार्य सांयकाल में करें। कतार से कतार दूरी 45–60 सेमी तथा पौधे से पौधे दूरी 30–45 सेमी रखते हैं।

सिंचाई

रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई करें। रोपाई के तीसरे दिन एक हल्की सिंचाई देने से पौध अच्छी जमती है। तत्पश्चात भूमि की किस्म तथा मौसम के अनुसार सिंचाई करें, सर्दी में 10–12 दिन के अन्तराल पर तथा गर्मी में प्रति सप्ताह सिंचाई करें।

निंदाई-गुड़ाई

मिर्च की फसल को खरपतवार रहित रखते हुए व अच्छी उपज प्राप्त करने हेतु 2–3 निंदाई–गुड़ाई आवश्यक है। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण हेतु रोपाई से पहले 1.2 लीटर पेंडामिथालीन प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

उपज

हरी मिर्च की पैदावार 90–100 क्विंटल/हेक्टेयर तथा सूखी मिर्च 15–20 क्विंटल/हेक्टेयर प्राप्त हो जाती है।

सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर है कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है हरे फलीदारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा है ल्यूसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ है सर्वोत्तम।

जलवायु

इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती है। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।

काश्त

इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।

बीज प्रक्रिया

ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता है। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अत: बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।

बुआई

बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका है जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।

इसके अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता है तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक– दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।

खाद

ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अत: बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इसके पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।

सिंचाई

ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अत: जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।

कटाई

जब फसल में कलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

गेहूं में कम लागत बुआई तकनीक

भारत वर्ष में गेहूं की फसल साधारणत: धान, कपास, मक्का, ज्वार एवं अरहर की फसल के बाद बोई जाती है किंतु साधारणत: कुछ कृषक जो कि साल भर में फसलें अपने खेतों में उगाते हैं व खरीफ की फसलों के बाद आलू, सब्जी वाली मटर एवं तोरिया को नगदी फसल के रुप में लेते है। इस कारण अथवा अन्य कारणों से भी रबी में गेहूं की फसल की बुवाई में देरी हो जाती है।

शून्य जुताई विधि

किसी खेत में जुताई किए बिना ही सीधे बुआई करना शून्य जुताई कहलाता है इस तकनीक में विशेष रुप में तैयार जीरो टिल फर्टी सीड ड्रिल का उपयोग बुआई के लिए किया जाता है। इस तकनीक के द्वारा न केवल जुताई के लागत की बचत होती है बल्कि जिन क्षेत्रों में- कपास, धान, गन्ना एवं तोरिया आदि फसलों के देरी से पकने के कारण गेहूं की बुआई में देरी होती है उन क्षेत्रों में भी अच्छी उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है।

पट्टी विधि

इस विधि को सन 1995 में पहली बार भारत में लागू किया गया। इस विधि में 70 सेमी की पट्टी बनाकर उसमें दो-तीन लाइन गेहूं की लगाई जाती है। इस प्रकार लगभग 25 प्रतिशत बीज एवं खाद की बचत पारंपरिक जुताई की तुलना में की जा सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत के किसान आखिरी सिंचाई फसल गिरने के डर से नहीं करते जिसके कारण उपज में कमी देखी जाती है। इस विधि के उपयोग से जहां पर सिंचाई नालियों के द्वारा की जाती है, सिंचाई के जल तथा गेहूं के तने के बीच संपर्क न होने तथा आसानी से हवा का प्रवाह हो जाने से फसल गिरने से बच जाती है और पूरी सिंचाई कर अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस विधि के उपयोग से खरपतवार जैसे गेहूंसा (फेलेरिस माइनर) की संख्या भी पट्टी के जल्दी सूख जाने के कारण कम हो जाती है। पट्टी विधि से लगाई गयी फसल में खरपतवार निकालने तथा निंदाई, गुड़ाई हेतु पर्याप्त जगह मिल पाती है जिससे यांत्रिक विधियों का प्रयोग भी सरलता से किया जा सकता है।

सतही बुआई

यह विधि उप क्षेत्रों में अपनाई जाती है जिन क्षेत्रों में धान की फसल के बाद गेहूं की फसल लगाई जाती है वह तकनीक काफी उपयोगी है क्योंकि इसमें धान के खेत में कटाई के पूर्व ही अथवा कटाई के तुरंत बाद गेहूं का सूखा अथवा भीगा हुआ बीज छिटकवां विधि से बोया जाता है। जमीन में उपस्थित नमी का उपयोग कर गेहूं में अंकुरण हो जाता है तथा जुताई एवं अन्य कार्यों क्रियाओं पर होने वाला खर्च बच जाता है।

आया मौसम गाजर का

भूमि एवं तैयारी

अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट–भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।

बीज एवं बुवाई / समय

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त–सितम्बर माह और यूरोपियन किस्में अक्टूबर–मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

बीज दर

बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।

किस्में

पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस

बीजोपचार

गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।

बुवाई विधि

गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेड़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।

खाद एवं उर्वरक

सामान्यतया 25–30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30–40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।

सिंचाई

बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10–12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12–15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।

निंदाई-गुड़ाई

गाजर की फसल में पहली निंदाई–गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ–साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई–गुड़ाई बीज बोने के 40–45 दिन बाद करनी चाहिये।

खुदाई

जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हो जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।

पैदावार

एशियाइ किस्मों की पैदावार यूरोपियन किस्मों की तुलना में अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150–200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

मंथन

स्थापना दिवस पर सीएम ने विकास की प्रतिबद्धता दोहराई

झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा राजधानी रांची में भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास और नागरिकों के अधिकारों को केंद्र में रखते हुए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई. समारोह की शुरुआत राज्य के शहीदों को नमन और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई. इसके बाद मुख्यमंत्री ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की पहचान उसकी संघर्षशील जनता, समृद्ध प्राकृतिक संसाधन और अनोखी सांस्कृतिक विरासत से बनी है, और सरकार इन मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है.मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य की प्रगति तभी संभव है जब विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे. उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सिंचाई और ग्रामीण ढाँचागत सुविधाओं से जुड़ी कई चल रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएँ शुरू करना नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है. उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी समुदायों, युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है.अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने राज्य के भविष्य का एक रोडमैप प्रस्तुत करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में झारखंड को उद्योग, कृषि, पर्यटन और खनन क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास किया जाएगा. उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि जनता का विश्वास मजबूत हो और विकास की रफ्तार तेज हो सके.कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए एकजुट होकर आगे बढ़ने की अपील की. उन्होंने कहा कि झारखंड का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक अपनी भूमिका निभाए और राज्य को नई दिशा देने में योगदान करे.

नजरिया

लालू परिवार का झगड़ा अब सड़कों पर खुलेआम

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार के भीतर चल रहा मतभेद अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है. लंबे समय से दबे राजनीतिक तनाव और नेतृत्व को लेकर आंतरिक खींचतान आखिरकार उस स्तर पर पहुंच गई है, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं तक भी इसकी गूंज सुनाई देने लगी है. हाल के दिनों में परिवार के कुछ सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों ने न केवल भीतर की असहमति को उजागर किया है, बल्कि पार्टी की दिशा और रणनीति पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं.स्थिति तब अधिक स्पष्ट हो गई जब दोनों पक्षों के समर्थक अलग-अलग समूहों में खुलकर अपनी राय व्यक्त करते दिखे. कुछ कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व पर पुनर्विचार की मांग की, जबकि दूसरे धड़े ने परिवार की एकजुटता को ही पार्टी की ताकत बताया. सोशल मीडिया से लेकर स्थानीय राजनीतिक मंचों तक, दोनों ओर से अपनी-अपनी बात रखने की प्रतिस्पर्धा देखी गई.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि किसी भी बड़े राजनीतिक परिवार में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जब असहमति सार्वजनिक रूप ले ले, तो उसका असर संगठन की साख और रणनीति पर पड़ता है. बिहार की राजनीति में लालू परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए यह विवाद आसानी से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. हालांकि, राजद नेतृत्व की ओर से आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और मीडिया में आ रही खबरें "अतिरंजित" हैं. फिर भी, परिवार के भीतर समन्वय और संवाद की कमी को लेकर चर्चा लगातार जारी है.

बच्चों की सुध लेने की जरूरत

अरविंद जयतिलक

2023 की रिपोर्ट की मानें, तो बच्चों के खिलाफ अपराध में वृद्धि हो रही है

कुछ वर्ष पहले कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन द्वारा यह खुलासा किया गया था कि यौन शोषण के शिकार बच्चों में से औसतन चार को प्रतिदिन न्याय नहीं मिल रहा. फाउंडेशन के मुताबिक पोक्सो के तहत दर्ज हजारों मामले जांच के बाद भी न्यायालय तक नहीं पहुंच पा रहे हैं. नतीजतन प्रतिदिन चार पीड़ित बच्चों को न्याय नहीं मिल पा रहा. चूंकि ज्यादा पीड़ित कमजोर तबके से आते हैं, लिहाजा उनकी पैरवी ठीक ढंग से नहीं हो पाती. ऐसे में सुबूतों के अभाव में उनके केस बंद कर दिए जाते हैं. राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो अर्थात एनसीआरबी वर्ष 2023 की रिपोर्ट की मानें, तो बच्चों के खिलाफ अपराध में लगातार वृद्धि हो रही है. वर्ष 2023 में कुल 1,77,335 मामले दर्ज किए गए. यह संख्या वर्ष 2022 की तुलना में लगभग 9 फीसदी अधिक है. वर्ष 2022 में कुल 1,62,449 मामले दर्ज किए गए. रिपोर्ट के मुताबिक अधिकांश अपराधों में आरोपी बच्चों को जानन-पहचानने वाले लोग थे. सबसे अधिक मामले अपहरण और पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज किए गए. अपहरण की घटनाएं, बच्चों के खिलाफ कुल अपराधों का तकरीबन 45.05 हिस्सा है. वहीं 67,694 मामले पॉक्सो अधिनियम से संबंधित अपराधों में दर्ज हुए हैं जो कि कुल मामलों का लगभग 38.17 फीसदी है. इनमें लड़कियों के साथ हुए अपराध सर्वाधिक हैं.

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद काम नहीं हो रहा बच्चों का यौन उत्पीड़न : याद होगा गत वर्ष सर्वोच्च अदालत ने देश में बच्चों से दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं को रोकने और ऐसे मामलों की जल्द जांच और ट्रायल सुनिश्चित करने के लिए विशेष जिला अदालतें बनाने का निर्देश दिया था. तब अदालत ने कहा था कि जिन जिलों में पोक्सो में 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं, ऐसे हर जिले में बाल यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून यानी पोक्सो के तहत विशेष अदालत गठित की जाए. सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा था कि दो महीने के भीतर विशेष अदालतों को गठित करने का समय तय किया जाए. ये अदालतें सिर्फ पोक्सो के मुकदमे सुनेंगी और अदालतों के गठन का पूरा खर्च केंद्र सरकार द्वारा उठाया जाएगा. बच्चों का यौन उत्पीड़न न हो इसके लिए अदालत ने जागरुकता कार्यक्रम शुरू करने का भी निर्देश दिया था. लेकिन बिडंबना है कि इसके बावजूद बच्चों का यौन शोषण थमने का नाम नहीं ले रहा. कुछ साल पहले तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने बच्चों से बढ़ती दुष्कर्म की घटनाओं पर अखबारों और पोर्टल की रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले को जनहित याचिका में तब्दील करते हुए न्यायालय की मदद के लिए वरिष्ठ वकील वी गिरी को अमाइकस क्यूरी नियुक्त किया था. तब उम्मीद की गयी थी कि शायद सर्वोच्च अदालत की इस सक्रियता से दुष्कर्म से जुड़े लंबित मामले निपटाने में मदद मिलेगी. दोषियों को उनके किए का दंड मिलेगा. लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है. जबकि पोक्सो के तहत बच्चों का यौन शोषण करने वाले दोषियों को 20 साल कैद से लेकर मौत तक की कड़ी सजा के प्रावधान है. लेकिन इसके बावजूद 30 से 40 प्रतिशत तक दोषी दंड से बच निकल जा रहे हैं. नतीजा यौन शोषण के मामले कम होने के बजाए बढ़ रहे हैं.

देश में हर 6 घंटे में एक बच्चे के साथ दुष्कर्म : एक आंकड़े के मुताबिक देश में हर 6 घंटे में एक बच्चे के साथ दुष्कर्म होता है. ये वे आंकड़े हैं, जो पुलिस द्वारा दर्ज किए जाते हैं. अधिकांश मामले में तो पुलिस रिपोर्ट दर्ज ही नहीं करती है. याद होगा कुछ वर्ष पहले दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सर्वोच्च अदालत को कहना पड़ा था कि देश में 'लेफ्ट, राइट, सेंटर' सब जगह दुष्कर्म हो रहे हैं. तब सर्वोच्च अदालत ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से संरक्षण गृहों में यौन उत्पीड़न की घटनाएं रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की भी जानकारी मांगी थी. किसी से छिपा नहीं है कि देश के कई राज्यों में संरक्षण गृहों से यौन उत्पीड़न की घटनाएं सूर्खियां बटोर चुकी हैं. यहां ध्यान देना होगा कि बच्चे-बच्चियां सिर्फ कार्यस्थलों, संरक्षण गृहों, सड़कों, स्कूलों व सार्वजनिक स्थानों पर ही असुरक्षित नहीं हैं बल्कि अपने घर-परिवार और रिश्ते-नातेदारों की जद में भी असुरक्षित हैं.

रिश्तेदारों द्वारा यौन उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि : राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर गौर करें तो रिश्तेदारों द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने की घटनाओं में अप्रत्याशित रुप से वृद्धि हुई है. दुष्कर्म की घटनाओं में तकरीबन 95 प्रतिशत मामलों में बच्चे दुष्कर्मी को अच्छी तरह जानते-पहचानते हैं लेकिन उसके खिलाफ अपना मुंह खोलने से डरते हैं. गौर करें तो बच्चे शिक्षा के मंदिरों में भी सुरक्षित नहीं हैं. कुछ वर्ष पहले प्रकाशित यूनिसेफ की रिपोर्ट पर गौर करें तो 65 प्रतिशत बच्चे स्कूलों में यौन शोषण के शिकार हो रहे हैं. रिपोर्ट पर विश्वास करें तो स्कूलों में बच्चों को जबरन अंग दिखाने के लिए बाध्य किया जाता है. उनके नग्न चित्र लिए जाते हैं. दूषित मनोवृत्ति वाले अधम शिक्षकों द्वारा बच्चों को अश्लील सामग्री दिखायी जाती है. गत वर्ष पहले एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया की रिपोर्ट से खुलासा हो चुका है कि शिक्षण संस्थाओं में बढ़ रहा यौन शोषण समाज को विखंडित कर सकता है. उसकी रिपोर्ट के मुताबिक देश की राजधानी दिल्ली में ही 68.88 प्रतिशत मामले छात्र-छात्राओं के शोषण से जुड़े पाए गए थे. गौर करें तो ये आंकड़े समाज को शर्मिंदा करने वाले हैं. स्कूलों के अलावा अन्य स्थलों पर मसलन दुकानों, सिनेमाहालों एवं अन्य कारोबारों में जुड़े मामलों में भी बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं देखने-सुनने को मिलती हैं. गौर करें तो बच्चों के अपहरण की घटनाएं कम होने के बजाए बढ़ रही है और अपहरण किए जा रहे अधिकतर बच्चों का इस्तेमाल बाल मजदूरी और देह व्यापार जैसे धंधों में किया जा रहा है. माफिया तत्व अत्यंत सुनियोजित तरीके से बच्चों का इस्तेमाल हथियारों की तस्करी और मादक पदार्थों की सप्लाई में कर रहे हैं. आतंकवाद और नक्सलवाद से जुझ रहे भारत के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक है. याद होगा गत वर्ष पहले लापता हो रहे बच्चों के मामले में अदालत ने सरकार से नाराजगी जाहिर करते हुए जानना चाहा था कि डेढ़ दशक गुजर जाने के बाद भी जेजे एक्ट के तहत एडवाइजरी बोर्ड का गठन क्यों नहीं किया गया. अदालत ने यह भी पूछा था कि ऑपरेशन स्माइल के तहत कितने बच्चों को बचाया गया. सच कहें तो बच्चों पर होने वाले अत्याचार की घटनाएं समाज को विचलित करने के साथ ही लोकतांत्रिक भारत के माथे पर कलंक जैसी हैं.

आज का इतिहास

1278 : इंग्लैड़ में 680 यहूदियों को नकली मुद्रा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और इनमें से 293 को फाँसी पर लटका दिया गया.
1525 : मुग़ल शासक बाबर ने भारत को जीतने के मकसद से सिंध के रास्ते पांचवीं बार प्रवेश किया.
1831 : इक्वाडोर और वेनेजुएला ग्रेटर कोलंबिया से अलग हुए.
1869 : इंग्लैंड के जेम्स मूरी ने 13 हजार किमी लंबी पहली साइकिल रेस जीती.
1932 : तीसरे गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत हुई.
1933 : अमेरिका ने सोवियत संघ को मान्यता देते हुए व्यापार के लिए सहमति दी.
1966 : भारत की रीता फारिया ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता. मिस वर्ल्ड बनने वाली वह पहली एशियाई महिला थी.
1970 : सोवियत अंतरिक्ष यान 'लुनाखोद-1' चन्द्रतल पर उतरा.

हनुमानजी ने सीना क्यों चीरा?

चिंतन

अगले महीने स्कूल में होने वाली स्केटिंग प्रतियोगिता के लिए आर्यन दिन-रात अभ्यास कर रहा था. उसकी कड़ी मेहनत देख कर लग रहा था कि इस बार की प्रतोगिता वही जीतेगा. आर्यन को भी पूरा यकीन था कि वही पहला इनाम जीतेगा, जो कि एक लेटेस्ट प्लेस्टेशन था. आर्यन को बहुत समय से वह चाहिए था. पर प्रतियोगिता में आर्यन को तीसरा स्थान मिला. आर्यन बहुत दुखी और निराश हुआ. वह स्केटिंग ग्राउंड में बैठा सोच रहा था, "आखिर इतनी मेहनत करने का क्या फायदा अगर मनचाहा इनाम ही ना मिले? अब मैं स्केटिंग कभी नहीं करूँगा."उसके मन की बात उसके दोस्त नचिकेता तक पहुँची और वह तुरंत पैराशूट से ग्राउंड में लैंड हुआ और स्केटिंग करते हुए आर्यन के पास आया. तुम एक इनाम के लिए स्केटिंग जैसी मज़ेदार चीज़ छोड़ना चाहते हो? चलो तुम्हें एक कहानी सुनाता हूँ, शायद तुम्हारा मन बदल जाए, नचिकेता ने कहा. यह तो तुम जानते ही होगे कि श्रीराम ने हनुमानजी की सहायता से लंका के राजा रावण को हराया था. और युद्ध जीतने के बाद वह सीता माता, लक्ष्मण जी, हनुमानजी और अपने दूसरे साथियों के साथ अयोध्या पहुंचे. जब वह अयोध्या के राजा बने तब सीता माता ने उनसे निवेदन किया कि जिन्होंने भी युद्ध जीतने में उनकी सहायता की है वह उन्हें धन्यवाद के रूप में कुछ भेंट देना चाहती हैं. सीता माता ने सबको कुछ न कुछ अनमोल भेंट दी. अब हनुमानजी की बारी थी. श्रीराम मुस्कुराते हुए बोले, "आप भला हनुमान को क्या भेंट देंगी? इनकी निस्वार्थ सेवा और भक्ति का तो कोई मोल हो ही नहीं सकता. माता सीता ने फिर भी अपनी एक मोतियों की माला, हनुमानजी को भेंट में दी. हुनमानजी उस माला के एक-एक मोती को दांतों से तोड़कर देखा और ज़मीन पर फ़ेंक दिया. सीता माता ने हनुमानजी से पूछा, आपने ऐसा क्यों किया हनुमान? क्या आपको यह माला पसंद नहीं आई? ऐसी बात नहीं है माता, पर यह भेंट मेरे किसी काम की नहीं, क्योंकि इसमें मुझे मेरे प्रभु राम नहीं दिखे. अगर मोतियों में राम नहीं तो इनका मोल मेरे लिए मिट्टी के समान है. "तो क्या आपके अंदर राम हैं?" सीता माता ने पूछा. सीता माता के ऐसा कहते ही हनुमानजी ने अपना सीना चीर कर सबको अपने हृदय में बसे राम-सीता की छवि के दर्शन कराए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

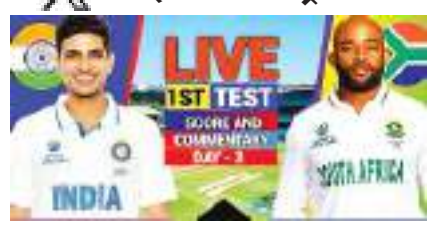

1. #INDvsSA 20K
2. Gambhir 22K
3. #IndianCricket
4. South Africa 69K
5. #TestCricket
6. #HBD_SamratChoudharyJi
7. #Dumraon_का_दुलरुआ
8. Temba Bavuma 13K
9. Gill 23K
10. Tests 69K

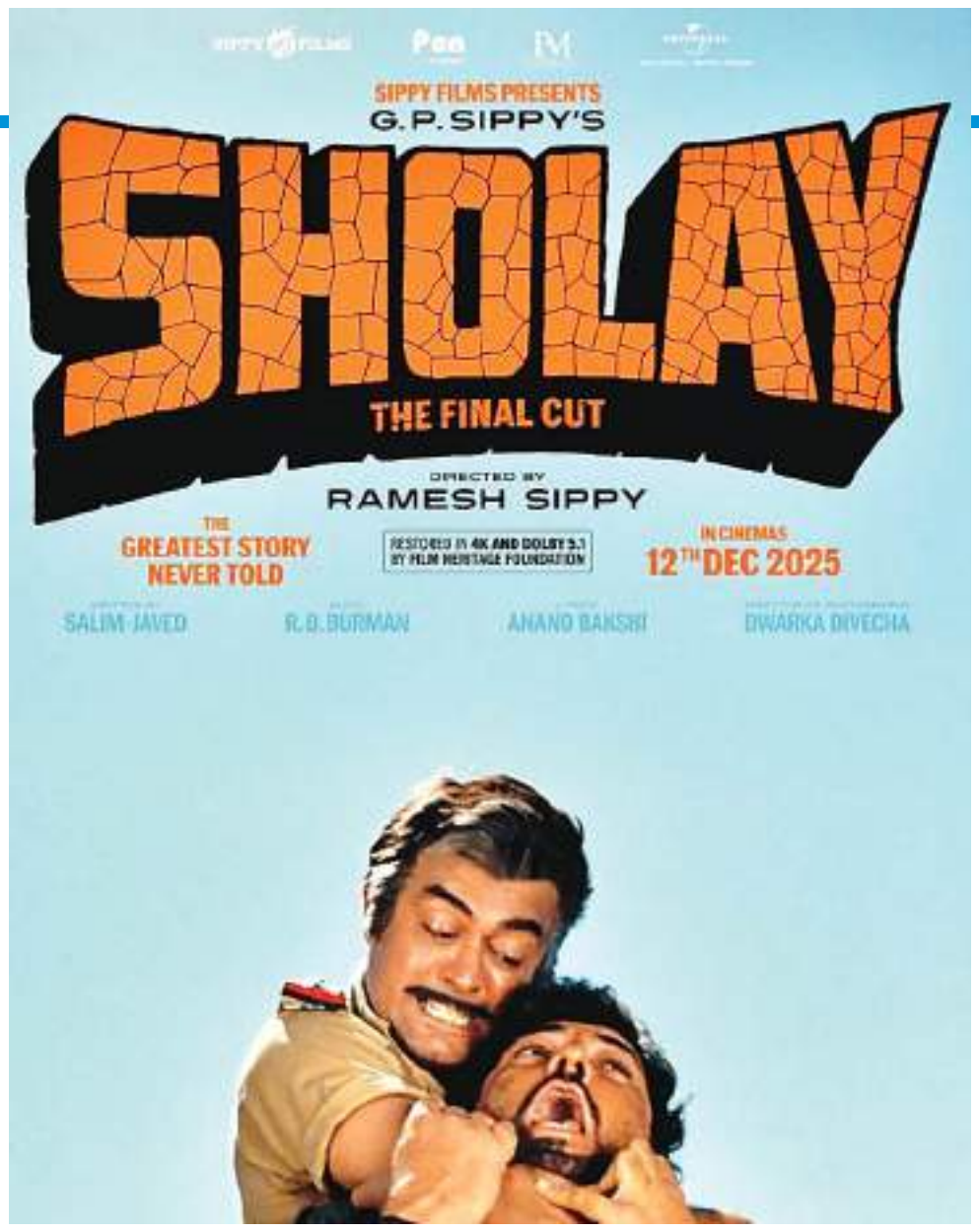

बहुरंग

असली क्लाइमैक्स के साथ 50 साल बाद लौटेगी 'शोले', 4के में होगी रिलीज

भारतीय सिनेमा की अमर क्लासिक 'शोले' एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने को तैयार है. रिलीज़ के 50 साल बाद फिल्म को 4के में रिस्टोर कर देशभर में 1,500 स्क्रीन्स पर दोबारा रिलीज किया जा रहा है. लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज है. फिल्म का असली क्लाइमैक्स, जिसे दर्शक दशकों से सिर्फ एक कहानी की तरह सुनते आए हैं, अब पहली बार वह अंत सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा. फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने इस रिस्टोर वर्जन को 'शोलेः द फाइनल कट' नाम दिया है. नए एडिशन में न सिर्फ विजुअल्स और साउंड को अपग्रेड किया गया है, बल्कि इसमें फिल्म का वह अनकट ओरिजिनल एंडिंग भी शामिल है, जिसे अभी तक किसी दर्शक ने नहीं देखा. रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित 'शोले' 1975 में रिलीज हुई थी, और 50 साल बाद इसका 4के रिस्टोर वर्जन 12 दिसंबर 2025 को थिएटर्स में उतरेगा. 1,500 स्क्रीन्स की रिलीज़ इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी रिस्टोर फिल्म रिलीज़ बनाती है. फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के मुताबिक, असली क्लाइमैक्स में ठाकुर गब्बर सिंह को अपने पैरों तले कुचलकर मार देता है. सेंसर बोर्ड ने उस समय इस अंत को अत्यधिक हिंसक मानकर इसे बदलने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद आज वाला क्लाइमैक्स फिल्म में जोड़ा गया. अब, 50 साल बाद, पहली बार दर्शकों को वही अनसेंसर्ड और ऑरिजिनल एंडिंग देखने का मौका मिलेगा. 'शोले' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा का इतिहास है. धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, अमजद खान, संजीव कुमार और हेमा मालिनी जैसे दिग्गजों के दमदार अभिनय, यादगार किरदारों, आइकॉनिक संवाद और अमर एक्शन सीक्वेंस ने इसे आज भी दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों में शामिल रखा है. 50 साल बाद इसे फिर से उसके असली रूप में देखना दर्शकों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होगा.

राजामौली और महेश की 'वाराणसी' का टाइटल अनाउंस, फिल्म संक्रांति 2027 में रिलीज होगी

जैसे ही ग्रैंड ग्लोब ट्रॉटर इवेंट की घोषणा हुई, दर्शकों के बीच भारत की अब तक की सबसे बड़ी सिनेमाई अनाउंसमेंट देखने की उत्सुकता बढ़ गई थी. और आखिरकार, हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित इस मेगा इवेंट ने उस इंतजार को सफल साबित कर दिया. शानदार सेट-अप, विशाल भीड़ और धमाकेदार प्रस्तुतियों के बीच दर्शकों ने एक ऐसा शो देखा, जिसे भारतीय मनोरंजन के इतिहास में लंबे समय तक याद किया जाएगा. इवेंट की सबसे बड़ी हाइलाइट थी, एसएस राजामौली के बहुप्रतीक्षित ग्लोबल प्रोजेक्ट का आधिकारिक टाइटल अनाउंसमेंट. महेश बाबू स्टारर इस फिल्म का नाम 'वाराणसी' रखा गया है. इस मौके पर इसका एक छोटा वीडियो (टीजर) भी 130 फीट की भव्य स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया, जिसने माहौल को और भी रोमांचक बना दिया. इसी के साथ फिल्म की रिलीज़ डेट भी सामने आई 'वाराणसी' संक्रांति 2027 पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इवेंट में पृथ्वीराज सुकुमारन के 'कुम्भा' अवतार और प्रियंका चोपड़ा जोनास के दमदार 'मंदाकिनी' लुक का पहला परिचय भी कराया गया. इन खुलासों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी, वीडियो और तस्वीरें कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं, और दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ गई. एसएस राजामौली के निर्देशन में आयोजित यह इवेंट महज एक लॉन्च नहीं था, बल्कि एक दृश्यात्मक उत्सव था. अनुमानित 50,000 से ज्यादा फैंस की मौजूदगी ने इसे भारत के सबसे बड़े लाइव फैन इवेंट्स में से एक बना दिया. महेश बाबू के विशाल फैनबेस और राजामौली के विजन ने इस घोषणा को एक पीढ़ी में एक बार देखने वाला पल बना दिया. राजामौली पहले ही भारतीय फिल्मों को वैश्विक पहचान दिला चुके हैं. अब महेश बाबू के साथ उनका यह प्रोजेक्ट 'वाराणसी' दर्शकों की उम्मीदों से कहीं बड़ा, भव्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव देने वाला बताया जा रहा है.

ईशा ने शिरडी में लिया साईं बाबा का आशीर्वाद

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में शिरडी दौरे की कई तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की हैं. इन तस्वीरों में अभिनेत्री पूरी तरह साई बाबा की भक्ति में लीन दिखाई दे रही हैं. ईशा ने इंस्टाग्राम पर अपनी श्रद्धा-भाव से भरी ये झलकियां साझा करते हुए बताया कि उनका यह दौरा उनके लिए बेहद शांतिपूर्ण और सकारात्मक अनुभव रहा. एक्ट्रेस द्वारा शेयर की गई सभी तस्वीरें शिरडी के प्रसिद्ध साई बाबा मंदिर की हैं, जहां वे दर्शन करती और मंदिर परिसर में समय बिताती नजर आ रही हैं. तस्वीरों के साथ ईशा ने कैप्शन में लिखा, "शिरडी गईं... हृदय भरा हुआ है, मन हल्का और ऊर्जा उज्ज्वल महसूस हो रही है." उनके इस पोस्ट पर प्रशंसक और फॉलोअर्स खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनकी आध्यात्मिक यात्रा की सराहना कर रहे हैं. ईशा कोप्पिकर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत दक्षिण भारतीय फिल्मों से की थी. बाद में उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और कई फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाईं. फिल्म 'कंपनी' के मशहूर गाने 'खल्लास' से उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता मिली और वे 'खल्लास गर्ल' के नाम से मशहूर हुईं. अभिनेत्री ने 29 नवंबर 2009 को व्यवसायी टिम्मी नारंग से शादी की थी, जिनसे उनकी एक बेटी है. हालांकि 29 नवंबर 2023 को दोनों का तलाक हो गया. व्यक्तिगत जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच ईशा कोप्पिकर की यह आध्यात्मिक यात्रा उनके लिए एक नई ऊर्जा लेकर आई है, जिसका अहसास उनकी तस्वीरों में साफ झलकता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-5-8-9

वृष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा. एकाकी वृत्ति त्यागें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शुभांक-1-2-5

कर्क : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. शुभांक-1-8-9

सिंह : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. मनोरथ सिद्धि का योग है. सुख-सुविधा में वृद्धि होगी. शुभांक-5-6-8

कन्या : स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. व्यापार में वृद्धि होगी. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. शुभांक-6-8-9

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. मनोरथ सिद्धि का योग है. सम्मान मिलेगा. प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-4-5-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, इक्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. शुभांक-5-6-9

धनु : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. शुभांक-6-7-88

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. शुभांक-5-6-8

कुंभ : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा. अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव. सुख आरोग्य प्रभावित होगा. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शुभांक-1-6-7

मीन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. स्वविवेक से कार्य करे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. माता पक्ष से विशेष

न्यूज अपडेट

नवनिर्वाचित विधायक मनोज विश्वास ने अग्नि पीड़ितों से की मुलाकात

अररिया। फारबिसगंज प्रखंड के अड़राहा पंचायत के वार्ड संख्या 05 में शनिवार को हुए भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के तीन घर जलकर राख हो गया, जिसकी जानकारी मिलने के बाद रविवार को नवनिर्वाचित विधायक मनोज विश्वास पीड़ित परिवार से मुलाकात करने गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया. अड़राहा पंचायत के वार्ड संख्या 05 में शनिवार को दयानंद ऋषिदेव के घर में अचानक आग लग गई थी,जो देखते ही देखते तीनों घरों को अपनी चपेट में ले लिया. घर में रखा कीमती सामान, फर्नीचर, जेवर, महत्वपूर्ण कागजात एवं लगभग डेढ़ लाख रुपये नकद सहित करीब सात लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान होने की बात कही जा रही है. घटना के समय घर में मौजूद रीता देवी ने सूझबूझ दिखाते हुए शोर मचाया, जिसके बाद आस-पास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए. ग्रामीणों की तत्परता से आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन तब तक परिवार का सब कुछ जल चुका था. घटना की सूचना मिलते ही नवनिर्वाचित विधायक मनोज विश्वास रविवार को घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका हालचाल जाना.

रक्सौल में 25 ग्राम स्मैक के साथ चार नशा कारोबारी गिरफ्तार हुए

पूर्वी चंपारण। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले के रक्सौल थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रक्सौल थाना इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार के नेतृत्व में टीम ने जोकीयारी गांव स्थित एक बगीचे में छापेमारी कर तीन स्मैक कारोबारी को गिरफ्तार किया है. जिनकी पहचान श्याम बाबू साह, दीपक कुमार और श्रवण कुमार गुप्ता को रंगे हाथों गिरफ्तार किया. जिनके पास से लगभग 25 ग्राम स्मैक बरामद की गई. पूछताछ में आरोपियों ने स्मैक सप्लाई करने वाले रक्सौल मौजे निवासी रामचंद्र महतो का नाम उजागर किया, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसके घर छापेमारी कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया. इंस्पेक्टर ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि थाना क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार को समाप्त करने के लिए पुलिस लगातार सघन अभियान चला रही है.

पूर्व महिला पंसस की हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी

नवादा। नवादा जिले के हिसुआ के कंचनबाग में दिनदहाड़े पूर्व महिला पंचायत समिति सदस्य सुनीता कुमारी की घर में हत्या कर दिये जाने के मामले में पांच नामजद सहित अन्य सात-आठ पर केस दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई. सुनीता कुमारी का पति उमाकांत सुमन ने केस दर्ज कराया है. बैठने वाला पीढ़ा से सिर पर बार किया गया था. परिजन द्वारा लूट-पाट किये जाने का भी आरोप लगाया गया था. मामले में रंजन कुमार, उमंग कुमार और उनके दो-तीन अन्य दोस्त, संत सुरेश राम, उसकी पत्नी और बेटी सोनम कुमारी पर आरोप लगाया गया है. घर के किरायेदार को भी शक के दायरे में रखा गया है. संत सुरेश राम, उसकी पत्नी और बेटी पर पूर्व में घर में आकर धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है.

चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद चिराग पासवान ने पटना साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेका

जनता के आशीर्वाद के लिए जताई कृतज्ञता

शुभम संदेश।पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद लोजपा (रामविलास) सुप्रीमो और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान रविवार को अपनी मां के साथ पटना साहिब गुरुद्वारा पहुंचे. यहां उन्होंने दरबार साहिब में मत्था टेका और बिहार में अमन-चैन और खुशहाली की कामना की. चिराग पासवान ने पटनासिटी स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारे में पहुंचकर चुनावी जीत को जनता का आशीर्वाद बताया. उन्होंने कहा कि जनता ने इस बार लोजपा रामविलास पर भरोसा दिखाया है और पार्टी ने 19 सीटों पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की है. यह पहली बार है जब चुनावी नतीजों की घोषणा के बाद चिराग पासवान अपनी मां के साथ सार्वजनिक रूप से दर्शन करने पहुंचे. गुरुद्वारे में चिराग पासवान ने हाजिरी लगाई और राज्य की प्रगति के लिए प्रार्थना की. उनके आगमन के दौरान समर्थकों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा हो गई. इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, "काफी समय से मेरी और मेरे परिवार की इच्छा थी कि मैं पूरे परिवार के साथ यहां आकर मत्था टेकूं. आज हम पूरे परिवार के साथ आए हैं. गुरु महाराज के आशीर्वाद से हमें, हमारे परिवार और पार्टी को इतनी खुशी मिली है, उसके लिए मैं आभारी हूं." चिराग पासवान ने यह भी कहा कि लोजपा ने कुल 29 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे, हालांकि एक प्रत्याशी के नामांकन रद्द होने के कारण पार्टी ने 28 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए. इसके बावजूद कुल 19 उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, जो पार्टी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है.

इस अवसर पर पटना साहिब गुरुद्वारे के ग्रंथी ने चिराग पासवान को सिरोपा भेंट किया. केंद्रीय मंत्री ने गुरुद्वारे में मत्था टेकते हुए पार्टी और बिहार के विकास की कामना की. उन्होंने कहा कि यह जीत केवल पार्टी की नहीं, बल्कि जनता के आशीर्वाद और विश्वास की जीत है. चिराग पासवान का यह दौरा उनके व्यक्तिगत और राजनीतिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. गुरुद्वारे में मत्था टेकने के बाद उन्होंने कहा कि बिहार की खुशहाली और प्रगति के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए. इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने भी चिराग पासवान का उत्साहपूर्वक स्वागत किया. इस ऐतिहासिक विजयी दौरे पर चिराग पासवान ने यह संदेश भी दिया कि लोजपा जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करेगी और राज्य के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास में योगदान देगी. इस तरह पटना साहिब गुरुद्वारा में उनका यह दौरा पार्टी और समर्थकों के लिए प्रेरणादायक और उत्साहजनक साबित हुआ.

बिहार में आदर्श सरकार बने जो पूरे देश में एकता भाईचारे का संदेश दे सके: अनिल साहा

सहरसा। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री संगठन सह प्रभारी पूर्णिया, कोशी एवं भागलपुर प्रमंडल के अनिल कुमार साहा ने एनडीए सरकार के प्रचंड बहुमत मिलने पर हर्ष व्यक्त कर मुख्यमंत्री के प्रति बधाई व शुभकामना जताई है. उन्होंने कहा कि बिहार में ऐसी सरकार बनें जो आपसी विश्वास व भाईचारे का संदेश दे. बिहार सरकार के विगत 20 वर्षों से मुख्यमंत्री के पद पर सुशोभित बिहार की जनता के अभिभावक को संदेश पहुंचाने का प्रयास किया है. साहा ने नीतीश कुमार से आग्रह किया है कि वह राजनीतिक जीवन के अपने अंतिम समय में बिहार में एक ऐसी सरकार का गठन करें, जिससे बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश में भाईचारे का संसार स्थापित हो सके. ज्ञात हो कि बिहार विभूतियां की धरती रही है. बिहार के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जैसे विभूति इस देश के राष्ट्रपति हुआ करते थे.बिहार में जननायक कर्पूरी ठाकुर का यह बिहार है. बिहार लोकनायक जयप्रकाश नारायण का बिहार है और इन्ही के पद चिन्ह पर चलकर के बिहार के यशस्वी मुख्यमंत्री विकास पुरुष ने बिहार में जो अपने क्रियाकलाप से बिहार सरकार को एक स्वच्छ शासन भय मुक्त शासन भाईचारे का शासन देने का काम किया.अब अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम समय में उनका यह कर्तव्य होता है कि वह ऐसी सरकार का गठन करें जिससे पूरे देश में वर्तमान में जो अभी वातावरण फैला हुआ है.

खेत में खाद छिड़कने निकले किसान की हत्या

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के मेघल टोला में किसान नंद किशोर मंडल उर्फ ननकू मंडल की अज्ञात अपराधियों ने चाकू से गला और पेट पर वार कर निर्मम हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि किसान शनिवार शाम को मकई के खेत में खाद छिड़कने के लिए घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे. सुबह जब ग्रामीण खेत की ओर पहुंचे तो किसान का शव देखकर इलाके में सनसनी फैल गई. सूचना मिलने पर इस्माइलपुर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची.

बिहार विधानसभा चुनाव के बाद नेताओं के बीच मुलाकातों का दौर तेज

नीतीश कुमार से मिले उपेंद्र कुशवाहा

शुभम संदेश।पटना

बिहार में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद राजनीतिक गतिविधियों में तेजी देखी जा रही है. राज्य में एनडीए की जीत के साथ ही गठबंधन के नेताओं और सहयोगी दलों के बीच मुलाकातों का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है. इसी कड़ी में राष्ट्रीय लोक मंच (आरएलएम) के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की. यह मुलाकात राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है और इसे एनडीए में एकजुटता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है. उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मंच ने 2025 के विधानसभा चुनाव में 6 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से 4 सीटों पर जीत हासिल की गई है. इस प्रदर्शन के साथ कुशवाहा ने बिहार की राजनीति में एक बार फिर अपनी प्रासंगिकता साबित कर दी है. पिछले चुनावों में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था, लेकिन इस बार उनकी वापसी ने राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना दिया है.

नीतीश कुमार और उपेंद्र कुशवाहा की मुलाकात का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत या औपचारिक शिष्टाचार नहीं माना जा रहा है. यह मुलाकात एनडीए गठबंधन में सहयोग और समन्वय को मजबूत करने के साथ-साथ आगामी सरकार की प्राथमिकताओं और योजनाओं को तय करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गठबंधन के नेताओं के बीच यह संवाद भविष्य में राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को आकार देने में अहम भूमिका निभा सकता है. राजनीतिक माहौल को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में एनडीए की रणनीति और साझा कार्यक्रमों पर और भी बैठकें आयोजित की जाएंगी. इन बैठकों का मकसद गठबंधन की एकता को कायम रखना और राज्य के विकास के लिए साझा एजेंडा तैयार करना होगा. ऐसे में उपेंद्र कुशवाहा जैसी केंद्रीय और प्रभावशाली हस्तियों की भागीदारी को विशेष महत्व दिया जा रहा है.

इसके अलावा, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी की सफलता ने यह भी संकेत दिया है कि बिहार की राजनीति में छोटे और मध्यम दलों की भूमिका अनदेखी नहीं की जा सकती. उनकी रणनीति और चुनावी प्रदर्शन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गठबंधन के भीतर उनकी भूमिका मजबूत हुई है. इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी सरकार में उनकी राजनीतिक भागीदारी और बढ़ सकती है. इस प्रकार, बिहार में नई सरकार के गठन की तैयारी के बीच उपेंद्र कुशवाहा और नीतीश कुमार की यह मुलाकात राज्य की राजनीतिक दिशा और एनडीए के भविष्य के कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है.

सारण जिले में पहली बार 23 नवंबर को होगा महिला एथलेटिक्स लीग अस्मिता आयोजन

सारण। महिला एथलीटों को अधिक अवसर और पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रथम अस्मिता खेलो इंडिया महिला एथलेटिक्स लीग का आयोजन 23 नवंबर 2025 को जय प्रकाश यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में किया जाएगा. बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन व सारण जिला के अध्यक्ष सलीम परवेज ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. ललित भनोट, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा केंद्रीय खेल एवं युवा मंत्रालय के सहयोग से खेलो इंडिया के तहत पूरे देश में हो रहा है. इस लीग का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाना और कम उम्र में प्रतिभाओं को पहचान देना है. यह लीग प्रतिभाशाली बेटियों को एक मंच प्रदान करेगी, जिससे वे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकें. सारण में यह लीग पहली बार आयोजित की जा रही है, जिसे जिले के लिए गौरव की बात बताया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में अंडर-14 जिनका जन्म 21 दिसंबर 2011 से 20 दिसंबर 2013 तक और अंडर-16 जिनका जन्म 21 दिसंबर 2009 से 20 दिसंबर 2011 के बीच होना चाहिए.

बरारी में दो बाइक की आमने -सामने की टक्कर, बुजुर्ग की मौत

भागलपुर। जिले के बरारी थाना क्षेत्र के जिलाधिकारी आवास के समीप रविवार को सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई. मृतक की पहचान गोगरी थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी शिव शक्ति सिंह की तौर पर हुई है. मृतक मायागंज अस्पताल में भर्ती अपनी पत्नी को मोटरसाइकिल से खाना देने आ रहे थे. बताया जा रहा है कि विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि शिव शक्ति सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत मायागंज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. हादसे में शामिल मोटरसाइकिल चालक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है. घायल की पहचान सुर्खीकल निवासी सुनील कुमार के पुत्र किशन कुमार के रूप में हुई है. पुलिस ने मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है और घायल को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है. परिजन के अनुसार, शिव शक्ति सिंह की पत्नी सुनीता देवी 9 नवंबर से मायागंज अस्पताल में भर्ती हैं, जिनका पेट का ऑपरेशन हुआ है.

पटना में दिनदहाड़े किशोर पर चाकू से हमला, इलाके में सनसनी

पटना। जक्कनपुर थाना क्षेत्र स्थित दुपुलवा के पास सुबह-सुबह एक किशोर पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया. पीड़ित सुमन, जो अपने पिता के साथ जूस का ठेला चलाता है और दयानंद बॉयज़ स्कूल में 9वीं कक्षा का छात्र है, पेट में गंभीर चोट के साथ अस्पताल में भर्ती है. घटना के अनुसार, पिछले दो दिनों से पड़ोसियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था. शनिवार को स्कूल में हुए झगड़े के बाद, सुबह कुछ नाबालिग लड़के बाइक से आए और सुमन को घेरकर पहले मारपीट की, फिर चाकू मार दिया. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और पीड़ित को इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया. एएसपी अभिनव ने बताया कि स्थिति फिलहाल स्थिर है और हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय इनपुट के आधार पर तलाश जारी है. घटना ने इलाके में भय और चिंता फैल गई है. पुलिस ने कहा कि पूछताछ के बाद विवाद का पूरा कारण स्पष्ट किया जाएगा.

कारोबार

भारत ने अक्टूबर में रूस से कच्चे तेल पर खर्च किए 2.5 अरब यूरो

नयी दिल्ली। भारत ने अक्टूबर 2025 में रूस से कच्चे तेल की खरीद पर लगभग 2.5 अरब यूरो खर्च किए, जो सितंबर के समान रहा. सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (क्रि) के अनुसार, इस अवधि में चीन के बाद भारत रूसी जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना. अक्टूबर में रूस ने कुल छह करोड़ बैरल कच्चा तेल निर्यात किया, जिसमें से रोसनेफ्ट और लुकऑयल का योगदान 4.5 करोड़ बैरल रहा. 22 अक्टूबर को अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण को रोकने के लिए रूस की प्रमुख तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिए. इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल-मित्तल इनर्जी और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स जैसी कंपनियों ने फिलहाल रूस से तेल आयात रोक दिया.

बिहार चुनाव के असर से सोने की कीमतों में आया उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली। बीते हफ्ते बिहार विधानसभा चुनाव के एक्जिट पोल और नतीजों के असर से मार्केट और गोल्ड बाजार में हलचल देखने को मिली. महीने की शुरुआत में 24 कैरेट सोना 1,24,590 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, लेकिन सप्ताह के अंत तक यह घटकर 1,23,910 रुपये पर आ गया. हालांकि इस दौरान कुछ दिन ऐसे भी आए जब सोने के दाम तेजी से बढ़े. 10 नवंबर को सोने की कीमत 1,24,590 रुपये प्रति 10 ग्राम रही. अगले दिन 11 नवंबर को यह थोड़ा गिरकर 1,24,380 रुपये पर बंद हुआ. लेकिन गिरावट का सिलसिला ज्यादा देर तक नहीं चला. 12 नवंबर को सोने के दामों में तेजी देखने को मिली और यह लगभग 3,000 रुपये बढ़कर 1,27,080 रुपये तक पहुंच गया.

बीएसई की टॉप 10 की 8 कंपनियों का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ बढ़ा

भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. इनमें सबसे अधिक फायदे में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही. दूसरी ओर टॉप 10 कंपनियों में से 2 कंपनियों के मार्केट कैप में 39 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई. पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 2,05,185.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई. दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 39,414.06 करोड़ रुपये की कमी हो गई. 10 से 14 नवंबर के बीच हुए कारोबार के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 55,652.54 करोड़ रुपये उछल कर 11,96,700.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 54,941.84 करोड़ रुपये की छलांग लगा कर 20,55,379.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 40,75745 करोड़ रुपये बढ़ कर 11,23,416.17 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 20,834.35 करोड़ रुपये उछल कर 9,80,374.43 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 10,522.90 करोड़ रुपये उछल कर 8,92,923.79 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 10,448.32 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 6,24,198.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 9,149.13 करोड़ रुपये बढ़ कर 15,20,524.34 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,878.25 करोड़ रुपये उछल कर 5,70,187.06 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 30,147.94 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,33,573.38 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया. इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 9,266.12 करोड़ रुपये घट कर 5,75,100.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 20,55,379.61 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही. इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 15,20,524.34 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 11,96,700.84 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,23,416.17 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,80,374.43 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 8,92,923.79 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 6,33,573.38 करोड़ रुपये) इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,24,198.80 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,75,100.42 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,70,187.06 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे.

एपल का आईफोन 17 लॉन्च, चीन में बिक्री में बड़ा उछाल लेकर आया

नयी दिल्ली। एपल की नई फ्लैगशिप आईफोन 17 श्रृंखला ने चीन में कंपनी की किस्मत बदल दी है. काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 17 की उपलब्धता के पहले महीने में आईफोन की बिक्री में साल-दर-साल 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो पिछले साल आईफोन 16 लॉन्च के बाद हुए गिरावट के बाद एक महत्वपूर्ण सुधार है. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 19 सितंबर के बाद चीन में बिके सभी आईफोन में से लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा आईफोन 17 रेंज का था. एपल के सीईओ टिम कुक ने क्यू4 2025 आय कॉल में कहा कि कंपनी चीन में मिली प्रतिक्रिया से "बहुत खुश" है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछली तिमाही में कमजोर प्रदर्शन की वजह कम मांग नहीं, बल्कि आपूर्ति की कमी थी. कुक ने बताया कि चीन में ग्राहक गतिविधि साल-दर-साल बढ़ी है और नए डिवाइस तेजी से बिक रहे हैं, जबकि वे सरकारी छूट पर अधिक निर्भर नहीं हैं. कई एपल उत्पादों की कीमतें छूट के लिए योग्य नहीं हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मौजूदा बिक्री वृद्धि वास्तविक ग्राहक मांग पर आधारित है.

पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएं बैंकों की एफडी से बेहतर रिटर्न दे रही हैं, निवेश का अवसर

नयी दिल्ली। हाल ही में रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में कई बार कटौती के बाद अधिकांश बड़े बैंकों ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजनाओं की ब्याज दरें घटा दी हैं. वर्तमान में बड़े बैंकों की एफडी दरें लगभग 6% से 7% सालाना के बीच हैं. ऐसे में नए एफडी निवेशक कम ब्याज दर पर ही पैसा निवेश कर रहे हैं. इस समय पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाएं इन बैंकों की एफडी योजनाओं से बेहतर रिटर्न दे रही हैं. सरकार हर तिमाही में पोस्ट ऑफिस की योजनाओं की ब्याज दरों को संशोधित करती है, और वर्तमान दरें 31 दिसंबर तक लागू हैं. 2 साल की जमा पर 7% सालाना ब्याज मिलता है, जिससे 10,000 रुपये पर हर तिमाही 719 रुपये ब्याज मिलेगा. 3 साल की जमा पर ब्याज दर 7.1% है, यानी 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 729 रुपये. 5 साल की जमा पर 7.5% ब्याज दर मिलती है, जिससे 10,000 रुपये पर हर तिमाही 771 रुपये ब्याज प्राप्त होगा. वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम पर 8.2% ब्याज मिलता है, जिससे 10,000 रुपये पर हर तिमाही 205 रुपये मिलेंगे. अगर मासिक आय की जरूरत है तो मंथली इनकम अकाउंट अच्छा विकल्प है, जिसमें 7.4% ब्याज मिलता है और 10,000 रुपये पर हर महीने 62 रुपये भुगतान होगा.

भारत में कोयले का आयात बढ़ा, इस्पात उद्योग में भी कोकिंग कोयले की मांग बढ़ी

नयी दिल्ली। भारत में कोयले का आयात लगातार बढ़ रहा है. ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2025 में देश का कुल कोयला आयात 13.54% बढ़कर 22.05 मिलियन टन (एमटी) हो गया. इस बढ़ोतरी के पीछे त्योहारों से पहले औद्योगिक और इस्पात क्षेत्र की मजबूत मांग मुख्य कारण मानी जा रही है. विशेष रूप से, गैर-कोकिंग कोयले का आयात 13.90 एमटी रहा, जो पिछले साल के 13.24 एमटी से अधिक है. वहीं, इस्पात उद्योग के लिए आवश्यक कोकिंग कोयले का आयात 4.50 एमटी दर्ज किया गया, जो पिछले साल के 3.39 एमटी से काफी बढ़ा है. अप्रैल-सितंबर 2025 की अवधि में भी गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 86.06 एमटी रह गया, जबकि कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 31.54 एमटी हो गया. एमजंक्शन सेवाओं की एमडी और सीईओ विनया वर्मा ने बताया कि त्योहारों से पहले खरीदारों ने नए ऑर्डर दिए, जिससे आयात में वृद्धि हुई. उन्होंने यह भी कहा कि सर्दियों में इस्पात मिलों की स्टॉकिंग की मांग कोकिंग कोयले के आयात को और बढ़ा सकती है. विशेषज्ञों का मानना है कि इस्पात और औद्योगिक कोयले की मजबूत मांग बिजली क्षेत्र में मौसमी कमजोरी को भी पीछे छोड़ सकती है. एमजंक्शन सेवाएं, जो टाटा स्टील और सेल की साझेदारी वाली बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी है, ने यह जानकारी साझा की. आर्थिक और औद्योगिक विश्लेषकों के अनुसार, कोयले की बढ़ती मांग भारत की इस्पात और ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

आईपीओ

इस सप्ताह खुलेंगे दो नए आईपीओ, 7 कंपनियों की होगी लिस्टिंग, निवेशक निवेश को हैं तैयार

एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का व दूसरा है एसएमई का

एजेंसी। नयी दिल्ली

आज से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट की हलचल तुलनात्मक रूप से ठंडी रहने वाली है. इस सप्ताह सिर्फ 2 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं. इनमें से 1 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दूसरा आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है. इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच हुए दो कंपनियों के आईपीओ में भी 17 और 18 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है. जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो सात कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं. सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 19 नवंबर को गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा. इसके बाद 26 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. 19 नवंबर को ही एक्सेल सॉफ्ट टेक्नोलॉजीज का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इस इश्यू में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 125 शेयर का है. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1.50 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं. इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 2.67 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा. इसके बाद 26 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.

इन नए आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा निवेशक पिछले सप्ताह 13 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए फूजियामा पावर सिस्टम्स के 828 करोड़ रुपये के आईपीओ में 17 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 216 रुपये से लेकर 228 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 65 शेयर का है. आईपीओ के तहत 600 करोड़ रुपये के 2,63,15,789 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं. इसके अलावा 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 228 करोड़ रुपये के 1 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा. इसके बाद 20 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. इस आईपीओ को अभी तक 41 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल सका है. इसी तरह 14 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए कैपिलरी टेक्नोलॉजीज के 877.50 करोड़ रुपये के आईपीओ में 18 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 549 रुपये से लेकर 577 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 25 शेयर का है. आईपीओ के तहत 345 करोड़ रुपये के 59,79,202 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं. इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 532.50 करोड़ रुपये के 92,28,796 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं.

म्यूचुअल फंड्स में निवेश: मल्टी-एसेट और फ्लेक्सी कैप फंड्स पर निवेशकों की नजर

नयी दिल्ली। बीते कुछ महीनों में वैश्विक तनावों और राजनीतिक उतार-चढ़ाव के चलते शेयर बाजार में अस्थिरता देखी गई है. ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से बाजार के उतार-चढ़ाव ने निवेशकों के मनोबल को प्रभावित किया है. ऐसे समय में विशेषज्ञ म्यूचुअल फंड्स को शेयर निवेश की तुलना में सुरक्षित और लाभदायक विकल्प मानते हैं. हाल के डेटा के अनुसार, डीमैट अकाउंट्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है और एसआईपी के जरिए निवेश ने म्यूचुअल फंड्स में निवेश को आसान और जनसुलभ बना दिया है. निवेशकों के लिए मुख्य सवाल यह है कि मार्केट में मौजूद विभिन्न फंड्स में से कौन सा फंड बेहतर है. इस संदर्भ में दो प्रमुख फंड कैटेगरी—मल्टी-एसेट और फ्लेक्सी कैप—पर ध्यान दिया जा सकता है. मल्टी-एसेट फंड तीन या उससे अधिक एसेट क्लास, जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में निवेश करते हैं. एक ही फंड में शेयर, बॉन्ड और सोने का मिश्रण जोखिम को कम करता है. यदि शेयर बाजार गिरता है, तो गोल्ड या डेट इसे संतुलित करते हैं, जिससे निवेशकों को बड़ा नुकसान नहीं होता. छोटी अवधि में मल्टी-एसेट फंड का रिटर्न -0.78 प्रतिशत से +0.46 प्रतिशत तक रहा है, जबकि तीन से छह महीने की अवधि में कई फंडों ने 8 से 11 प्रतिशत तक रिटर्न दिया है. ऐसे फंड निवेशकों के लिए सुरक्षित और स्थिर रिटर्न का अवसर प्रदान करते हैं, खासकर अस्थिर बाजार में.

दसों टीमों ने मिलकर कुल 173 खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जिनमें से 49 विदेशी हैं

आईपीएल के लिए मिनी ऑक्शन 16 को अबू धाबी में

एजेंसियां । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की तैयारी तेज हो चुकी है और इसी बीच बीसीसीआई ने मिनी ऑक्शन की तारीख और वेन्यू की आधिकारिक घोषणा कर दी है. आगामी सीजन के लिए मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर 2025 को अबू धाबी के एतिहाद एरिना में आयोजित होगा. सभी 10 फ्रेंचाइजी पहले ही अपने रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी कर चुकी हैं, जिसके बाद अब टीमों की निगाहें ऑक्शन पर टिक गई हैं. बीसीसीआई द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, दसों टीमों ने मिलकर कुल 173 खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जिनमें से 49 विदेशी हैं. इसके अलावा कुछ ट्रेड किए गए खिलाड़ी भी इस सूची में शामिल हैं. रिटेंशन के बाद अब मिनी ऑक्शन में 77 स्लॉट खाली हैं, जिन्हें भरने के लिए टीमें बोली लगाएंगी.

सभी 10 फ्रेंचाइजियों के पर्स में मिलाकर कुल 237.55 करोड़ रुपये उपलब्ध हैं. नियमों के अनुसार, हर टीम अधिकतम 25 खिलाड़ियों को अपने स्क्वॉड में शामिल कर सकती है. रिटेंशन लिस्ट पर नजर डालें तो पंजाब किंग्स ने सर्वाधिक 21 खिलाड़ियों को अपने साथ बनाए

रखा है. वहीं, गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस ने 20-20 खिलाड़ियों को रिटेन किया है.

सबसे अधिक पर्स के साथ उतरेगी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), जिसके पास 64.3 करोड़ रुपये उपलब्ध हैं. केकेआर 13 खिलाड़ियों को ऑक्शन में खरीद सकती है. मिनी ऑक्शन से पहले केकेआर ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने दो दिग्गज खिलाड़ियों—आंद्रे रसेल (12 करोड़) और वेंकटेश अय्यर (23.75 करोड़)—को रिलीज किया है. टीम के पास 6 विदेशी स्लॉट भी खाली हैं, जिन्हें भरने के लिए वह आक्रामक रणनीति अपना सकती है. दूसरी ओर, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास 43.4 करोड़ रुपये का पर्स है और टीम को 9 स्लॉट भरने हैं. अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कोर मजबूत होने के बावजूद सीएसके युवा और उपयोगी खिलाड़ियों की तलाश में रहेगी. सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के पर्स में 25.5 करोड़ रुपये बचे हैं. फ्रेंचाइजी ने 15 खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जिनमें 6 विदेशी शामिल हैं. मिनी ऑक्शन में टीम 10 नए खिलाड़ियों को जोड़ सकती है, जिससे उनके स्क्वॉड में गहराई आने की उम्मीद है.

सबसे कम बजट के साथ ऑक्शन में उतरेगी मुंबई इंडियंस, जिसके पर्स में केवल 2.75 करोड़ रुपये शेष हैं. टीम ने लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जिसके कारण उसके पास केवल 5 खिलाड़ियों को खरीदने की गुंजाइश है. आईपीएल 2026 का मिनी ऑक्शन रोमांच और चौंकाने वाले फैसलों से भरा होने की उम्मीद है, क्योंकि सभी टीमें अपनी रणनीति के अनुसार अंतिम रूप से स्क्वॉड मजबूत करने की तैयारी में जुटी हैं.

सुनील सेठी ने जेकेसीए उप-समिति से दिया इस्तीफा

एजेंसियां । नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) की कानूनी मामलों की उप-समिति के सदस्य सुनील सेठी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास को पत्र लिखकर राज्य संघ में अपनी भूमिका से औपचारिक तौर पर अलग होने की इच्छा जताई. उन्होंने चुनावी प्रक्रिया के संबंध में गंभीर चिंताएं दर्ज की हैं. पत्र में सेठी ने बताया कि उन्हें 2021 में उप-समिति का सदस्य बनाया गया था और तब से वह जेकेसीए के मामलों की देखरेख कर रहे थे. उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के हालिया आदेश के बाद चुनाव कराए जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन इसी बीच पूर्व लोकपाल द्वारा पूर्व-दिनांकित आदेश जारी किए जा रहे हैं, जो मार्च 2025 तक पुराने दिखाए जा रहे हैं, जबकि उस समय ऐसा कोई आदेश पारित नहीं हुआ था. उन्होंने लिखा कि ऐसे आदेश क्लब प्रबंधन और मतदान अधिकारों में बदलाव कर रहे हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है. सेठी ने अपने इस्तीफे में स्पष्ट किया कि वह ऐसी स्थिति से जुड़े रहना नहीं चाहते जहां मतदान प्रक्रिया में अनावश्यक हस्तक्षेप हो. उन्होंने अनुरोध किया कि उनके इस्तीफे को स्वीकार करते हुए उन्हें उप-समिति से कार्यमुक्त किया जाए. साथ ही, उन्होंने बोर्ड द्वारा दिए गए अवसर के लिए आभार व्यक्त किया.

विकेट आसान था, बल्लेबाजों में धैर्य की कमी दिखी: गंभीर

एजेंसियां । कोलकाता

साउथ अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में भारत को 30 रन से हार का सामना करना पड़ा. इस हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा कि विकेट मुश्किल नहीं था, बल्कि बल्लेबाजों में लंबे समय तक टिककर खेलने का जज्बा कम था. गंभीर के मुताबिक, अगर खिलाड़ी धैर्य और तकनीक के साथ खेले होते, तो 124 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, लेकिन आक्रामक खेल की कोशिश ने मुश्किलें बढ़ा दीं. गंभीर ने ईडन गार्डन्स के क्यूरेटर की तारीफ की और कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद के मुताबिक पिच मिली. उन्होंने बताया, यह बिल्कुल वैसी पिच थी जैसी हमें चाहिए थी. टेंबा बावुमा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने इस पिच पर रन बनाए. ज्यादातर विकेट तेज गेंदबाजों के खाते में गए. बार-बार पिच की शिकायत करना सही नहीं है.

कोच ने कहा कि यह पिच तकनीक और मानसिक दृढ़ता की परीक्षा थी. उन्होंने बताया, ₹अगर आपमें लंबे समय तक टिकने और बल्लेबाजी करने का जज्बा होता, तो आप रन बना सकते थे. लेकिन आक्रामक क्रिकेट खेलने की कोशिश में यह मुश्किल हो जाता है. मजबूत डिफेंस, धैर्य और संयम के साथ खिलाड़ी रन बना सकते थे.₹ गंभीर ने यह भी कहा कि विकेट चाहे कैसा भी हो, अगर टीम पूरी हिम्मत और संयम के साथ खेले, तो लक्ष्य हासिल करना संभव था.

इसी बीच, इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने भारत की पिच रणनीति पर सवाल उठाए. उनका कहना था कि टर्निंग पिचें भारत के लिए उल्टी पड़ रही हैं. पनेसर ने कहा, ₹भारत को सपाट विकेट बनाने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि टेस्ट मैच तीसरे और चौथे दिन तक खेला जा सके. टर्निंग पिचों पर विदेशी टीमें आसानी से खेल सकती हैं, इसलिए रणनीति पर पुनर्विचार जरूरी है.

मैच में साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए, जबकि भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की बढ़त ली. दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका ने 153 रन बनाकर भारत को 124 रन का लक्ष्य दिया, लेकिन भारतीय टीम 93 रन ही बना सकी और मैच हार गई. इस मुकाबले ने भारतीय बल्लेबाजों की धैर्यहीनता और तकनीकी कमजोरी को उजागर किया.

टीम इंडिया 93 रन पर सिमटी, साउथ अफ्रीका ने 1-0 की बनाई बढ़त

लो-स्कोरिंग थ्रिलर मैच में भारत की 30 रन से शर्मनाक हार

- कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट के कारण दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने नहीं उतरे.
- साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने 55 रन की जुझारू पारी खेली.
- भारत की दुसरी पारी में सर्वाधिक 31 रन वाशिंगटन सुंदर ने बनाए.

एजेंसियां । कोलकाता

ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में एक बार फिर साबित हुआ कि टेस्ट क्रिकेट में कम स्कोर वाले मुकाबले भी कितने रोमांचक हो सकते हैं. साउथ अफ्रीका ने भारत को 30 रन से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है. इस जीत के साथ ही मेहमान टीम ने निर्णायक बढ़त बनाई, जबकि भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी लक्ष्य से 31 रन दूर रह गई. सीरीज का दूसरा मुकाबला 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा.

इस मैच में भारत को दूसरी पारी में जीत के लिए 124 रन का आसान लक्ष्य मिला था, लेकिन शीर्ष क्रम के पूरी तरह विफल रहने के कारण टीम

इंडिया 93 रन पर ही सिमट गई. कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट के कारण दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने नहीं उतरे, जिसका असर भारतीय बल्लेबाजी पर साफ दिखाई दिया. मैच की शुरुआत साउथ अफ्रीका के पहली पारी में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के फैसले से हुई, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने मेहमान टीम को 159 रन पर समेटकर बढ़त बना ली. एडेन मार्करम ने सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर और टोनी डी जोरजी ने 24-24 रन जोड़े. भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह सबसे ज्यादा प्रभावी रहे और उन्होंने 5 विकेट चटकाए. उनके अलावा मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव को 2-2 सफलता मिली.

इसके जवाब में भारतीय टीम भी पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही और 189 रन पर ढेर हो गई. केएल राहुल ने 39 और वाशिंगटन सुंदर ने 29 रन बनाए. साउथ अफ्रीका के लिए साइमन हार्मर ने 4 और मार्को जेनसन ने 3 विकेट लिए. भारत को पहली पारी के आधार पर 30 रन की बढ़त जरूर मिली, लेकिन यही बढ़त अंत में बड़ी साबित नहीं हो सकी. साउथ अफ्रीका की दूसरी पारी पूरी तरह कप्तान टेंबा बावुमा के इर्द-गिर्द रही. उन्होंने 136 गेंदों में नाबाद 55 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से साथ न मिलने के कारण टीम 153 रन पर सिमट गई. भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने 4 विकेट झटके, जबकि कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 2-2 विकेट लिए.

124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत बेहद खराब रही. पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल खाता खोले बिना आउट हुए और जल्द ही केएल राहुल भी पवेलियन लौट गए. वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन नियमित अंतराल पर गिरते विकेट भारत को मैच से बाहर ले गए. अक्षर पटेल ने 17 गेंदों में 26 रन बनाकर उम्मीद जगाई, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके. अंततः भारत 93 रन पर ऑलआउट हो गया और साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट 30 रन से जीत लिया.

टेस्ट में साउथ अफ्रीका के चार सबसे छोटे सफलतापूर्वक बचाव

एजेंसियां । कोलकाता

ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट में साउथ अफ्रीका ने भारत को 30 रन से हराकर इतिहास में अपना नाम एक बार फिर दर्ज करा लिया. भारतीय टीम को जीत के लिए केवल 124 रन की आवश्यकता थी, लेकिन साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया. यह प्रोटियाज़ टीम द्वारा टेस्ट क्रिकेट में बचाया गया दूसरा सबसे छोटा लक्ष्य है.

साउथ अफ्रीका इससे पहले भी कई मौकों पर छोटे लक्ष्यों की रक्षा करने में सफल रहा है. सबसे छोटा लक्ष्य जिसे उन्होंने सफलतापूर्वक बचाया था, साल 1994 में सिडनी टेस्ट में 117 रन का था, जब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को मात दी थी. इसके तीन साल बाद 1997 में फैसलाबाद टेस्ट में उन्होंने 146 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल की थी. वहीं, साल 2000 में कैंडी टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ 177 रन का लक्ष्य बचाना भी साउथ अफ्रीकी टीम की यादगार उपलब्धियों में शामिल है.

भारत में खेले गए टेस्ट मैचों के लिहाज से देखें तो यह किसी भी टीम द्वारा बचाया गया दूसरा सबसे छोटा लक्ष्य है. टीम इंडिया ने खुद 2004 में वानखेड़े स्टेडियम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 107 रन के स्कोर का बचाव किया था. इसी मैदान पर 2024 में न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 147 रन का लक्ष्य बचाया था. भारत की ओर से लक्ष्य का पीछा करते हुए यह दूसरा सबसे छोटा टोटल रहा जिसे वे हासिल नहीं कर सके. इससे पहले 1997 में भारत ब्रिजटाउन में वेस्टइंडीज द्वारा दिए गए 120 रन के लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहा था.

कोलकाता टेस्ट में साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे, जबकि भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की बढ़त हासिल की. दूसरी पारी में टेंबा बावुमा के नाबाद 55 रनों की बदौलत साउथ अफ्रीका 153 तक पहुंचा और भारत के सामने 124 का लक्ष्य रखा. जवाब में भारतीय बल्लेबाजी ढह गई और टीम महज 93 रन तक ही पहुंच सकी. कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण बल्लेबाजी करने नहीं उतरे, जिससे टीम की स्थिति और कमजोर हो गई.

हजारीबाग में शतरंज प्रतियोगिता में 1128 खिलाड़ियों ने दिखाई खेल में दक्षता

शुभम संदेश । हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा आयोजित सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत दो दिवसीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का महाकुंभ पूरे उत्साह के साथ जारी है. प्रतियोगिता में दूसरे दिन देर शाम तक कुल 7 राउंड संपन्न हुए, जिसमें खिलाड़ियों ने शह और मात का रोमांच दर्शाया. झारखंड की सबसे बड़ी इस रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में 1128 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 718 पुरुष और 410 महिला खिलाड़ी शामिल हैं. प्रतियोगिता में अंडर 7, 9, 11, 14, 17 और 19 वर्ग के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. प्रतियोगिता में रामगढ़, मांडू, बड़कागांव, बरही और सदर विधानसभा क्षेत्र के कुल 89 स्कूलों के छात्र पहुंचे. रामगढ़ जिले के 219 और हजारीबाग जिले के 909 प्रतिभागी शामिल हैं. आयोजन विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर स्थित बहुउद्देशीय परीक्षा भवन

सभागार में किया गया. प्रतियोगिता का शुभारंभ सांसद मनीष जायसवाल ने खुद चेस की बिसात पर हाथ आजमा कर किया. प्रत्येक राउंड 20 मिनट का है और कुल 9 राउंड के खेल में अब तक 7 राउंड संपन्न हो चुके हैं.

प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार सभी बोर्ड पर घड़ी सहित आयोजित की गई और इसके संचालन में 27 अंतरराष्ट्रीय आर्बिटर, हजारीबाग जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, सचिव मनमीत अकेला, कोषाध्यक्ष राजन कुमार साहा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता और सांसद सेवा कार्यालय के कर्मी सक्रिय रूप से जुटे हैं. विजेताओं के लिए सांसद की ओर से कुल 63,100 रुपये पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है, जिसमें 29 कैश पुरस्कार और 45 ट्रॉफी प्रदान की जाएंगी.

सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से सांसद खेल महोत्सव का आयोजन क्षेत्र में नियमित रूप से किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि युवाओं को कंप्यूटर और मोबाइल की दुनिया से निकालकर मैदान और खेलों से जोड़ना और उनकी प्रतिभा को निखारना हमारा उद्देश्य है.

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल भारत ने की शानदार शुरुआत

एजेंसियां । ग्रेटर नोएडा

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल 2025 के पहले दिन भारतीय मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया. शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे टूर्नामेंट में मीनाक्षी, प्रीति, अंकुश और नरेंद्र ने अपने-अपने वर्ग में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का कर लिया. विश्व चैंपियनशिप लिवरपूल 2025 की स्वर्ण पदक विजेता मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कजाकिस्तान की बोल्ट अकबोटा को हराया. वहीं प्रीति (54 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान की पूर्व युवा विश्व चैंपियन निगिना उक्तामोवा को मात दी. अंकुश फंगल (80 किग्रा) ने जापान के गो वाकाया के खिलाफ संघर्षपूर्ण शुरुआत के बावजूद जोरदार वापसी कर जीत हासिल की. नरेंद्र बेरवाल (90+ किग्रा) ने यूक्रेन के एंड्री खालेत्स्की को हराकर भारत के लिए पदक सुनिश्चित किया. दूसरे

दिन 90 किग्रा क्वार्टर फाइनल में नवीन कुमार का मुकाबला कजाकिस्तान के तंगातर बेकजात से होगा. शाम के तीसरे सत्र में जदुमणि सिंह (50 किग्रा) का सामना कजाकिस्तान के ओंगारोव नूरजात से और हितेश (70 किग्रा) का मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त सेवोन ओकाजावा से होगा.

पहले दिन के अन्य मुकाबलों में पोलैंड की विक्टोरिया रोगालिन्स्का ने महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज की, वहीं उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 70 किग्रा वर्ग में नाइजीरिया की पेट्रीसिया मबाटा को हराया.

कोलकाता टेस्ट में हार के बाद डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारत को झटका, चौथे पायदान पर फिसला

एजेंसियां । नई दिल्ली

कोलकाता टेस्ट में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली करारी हार का असर डब्ल्यूटीसी (वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप) रैंकिंग पर भी दिखाई दिया है. तीसरे दिन के दूसरे सेशन में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सिर्फ 30 रन से हराकर न केवल जीत दर्ज की, बल्कि रैंकिंग में भी बड़ा फायदा उठाया. इस जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि भारत को नुकसान उठाना पड़ा और वह तीसरे से चौथे स्थान पर आ गया है. मौजूदा डब्ल्यूटीसी 2025-27 चक्र में दक्षिण अफ्रीका ने 3 टेस्ट खेले हैं, जिनमें 2 में जीत और 1 में हार दर्ज की गई है. कप्तान टेंबा बवुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका मौजूदा डब्ल्यूटीसी चैंपियन है और आगामी फाइनल की दिशा में मजबूती से बढ़ रही है. दूसरी ओर, भारत ने इस चक्र में 8 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 4 जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ रही. हार के कारण टीम इंडिया को

रैंकिंग में नुकसान उठाना पड़ा है. वर्तमान डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर है. ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैच खेले और सभी में जीत हासिल की. वहीं, 2 मैच में 1 जीत और 1 टाई के साथ श्रीलंका तीसरे स्थान पर है. 2 मैच में 1 जीत और 1 हार के साथ पाकिस्तान पांचवें स्थान पर है. 5 मैचों में 2 जीत, 2 हार और 1 ड्रॉ के साथ इंग्लैंड छठे, 2 मैच में 1 हार और 1 ड्रॉ के साथ बांग्लादेश सातवें, और 5 मैचों में लगातार 5 हार के साथ वेस्टइंडीज आठवें स्थान पर है.

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में सबसे नीचे न्यूजीलैंड है, जिसने अब तक इस चक्र में कोई मैच नहीं खेला है. कोलकाता टेस्ट की इस करीबी जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने आत्मविश्वास को बढ़ाया है और भारत को आगामी टेस्ट सीरीज में चुनौती का सामना करना पड़ेगा.

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के लिए यह हार रणनीतिक चेतावनी है, क्योंकि डब्ल्यूटीसी फाइनल में स्थान बनाने के लिए टीम को शेष टेस्ट मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा. दक्षिण अफ्रीका की जीत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि विश्व टेस्ट क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा पहले से कहीं अधिक कठिन हो गई है. आगामी मैचों में टीम इंडिया के लिए सुधार और संयम की आवश्यकता है, ताकि वह अपनी रैंकिंग में वापसी कर सके और डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह को सुरक्षित रख सके.

आईपीएल — आरसीबी ने इंग्लैंड के धाकड़ ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को किया रिलीज

आप हमेशा दिल से आरसीबी से जुड़े रहेंगे लियाम

एजेंसियां । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंग्लैंड के धाकड़ ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को रिलीज कर दिया है. टीम से अलग होने के बाद फ्रेंचाइजी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर उनके नाम एक दिल छू लेने वाला विदाई संदेश साझा किया, जिसने फैंस के बीच भावनात्मक माहौल बना दिया.

आरसीबी ने अपने संदेश में लिखा, जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब आपने आगे बढ़कर टीम के लिए अहम योगदान दिया और हमारे सबसे सुनहरे अध्याय पर अपनी छाप छोड़ी. लियाम, आपने इसे पूरी भावना के साथ जिया. हमें वह बेहद पसंद आया! हर चीज के लिए धन्यवाद. आप हमेशा दिल से आरसीबी से जुड़े रहेंगे. पिछले साल मेगा नीलामी में आरसीबी ने लिविंगस्टोन को 8.75 करोड़ रुपये में साइन किया था. हालांकि वह अपने प्रदर्शन से टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके. आईपीएल 2025 सीजन में उन्होंने 10 मैचों में मात्र 112 रन बनाए, जिसके बाद टीम ने उन्हें रिलीज करने का फैसला किया. लिविंगस्टोन के अलावा आरसीबी ने कुल 8 खिलाड़ियों को बाहर किया है जिसमें साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी, स्वास्तिक चिकारा, मयंक अग्रवाल, टिम सीफर्ट, मनोज भंडागे, ब्लेसिंग मुजारबानी और मोहित राठी शामिल हैं.

आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन का आयोजन 16 दिसंबर को अबू धाबी के एतिहाद एरिना में होगा. सभी 10 टीमें नए सीजन के लिए अपनी टीमों को मजबूत करने के लिए बोली लगाने उतरेंगी. इससे पहले आरसीबी ने अपने 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जिनमें 6 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं. टीम के पर्स में 16.4 करोड़ रुपये शेष हैं और ऑक्शन में 8 स्लॉट खाली होंगे. इनमें से टीम अधिकतम 2 विदेशी खिलाड़ियों को खरीद सकती है.

रिटेन खिलाड़ियों की सूची में कप्तान रजत पाटीदार, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, यश दयाल, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, रसिख सलाम, अभिनंदन सिंह और सुयश शर्मा शामिल हैं. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 में इतिहास रचते हुए अपना पहला खिताब जीता था. पंजाब किंग्स को हराकर आरसीबी ने यह उपलब्धि हासिल की थी. कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में विराट कोहली ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी की और 15 मैचों में 657 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे. आरसीबी अब आईपीएल 2026 के लिए अपनी नई रणनीति के साथ एक संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ चुकी है.

विश्व कप क्वालीफायर

स्पेन ने जॉर्जिया को 4-0 से रौंदा

एजेंसियां । बर्लिन

विश्व कप क्वालीफायर के नौवें दौर में स्पेन ने जॉर्जिया पर 4-0 की प्रचंड जीत दर्ज की और अपने ग्रुप ई में अजेय अभियान को जारी रखा. स्पेनिश टीम के स्टार खिलाड़ी मिकल ओयार्जाबेल इस मुकाबले के नायक रहे, जिन्होंने दो शानदार गोल दागे और एक गोल में अहम योगदान दिया. स्पेन ने मैच की शुरुआत से ही जॉर्जिया पर आक्रामक दबाव बनाया. कोच लुइस डे ला फुएंते की रणनीति बेहतरीन साबित हुई, जहां टीम ने गेंद पर नियंत्रण रखते हुए लगातार आक्रमण किए. मुकाबले के 11वें मिनट में स्पेन को शुरुआती बढ़त मिली, जब फेरान टोरेस के क्रॉस पर गेंद जॉर्जियाई डिफेंडर के हाथ से टकराई और मिले पेनाल्टी को ओयार्जाबेल ने आसानी से गोल में बदल दिया. सिर्फ 11 मिनट बाद स्पेन ने अपना दूसरा गोल दागा. मार्टिन जुबिमेंडी ने शानदार मूव

के साथ जॉर्जियाई डिफेंस को चीरते हुए 22वें मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया. इसके बाद कुछ देर तक जॉर्जिया ने गेंद पर कब्जा तो रखा, लेकिन स्पेन की रफ्तार और पासिंग गेम उन्हें रोक पाने में नाकाम रहा.

35वें मिनट में स्पेन ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया. ओयार्जाबेल ने दाईं ओर से एक सटीक लो पास भेजा, जिसे फेरान टोरेस ने नजदीकी दूरी से गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया. हाफटाइम तक मुकाबला पूरी तरह स्पेनिश टीम के नियंत्रण में था. दूसरे हाफ में भी स्पेन का दबदबा जारी रहा. 63वें मिनट में फेरान टोरेस के बेहतरीन क्रॉस पर ओयार्जाबेल ने जोरदार हेडर लगाकर अपना दूसरा गोल दागा और टीम को 4-0 की अजेय बढ़त दिलाई. इस गोल के साथ स्पेन ने मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया. जॉर्जिया ने कुछ काउंटर-अटैक जरूर किए, लेकिन स्पेन की डिफेंस लाइन उनके हर प्रयास को बेअसर करती रही.

ग्रुप-ई में स्पेन अब तक 5 मुकाबलों में अजेय है और अगले हफ्ते होने वाले निर्णायक मुकाबले में वह क्वालीफिकेशन लगभग पक्का करने के इरादे से उतरेगी. वहीं, जॉर्जिया पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है और वह अपना अभियान बुल्गारिया के खिलाफ मैच से समाप्त करेगा. अन्य मुकाबलों में, स्विट्जरलैंड ने स्वीडन को 4-1 से हरा दिया.

संताली–पारसी भाषा दिवस की तैयारी को लेकर बैठक

गिद्दी । सुइयाडीह में रविवार को संताली–पारसी भाषा दिवस की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई. बैठक में संताली–पारसी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और सांस्कृतिक अस्मिता को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई. सदस्यों ने पारंपरिक नृत्य, गीत, साहित्यिक प्रस्तुति और भाषाई संवाद को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया.बैठक में कहा गया कि समाज के बच्चों और युवाओं को मातृभाषा से जोड़ने तथा ग्राम स्तर पर भाषा जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है. सभी ने आगामी 22 दिसंबर को आयोजित होने वाले संताली–पारसी भाषा दिवस समारोह को सफल बनाने का संकल्प लिया.बैठक को सोहराय किस्कू, रसका हेम्ब्रम और मनाराम हेम्ब्रम ने संबोधित किया. वहीं प्रमुख मांझी उहड़ाम मनेंद्र हेम्ब्रम, मांकी टुडू, दासाय मांझी, चंद्रदेव सोरेन, आकाश हांसदा, सुनील किस्कू, संजय टुडू, बबलू टुडू, थुडका टुडू, ताळो मांझी, बाबूराम टुडू, धानू टुडू, रूपल बेसरा सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे.

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर तरंग ग्रुप ने पत्रकारों को किया सम्मानित

सूचना के तेज प्रवाह के बीच तथ्यपरक और जिम्मेदार पत्रकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है

शुभम संदेश । हजारीबाग

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर हजारीबाग प्रेस क्लब में तरंग ग्रुप द्वारा पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में शहर के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े पत्रकारों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. इस समारोह का उद्देश्य पत्रकारिता के महत्व, उसकी चुनौतियों और समाज में उसकी भूमिका को रेखांकित करना था.

कार्यक्रम की अध्यक्षता हजारीबाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह ने की. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि "राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारिता के मूल्यों को पुनः स्मरण करने का अवसर है. सूचना के तेज प्रवाह के बीच तथ्यपरक और जिम्मेदार पत्रकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है." सचिव विस्मय अलंकार ने पत्रकारों की चुनौतियों और सत्यपरक रिपोर्टिंग पर जोर देते हुए कहा कि "ऐसे सम्मान कार्यक्रम पत्रकारों का मनोबल बढ़ाते हैं." उपाध्यक्ष दीपक सिंह ने कहा कि "मीडिया लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है और पत्रकारों का असली सम्मान जनता का विश्वास है." युवा सदस्य कुणाल सिंह ने तकनीकी बदलाव और सोशल मीडिया के दौर में पत्रकारिता की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला. वरिष्ठ छायाकार अर्जुन सोनी ने फोटो पत्रकारिता की चुनौतियों और उसके महत्व पर चर्चा की.

तरंग ग्रुप के निदेशक अमित कुमार गुप्ता ने सभी पत्रकारों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया और कहा कि "तरंग ग्रुप समाजसेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय है. पत्रकारों का सम्मान हमारे लिए गौरव की बात है. मीडिया समाज की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाता है." समारोह में तरंग ग्रुप के कोषाध्यक्ष मनोज कुमार, सदस्य रिशी सिंह, सोनू, संदीप और शिवानी प्रिया की भी सक्रिय उपस्थिति रही. कार्यक्रम पूरी तरह सौहार्दपूर्ण और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें पत्रकारों के योगदान को विशेष मान्यता दी गई.

धनवार पंचायत मुखिया ने पत्रकारों को दी शुभकामनाएं

हजारीबाग । बरही प्रखंड के धनवार पंचायत मुखिया राजेंद्र प्रसाद ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सभी पत्रकार साथियों को शुभकामनाएँ दी और उन्हें लोकतंत्र का सशक्त प्रहरी बताया. उन्होंने कहा कि समाज में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे सत्य को सामने लाने और जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का कार्य करते हैं. मुखिया ने पत्रकारों के सामाजिक सरोकारों को उजागर करने, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और योजनाओं की वास्तविक स्थिति जनता तक पहुँचाने के योगदान की सराहना की. निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता की आवश्यकता आज पहले से अधिक बढ़ गई है. पत्रकार अपनी कलम और कैमरे के माध्यम से समाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं. राजेंद्र प्रसाद ने उनके उज्ज्वल भविष्य और समाज सेवा में निरंतर योगदान की कामना भी की.

ग्रामीणों की शिकायत पर सांसद प्रतिनिधि ने किया स्थल निरीक्षण, समाधान का दिया आश्वासन

रामगढ़ । चितरपुर में डीयूएफ योजना के तहत नाली निर्माण को लेकर ग्रामीणों की शिकायतों के बाद रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने रविवार को घासी टोला से दारूल मोताला तक स्थल का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाली निर्माण कार्य का जायजा लिया और ग्रामीणों से बातचीत की. ग्रामीणों ने बताया कि संवेदक नाली निर्माण में मनमानी कर रहा है. पहले नाली सड़क के बीचोबीच बनाई जाती थी, जिससे बरसात और घरेलू पानी का बहाव सुचारू रहता था, लेकिन अब इसे दक्षिण दिशा में बनाया जा रहा है, जिससे सड़क पर कचरा और दूषित जल जमा होने की आशंका है. उन्होंने कहा कि उनकी आपत्तियों को नजरअंदाज किया जा रहा है. इस अवसर पर तपन पोद्दार, रूपेश पोद्दार, भीम साव, अमित प्रजापति, मादुद आलम और मंझला पोद्दार सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे. गौरतलब है कि सांसद मनीष जायसवाल को ग्रामीणों द्वारा लिखित आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया गया था, जिसके बाद प्रतिनिधि ने स्थल निरीक्षण कर भौतिक स्थिति का आंकलन किया.

ब्राह्मण समाज ने सुनीता का पुतला फूंका, विरोध जताया

चतरा । बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा द्वारा एक टीवी शो में पंडितों पर कथित अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के बाद ब्राह्मण समाज में आक्रोश फैल गया. कान्यकुज ज्योतिषी ब्राह्मण समाज ने शहर के केसरी चौक पर सुनीता आहूजा का पुतला फूंका और उनके खिलाफ जोरदार नारेबाजी की. पुतला दहन से पहले हरलाल तालाब स्थित हनुमान मंदिर परिसर में जिला अध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसका संचालन जिला सचिव राजन पांडेय ने किया. बैठक में प्रदेश संरक्षक अमरेश गनक भी उपस्थित थे. इसके बाद ब्राह्मण समाज की रैली हरलाल तालाब से निकलकर जतराहीबाग और गंदौरी मंदिर होते हुए केसरी चौक पर पहुंची, जहां सुनीता का पुतला दहन किया गया. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सुनीता आहूजा की टिप्पणी ब्राह्मण समाज की संस्कृति के खिलाफ है और यदि वे माफी नहीं मांगती हैं तो न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा. मौके पर प्रदेश संरक्षक दामोदर मिश्र, महामंत्री तुलेश्वर पांडेय, कोषाध्यक्ष सरोज पांडेय समेत भारी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे.

झारखंड स्थापना दिवसः मवि सेलहारा के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बच्चों ने बोटिंग का आनंद लिया झारखंड-प बंगाल सीमा देखा

शुभम संदेश । चौपारण

झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर मध्य विद्यालय सेलहारा के छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ शैक्षणिक भ्रमण किया. बच्चों ने मैथन डैम में बोटिंग का आनंद लिया और झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा का दृश्य देखा. इसके बाद मिलेनियम पार्क और कल्याणेश्वरी मंदिर का दर्शन किया. भ्रमण का मुख्य आकर्षण पारसनाथ पहाड़ था, जहां बच्चे ट्रेकिंग का अनुभव लेकर रोमांचित हुए. पारसनाथ जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में से 20 का निर्वाण स्थल होने के कारण धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है. विद्यालय के शिक्षक जनार्दन प्रसाद वर्मा ने कहा कि ग्रामीण बच्चों के लिए यह अनुभव बेहद शिक्षाप्रद रहा. प्रधानाध्यापक रामखेलावन रविदास ने बताया कि प्रत्यक्ष अनुभव से बच्चों को सीखने में अधिक लाभ होता है. शिक्षक जन्मेजय सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और समझ विकसित करते हैं. बच्चों के लिए रास्ते में अल्पाहार और भोजन की व्यवस्था भी की गई. शिक्षक विजय कुमार, रामचंद्र साहु, राजेंद्र रविदास, विजय प्रसाद, राकेश कुमार सिंह, डैजी कुमारी, सिंह रंगीना कुमारी व विकास कुमार ने भ्रमण को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

बिरहोर टोला में बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई

मरकच्चो (कोडरमा) । भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, जिला कोडरमा के नेतृत्व में मरकच्चो मंडल के बरियारडीह एवं आदिवासी ग्राम पिछरी और बिरहोर टोला में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए. कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर उन्हें बिरसा मुंडा के अदम्य संघर्ष और योगदान के बारे में बताया. झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर मिठाई वितरण कर जयंती का उत्सव मनाया गया. कार्यक्रम में रैली निकाली गई और बिरसा मुंडा अमर रहें, झारखंड के निर्माता अटल बिहारी बाजपेयी अमर रहें, झारखंड जिन्दाबाद जैसे नारे लगाए गए

झारखंड स्थापना दिवस पर कोलकोले पंचायत में नई लाइब्रेरी का उद्घाटन : लावालौंग : झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर लावालौंग प्रखंड के कोलकोले पंचायत सचिवालय में शनिवार को नई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया. पंचायत मुखिया राजेश साव ने फीता काटकर पुस्तकालय का शुभारंभ किया. इस लाइब्रेरी के शुरू होने से छात्रों, युवाओं और प्रतियोगी परीक्षार्थियों को अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध होगी. उद्घाटन समारोह में उपमुखिया नौशाद आलम, पंचायत सचिव विनय चौधरी, स्वास्थ्य कर्मी मो. साबिर, रोजगार सेवक विवेक सिंह और अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे. सभी ने लाइब्रेरी के संचालन और पुस्तक संग्रह के विस्तार पर चर्चा की. मुखिया राजेश साव ने कहा कि यह पहल पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. आने वाले दिनों में शैक्षणिक किताबें, प्रतियोगी परीक्षा की सामग्री और बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान से जुड़ी पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी. ग्रामीणों और युवाओं ने इस कदम की सराहना की और मुखिया एवं पंचायत प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों द्वारा लाइब्रेरी का निरीक्षण और छात्रों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के साथ हुआ.

प्रेमिका ने प्रेमी पर शादी का प्रलोभन देकर लगाया शारीरिक शोषण का आरोप

- प्रेमिका के शिकायत पर प्रेमी के खिलाफ शिकायत दर्ज

शुभम संदेश । बरवाअड्डा

बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत भेलाटांड में शनिवार शाम प्रेमिका के घर प्रेमी के पहुंचने पर विवाद गंभीर रूप ले लिया. आरोप है कि प्रेमिका के परिजनों ने प्रेमी को पकड़कर मारपीट की और उससे लड़की की मांग में सिंदूर भरवा दिया. इस घटना के बाद शनिवार रात भर दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक और वार्ता चलती रही, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला. रविवार सुबह होते-होते स्थिति और बिगड़ गई तथा मामला थाना पहुँच गया. दोनों पक्ष थाने में दिनभर डटे रहे. इस दौरान जनप्रतिनिधियों और नेताओं के फोन भी दोनों पक्षों के समर्थन में आते रहे. इस संबंध में प्रेमिका करिश्मा कुमारी (22 वर्ष) ने बरवाअड्डा थाना में प्रेमी सोमनाथ गोप उर्फ सोनू गोप के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है. आवेदन में करिश्मा ने कहा है कि सोनू से उसका पिछले दो वर्षों से प्रेम-प्रसंग चल रहा है. सोनू वीडियो कॉल और चैटिंग के माध्यम से अक्सर उससे बात करता था. शनिवार शाम सोनू उसके घर आया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की, तभी परिजनों ने देख लिया. सोनू ने परिजनों से कहा कि वह करिश्मा से शादी करना चाहता है और फिर उसकी मांग में सिंदूर भर दिया. करिश्मा ने आरोप लगाया कि सोनू शादी का प्रलोभन देकर उससे शारीरिक संबंध बनाता रहा और अब परिजनों के दबाव में शादी से इंकार कर रहा है. वहीं, सोनू गोप का कहना है कि उसकी करिश्मा से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई थी. करिश्मा के बुलावे पर वह उसके घर पहुँचा, जहां परिजनों और ग्रामीणों ने उसे पकड़कर मारपीट की और जबरन करिश्मा की मांग में सिंदूर भरवा दिया. प्रेमिका के परिजनों ने पुलिस को कॉल रिकॉर्ड, मोबाइल चैटिंग और दोनों के आपत्तिजनक फोटो सहित कई सबूत सौंपे हैं. पुलिस ने करिश्मा के आवेदन के आधार पर आरोपी सोनू गोप के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस सोमवार को सोनू गोप को जेल भेजेगी.

झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन हजारीबाग के नए अध्यक्ष और सचिव चुने गए

हजारीबाग । झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन, हजारीबाग का चुनाव रविवार को इमली कोठी चौक स्थित जेडी पब्लिक स्कूल में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ. चुनाव में मधुसूदन मेहता को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष और अमीर अल्ताफ को जिला सचिव निर्विरोध चुना गया. संगठन के प्रदेश स्तरीय चुनाव में विनोद भगत को प्रदेश अध्यक्ष और परभू दयाल को संयुक्त प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी दी गई. नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता में कहा कि वे संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को निष्ठा और पारदर्शिता के साथ निभाएंगे. जिला अध्यक्ष मधुसूदन मेहता ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों से जुड़ी समस्याओं और नियमों के तहत हो रहे अन्याय के खिलाफ संगठन आवाज उठाएगा. जिला सचिव अमीर अल्ताफ ने कहा कि झारखंड के प्राइवेट स्कूल तीन श्रेणियों में आते हैं और कम शुल्क वाले स्कूलों की बदनामी अनुचित है. चुनाव में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में स्कूल संचालक शामिल हुए.

चौपारण | राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, नुक्कड़-नाटक का मंचन

प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण विषय पर परिचर्चा

शुभम संदेश । धनबाद

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर आज अनुमंडल कार्यालय (पुराने समाहरणालय) परिसर में 'बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण' विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एसडीएम राजेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बाउरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह तथा पत्रकार बंधुओं ने दीप प्रज्वलन कर की.

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश कराया. उन्होंने भ्रामक सूचनाओं की रोकथाम के लिए सत्यपरक जानकारियां प्रस्तुत करने की बातें कही, ताकि समाज को गति मिले.

सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, धनबाद के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकारों ने कहा कि डिजिटल युग में भ्रामक सूचनाएँ और फेक न्यूज़ तेजी से फैल रही हैं, ऐसे समय में प्रेस की जिम्मेदारी और भी बढ़ गयी है. तथ्य-जांच, विश्वसनीय स्रोत, नैतिक पत्रकारिता और संपादकीय अनुशासन ही प्रेस की विश्वसनीयता को बनाए रख सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकारों ने यह भी बताया कि मीडिया का मूल उद्देश्य जनता को सत्य, सटीक और संतुलित जानकारी उपलब्ध कराना है. वक्ताओं ने चर्चा के दौरान पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, तकनीकी चुनौतियों, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव तथा विश्वसनीय सूचना तंत्र को मजबूत करने की रणनीतियों पर भी अपने विचार रखे.

इस दौरान राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती समारोह के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर पुष्पांजलि की गई. साथ ही भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी पर नाटक का मंचन किया गया. इसके अलावा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए.

मौके पर सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा, सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर विनीता कुमारी समेत अन्य मौजूद रहें.

परसाबाद में 18 को 14वां श्री श्याम संकीर्तन तैयारियों का जोर

जयनगर (कोडरमा) । श्री श्याम सेवा मंडल झुमरी तिलैया के तत्वावधान में परसाबाद, पंजाब नेशनल बैंक के समीप 18 नवंबर को 14वां श्री श्याम संकीर्तन, राधा कृष्ण झांकी सह निशान यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा. इस दौरान कोलकाता के कलाकार राधा-कृष्ण झांकी प्रस्तुत करेंगे और झुमरी तिलैया, गया व रामगढ़ से आए प्रसिद्ध भजन गायक संकीर्तन की स्वर लहरियों से भक्तों को भावविभोर करेंगे. निशान यात्रा सुबह 9 बजे सार्वजनिक दुर्गा पूजा मंडप से रामजानकी मंदिर तक होगी, जबकि संकीर्तन शाम 5 बजे आयोजित होगा. आयोजन के संयोजक रौशन चावला और रवि चावला ने क्षेत्रवासियों से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की. तैयारी में अश्विनी गुप्ता, पिंटू वैशखियार, राहुल सेठ, सोनू भदानी, मटरू चावला, रितेश गुप्ता, आशीष गुप्ता और शशि भदानी जुटे हैं.

एक नजर

हेडुम पंचायत मुखिया ने सड़क की मरम्मत कराई

लावालौंग । हेडुम पंचायत के मुखिया संतोष राम ने जनहित को ध्यान में रखते हुए पोटम से प्रखंड मुख्यालय तक जाने वाली जर्जर सड़क की मरम्मत अपने निजी खर्चे से कराई. लगभग 2 किलोमीटर लंबी यह सड़क तीन फेड़ी महुआ से पुराने यात्री शेड तक लंबे समय से खराब थी, जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था. मुखिया संतोष राम ने बताया कि उन्होंने सड़क की स्थिति को देखते हुए मिट्टी और मोरम डालकर मरम्मत कराने का निर्णय लिया. सड़क सुधार के बाद अब ग्रामीणों और यात्रियों को आवागमन में काफी सुविधा मिली है. ग्रामीणों ने इस जनहित कार्य के लिए मुखिया संतोष राम का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयास से पूरे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिली है.

ठंड से युवक की मौत, आधिकारिक पुष्टि नहीं

रामगढ़ । चितरपुर प्रखंड के मायल पंचायत गांव में ठंड लगने के कारण 42 वर्षीय घनश्याम महतो की मृत्यु हो गई. परिजन के अनुसार, शनिवार रात घर लौटने के बाद उनकी तबियत बिगड़ी और उन्होंने ठंड लगने की शिकायत की. इलाज के लिए उन्हें रिम्स रांची ले जाते समय रात करीब 9 बजे रास्ते में उनकी मौत हो गई. घनश्याम महतो पिछले 12 वर्षों से रामगढ़ कोर्ट परिसर में लिपिक के रूप में काम कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे. उनके पीछे पत्नी ललिता देवी, बेटी खुशबू कुमारी, बेटा उज्जवल कुमार और माता-पिता हैं. 16 नवंबर को उनका अंतिम संस्कार दामोदर नदी श्मशान घाट में संपन्न हुआ. मृतक के निधन पर स्थानीय लोग और परिजन शोक में डूबे हुए हैं. समाज में उनके मिलनसार, सुशील स्वभाव और कुशल व्यवहार को याद किया जा रहा है.

राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की टीम ने रिम्स रांची में घायल पीड़ितों का किया उपचार सुनिश्चित

चतरा । राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की टीम ने रिम्स रांची में सिमरिया प्रखंड के बगरा गांव निवासी साजन भुइयां और सिकंदर भुइयां से मुलाकात की, जो रोड एक्सीडेंट में घायल हुए थे. पहले उन्हें हजारीबाग के फोर्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां अस्पताल द्वारा असामान्य बिल वसूला जा रहा था. टीम ने तत्काल हस्तक्षेप कर 1,50,000 रुपये का बिल माफ करवाया और उचित इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर किया. सिकंदर भुइयां का जबड़ा टूटा है और सर्जरी की आवश्यकता है, जबकि साजन भुइयां के मस्तिष्क में तीन जगह चोट लगी है और दो सप्ताह तक गहन चिकित्सा की जरूरत है. राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, महासचिव संजय सुमन और प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन सिंह ने डॉक्टर से समुचित इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

सड़क दुर्घटना, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

चंदवारा (कोडरमा) । चंदवारा थाना क्षेत्र के उरवां मोड़ के पास एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार, 48 वर्षीय अवधेश कुमार, बाघमारा (धनबाद) निवासी, पैशन मोटरसाइकिल संख्या जेएच10बीएल-6871 से बरही से कोडरमा की ओर जा रहे थे. अचानक मोड़ के पास चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और दुर्घटना हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए. घटना की सूचना मिलते ही चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को सदर अस्पताल, कोडरमा भेजा. वहाँ प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें राँची रेफर कर दिया गया. स्थानीय लोगों ने भी दुर्घटना के समय मौके पर पहुँच कर सहायता की. इस दुर्घटना से इलाके में चिंताएँ बढ़ गई हैं और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

अफीम की अवैध खेती के मामले में एक गिरफ्तार

चौपारण (हजारीबाग) । थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चौपारण पुलिस ने अफीम की अवैध खेती करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. थाना कांड संख्या 48/25, दिनांक 19/02/25 के मामले में गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दर्शन गंझू, पिता बिपत गंझू, साकिन ढोढीया के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने छापेमारी की, जिसमें पुख्ता सबूत मिलने पर आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया. यह गिरफ्तारी धारा 17(सी)/18(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई. थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों की अवैध खेती और कारोबार के खिलाफ कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे.

चौपारण में दिनदहाड़े लकड़ी की तस्करी, विभाग मौन

चौपारण (हजारीबाग) । चौपारण क्षेत्र में अवैध गतिविधियाँ लगातार बढ़ती जा रही हैं. बालू की कालाबाजारी के बाद अब जीटी रोड (एनएच-19) पर दिन के उजाले में लकड़ी से भरे वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर हो रही अवैध लकड़ी तस्करी के बावजूद वन विभाग का मौन कई सवाल खड़े करता है. वनपाल और वनरक्षियों को इस पर भनक तक नहीं लग रही है या फिर अनदेखी की जा रही है. अवैध व्यापारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे रात का इंतजार भी नहीं करते. दिन में ही लकड़ी की भारी मात्रा में ढुलाई हो रही है, जिससे साफ पता चलता है कि तस्करों को किसी भी कार्रवाई का डर नहीं है. प्रशासन और वन विभाग की कार्यशैली पर जनता की नाराजगी और संदेह बढ़ता जा रहा है.

गौ सेवा आयोग अध्यक्ष से मिले ओबीसी अध्यक्ष

हजारीबाग । रांची स्थित आवास पर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद से कांग्रेस हजारीबाग जिला ओबीसी अध्यक्ष अजय प्रजापति ने शिष्टाचार मुलाकात की. नवमनोनित होने के बाद राजधानी पहुंचे प्रजापति का आयोग अध्यक्ष ने गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें जिला ओबीसी अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. मुलाकात के दौरान दोनों ने संगठनात्मक मजबूती, ओबीसी समाज की मौजूदा चुनौतियाँ और योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने जैसे विषयों पर सकारात्मक बातचीत की. राजीव रंजन प्रसाद ने विश्वास जताया कि अजय प्रजापति के नेतृत्व में हजारीबाग जिले में ओबीसी समाज के हितों को नई दिशा और गति मिलेगी.

फरार साइबर ठग के घर चिपका इश्तेहार

बरवाअड्डा। बरवाअड्डा थाना कांड संख्या 214/2020 के फरार आरोपी राजाराम मांझी (पिता– स्व. रधुनाथ मांझी), निवासी चकवाई मुसहरी टोला, थाना वारसलीगंज, जिला नवादा के घर पर बरवाअड्डा थाना के पुअनि पवन कुमार दास के नेतृत्व में पुलिस ने इश्तेहार चिपकाकर उसे धनबाद कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया. पुअनि पवन कुमार ने बताया कि राजाराम मांझी बरवाअड्डा में रहकर साइबर ठगी का काम करता था. पुलिस की भनक लगते ही वह फरार हो गया था और अब तक गिरफ्त से बाहर है.

अंबेडकर विद्यापीठ और रैदास मंदिर के स्थानांतरण के लिए जमीन चिन्हित

कुमारधुबी। शिवलीबाड़ी मैथन मोड़ स्थित अंबेडकर विद्यापीठ विद्यालय एवं संत रैदास मंदिर को स्थानांतरित करने के लिए गलफड़बाड़ी के नीमडांगाल में जमीन को चिन्हित कर बोर्ड लगाया गया. इस मौके पर रैदास समाज के सभी सदस्य एवं कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति में रैदास एवं अंबेडकर विद्यापीठ विद्यालय का नामकरण करते हुए बोर्ड स्थापित किया गया. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रैदास समिति संस्था के अध्यक्ष कृष्णा चंद्र राम, उपाध्यक्ष काजल बाउरी, सचिव तपेश्वर चौहान, संयुक्त सचिव राजीव दास, कोषाध्यक्ष महावीर दास, पूर्व अध्यक्ष नागेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष अभय दास, प्रदेश प्रभारी सुबल दास तथा कृष्णा पासवान, सुरेश, राम प्यारे, राजीव, सुखराज राम, राम प्रवेश, रामाशीष राम, अशोक, बुद्धि राम, संजय सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

नौगाम पुलिस स्टेशन के पास विस्फोट स्थल को एफएसएल ने किया सील

श्रीनगर। नौगाम पुलिस स्टेशन के आसपास के इलाके को फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की टीमों और सुरक्षा बलों ने सील कर दिया है. यहां दुर्घटनावश हुए विस्फोट में 9 लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए थे. इस विस्फोट की जांच चल रही है. सुरक्षाकर्मी और फोरेंसिक विशेषज्ञ साक्ष्य एकत्र करने के लिए मौके पर जाँच कर रहे हैं. शुक्रवार देर रात नौगाम पुलिस स्टेशन के अंदर दुर्घटनावश हुए इस विस्फोट में 9 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए. इससे पास की इमारत को भारी नुकसान हुआ. घायलों को श्रीनगर के श्री महाराजा हरि सिंह अस्पताल (एसएमएचएस) में भर्ती कराया गया है.

सार्वजनिक जीवन में धैर्य बेहद ही जरूरी है : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को बिहार चुनाव-2025, कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठे सवालों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की. उन्होंने कहा कि वह पूरी तरह से दलगत राजनीति से अलग हैं और सार्वजनिक जीवन से जुड़े सभी लोगों से भावनाओं पर नियंत्रण रखने की अपील की. राधाकृष्णन ने कहा, "सार्वजनिक जीवन में धैर्य बेहद जरूरी है. लोग हमेशा उसी पेड़ पर पत्थर फेंकते हैं, जिस पर ज्यादा फल होते हैं. इसलिए हर सवाल का जवाब देना आवश्यक नहीं. लोगों को सवाल पूछने का अधिकार है और हमें जवाब देने या न देने का अधिकार है." बिहार चुनाव 2025 के नतीजों के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर विपक्ष द्वारा किए जा रहे हमलों को लेकर उन्होंने कहा कि यह उचित नहीं है.

100 साल में पहली बार नियमों का पालन कर रहा आरएसएस: प्रियांक

बंगलुरू। कलबुर्गी में कर्नाटक सरकार के मंत्री और चित्तापुर के विधायक प्रियांक खरगे ने आरएसएस के प्रस्तावित रूट मार्च पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि संगठन "100 साल में पहली बार" नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करता दिख रहा है. आरएसएस ने चित्तापुर में रूट मार्च निकालने की योजना बनाई थी, जिसे शुरुआत में जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी. बाद में संगठन अदालत गया और वहीं से मंजूरी प्राप्त हुई. खरगे ने स्पष्ट किया कि वे मार्च के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि सिर्फ यह चाहते हैं कि कोई भी संगठन कानूनी अनुमति लेकर ही कार्यक्रम करे. उन्होंने कहा कि प्रशासन ने इस मार्च के लिए कड़े नियम और शर्तें तय की हैं और यदि इनका पालन नहीं हुआ तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी.

लखनऊ में 28 को ब्रह्माकुमारीज के समारोह में शामिल होंगी राष्ट्रपति

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 नवंबर को राजधानी लखनऊ में सुलतानपुर रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज के राजयोग प्रशिक्षण केन्द्र में राज्यस्तरीय उदघाटन समारोह में शामिल होंगी. यह जानकारी ब्रह्माकुमारीज लखनऊ की सब जोन इंचार्ज राजयोगिनी राधा बहन ने बताया कि विश्व एकता और विश्वास के लिए ध्यान (योग) कार्यक्रम में राष्ट्रपति के अलावा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी संतोष दीदी उपस्थित रहेंगी.

सीमा पार दीवार निर्माण को लेकर लेबनान ने दर्ज कराई शिकायत

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने विदेश मंत्री को निर्देश दिया कि वे इस्राइल द्वारा लेबनानी क्षेत्र में दीवार बनाने के खिलाफ औपचारिक शिकायत तैयार करें. राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, उन्होंने आग्रह किया है कि शिकायत में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना यूनिफिल के हालिया बयान को भी शामिल किया जाए, जिसमें इस्राइल की गतिविधि को स्पष्ट रूप से सीमा उल्लंघन बताया गया है. यूनिफिल ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा था कि इस्राइली सेना ने लेबनान के यारून गांव के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में एक दीवार का निर्माण किया है. जांच में यह बात सामने आई कि यह दीवार वास्तविक सीमा रेखा को पार कर गई है, जिसके कारण करीब 4,000 वर्ग मीटर से अधिक लेबनानी भूमि स्थानीय लोगों की पहुंच से बाहर हो गई है.

खैर पख्तूनवा में तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के पांच लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को बन्नू और लक्की मरवत जिलों में संयुक्त अभियान में पांच लड़ाकों को मार गिराया. पांचों का संबंध प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बताया गया है. इस अभियान का लक्ष्य तख्ती खेल और होवैद के सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी को निशाना बनाना था. यह अभियान बन्नू के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी सज्जाद खान के नेतृत्व में स्थानीय लोगों के सहयोग से चलाया गया. इस अभियान के दौरान सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे. खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने बन्नू और लक्की मरवत पुलिस की अभियान की सफलता के लिए सराहना की है.

सनातन संस्कृति शाश्वत, समावेशी, समग्र और प्रकृति के अनुकूल संस्कृति है

नयी दिल्ली। सनातन संस्कृति के संरक्षण - संवर्धन तथा उसके गौरवपूर्ण, मूल्यनिष्ठ और अनंत इतिहास को जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि भारत के प्रत्येक सनातनी के मन में अपने धर्म, समाज और संस्कृति के प्रति सच्ची श्रद्धा एवं संवेदनाएं जागृत हों. सनातन संस्कृति शाश्वत, समावेशी, समग्र और प्रकृति के अनुकूल संस्कृति है. यह बातें नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 'ओम् सनातन न्यास' की ओर से भव्य धार्मिक आयोजन 'सनातन संत सम्मेलन-2025' में आए संतों ने कही. कार्यक्रम में संत समाज ने सनातन और राष्ट्र को पुनः जीवंत व जागृत करने का संकल्प लिया जाएगा. इस आयोजन को 'ओम् सनातन न्यास' ने एकल विद्यालय, एकल अभियान, जेबीएम ग्रुप ऑफ इंस्टियूशन जैसी सहयोगी संस्था के साथ मिलकर आयोजित किया. सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म और राष्ट्र महात्माओं के आदर्शों के प्रति निष्ठावान पीढ़ी का निर्माण करना है और उनके अनुभवों, ज्ञान और आत्म-कल्याण के सिद्धांतों को जन-जीवन में स्थापित करना है. अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज ने कहा कि समय की मांग है कि हम सभी एक होकर सनातन को विश्वभर में पुनर्स्थापित करें. यह संस्कृति केवल परंपरा नहीं, बल्कि मानवता का मार्ग है. जैन आचार्य डॉ. लोकेश मुनि जी ने कहा कि सनातन संस्कृति ही मानवता को शांति, सद्भाव और समाधान का मार्ग दिखा सकती है. कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने सनातन धर्म की एकता और शक्ति पर प्रेरणादायी संदेश दिया तथा समाज में आध्यात्मिक जागरण की अलख जगाई. श्री गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सलाहकार सरदार परमजीत सिंह जी ने युवाओं को सनातन जीवन-मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सभी को राष्ट्र एकता और सद्भाव के लिए प्रेरित किया. महंत रवींद्र पूरी जी महाराज ने अपने ओजस्वी उद्बोधन से सभी को प्रेरित किया. परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज ने राष्ट्रीय एकता, प्राकृतिक संरक्षण, मानव सेवा और सनातन के संरक्षण-संवर्धन का सारगर्भित संदेश दिया. इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में गुरुदत्त टंडन के साथ ही साध्वी ऋतंभरा, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, काष्णी पीठाधीश्वर के स्वामी गुरु शरणानंद जी महाराज, योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद जी महाराज, अखिल भारतीय संत मंडल के अध्यक्ष नारायण गिरी जी महाराज के साथ ही शिक्षाविद, समाजसेवी, शोधकर्ता, वैज्ञानिक तथा विचारक मौजूद रहे.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का किया लोकार्पण, कहा

दलित वीरांगनाओं को इतिहास में उचित स्थान नहीं दिया गया

एजेंसी। लखनऊ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वृन्दावन योजना में वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया. इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि दलित, आदिवासी वीरांगनाओं और पिछड़े समुदायों के असंख्य वीरों को इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिला. इन नायकों को न सिर्फ पढ़ाया जाना चाहिए था बल्कि उनको पूजा भी जाना चाहिए था. महाराजा बिजली पासी, महाराजा सतान पासी, महाराजा लाखन पासी, महाराजा सुहेलदेव, महाराजा छेटा पासी और महाराजा दालदेव, राजा गंगा बख्श रावत, झलकारीबाई, अवंतीबाई और महावीरी देवी, ये वह नाम हैं जो सोने के अक्षरों में अंकित होने योग्य हैं. उन्होंने कहा कि इतिहासकारों ने इस वीर समुदाय के इतिहास पर रिसर्च नहीं की. पहले की सरकारों ने कभी भी पासी साम्राज्य के बारे में जानकारी एकत्र करने की कोशिश नहीं की. राजनाथ सिंह ने कहा कि वामपंथी इतिहासकारों ने अपनी सुविधानुसार इतिहास को लिखा, जिसमें दलित और पिछड़े समाज के नेताओं की वीरता और बलिदान को दरकिनार किया गया. पूर्व की सरकारों ने भी पासी और दलित समाज के नायकों को उचित स्थान नहीं दिया. यह हमारा दायित्व है कि हम उस विस्मृत इतिहास को पुनः सामने लाएं, ताकि पासी समाज जैसे समुदायों का योगदान देश की चेतना में फिर से जीवित हो, क्योंकि राष्ट्र की असली ताकत तभी पूरी तरह प्रकट होती है जब हर वर्ग, हर समुदाय और हर बलिदान को उसका सम्मानजनक स्थान मिले.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब वर्ष 2000 में

हमारी एनडीए की सरकार बनीं थी तब हमने राजा बिजली पासी की स्मृति में डाँक टिकट जारी करके उनको श्रद्धांजलि दी थी. उन्होंने कहा कि हमारी उत्तर प्रदेश सरकार ने यह निर्णय लिया है कि पासी समाज के वीरों एवं वीरांगनाओं को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा. हमारी सरकार ने ऐसे गुमनाम नायकों को भी सामने लाने का कार्य किया है, जिनके योगदान से स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी. उनके बलिदान और संघर्ष को याद करना और सम्मान देना हमारा कर्तव्य है. रक्षा मंत्री ने कहा कि बहराइच में महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक भी बनाया गया है. ऐसा ही भव्य स्मारक महाराजा बिजली पासी का लखनऊ में बनने जा रहा है. इस निर्णय की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है क्योंकि इससे आने वाली पीढ़ी अपने इन वीरों के विषय में और अधिक जानकारी पा सकेगी. मुग़लों के इतिहास को बढ़ा चढ़ाकर बताने वाले इतिहासकारों ने इन नामों को सम्मान नहीं दिया. जिन्होंने अपने पराक्रम, त्याग और संघर्ष से आज़ादी के आंदोलन को मज़बूती दी, उन्हें इतिहास में उचित स्थान नहीं दिया गया जबकि वे भी इस महान यात्रा के समान रूप से भागीदार और नायक थे.

राजनाथ सिंह ने कहा कि आजादी आंदोलन में मदारी पासी का योगदान कौन ही भूल सकता है. मदारी पासी ने अन्याय के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूँका. जब किसानों पर बहुत अधिक लगान लगाया गया तो मदारी पासी 'किसानों के मसीहा' बनकर उभरे. मैं मदारी पासी को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ. पासी समुदाय ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महत्वपूर्ण योगदान दिया था. चाहें वो 1857 की आजादी की पहली लड़ाई हो या अवध किसान सभा आंदोलन, पासी समुदाय ने हमेशा मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया है. इस अवसर पर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, समाज कल्याण मंत्री असीम अरूण,लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत,बाराबंकी की पूर्व सांसद प्रियंका रावत, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर,एमएलसी रामचन्द्र प्रधान,एमएलसी मुकेश शर्मा और महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे.

युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में निकली रज कलश यात्रा में पहुंचीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि लद्दाख से हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा कर रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में निकली पवित्र रज कलश यात्रा के हैदरपुर पहुंचना अपने आप में एक गौरवपूर्ण क्षण है. यह पवित्र यात्रा पूरे देश को राष्ट्र प्रथम की भावना में पिरोने वाला एक सशक्त संदेश है. मुख्यमंत्री आज हैदरपुरा गांव में रज कलश यात्रा के समान में यहां शामिल हुई. उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए यादव महासभा और सभी आयोजकों को साधुवाद किया, जिन्होंने इस यात्रा को राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप दिया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदरपुर गांव की यह धरती आज स्वयं को धन्य मान रही है कि वीर शहीदों की पवित्र स्मृति यहां पहुंची. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

ब्राजील में अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली। ब्राजील के साओ पाउलो में हुए तीसरे अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन में दो दिनों तक विशेषज्ञों ने आयुर्वेद के 40 वर्ष पूरे होने पर इसकी यात्रा, भारत और ब्राजील के बढ़ते सहयोग, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के भविष्य, नई शोध संभावनाओं और ब्राजील में आयुर्वेद को आधिकारिक नौकरी श्रेणी में शामिल किए जाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की. साथ ही दिसंबर में नई दिल्ली में होने वाले विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुष मंत्रालय के वैश्विक सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत ब्राजील में भारत के राजदूत दिनेश भाटिया ने की. मंत्रालय ने कहा कि भारत और ब्राजील के बीच पारंपरिक उपचार पद्धतियों को लेकर सहयोग लगातार बढ़ रहा है. ब्राजील दक्षिण अमेरिका का पहला देश है जिसने आयुर्वेद को आधिकारिक मान्यता दी है और इसी साल ब्राजील के उपराष्ट्रपति जेराल्डो अल्कमिन की भारत यात्रा से इस साझेदारी को और मजबूती मिली है. आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद शरीर, मन और जीवनशैली के संतुलन पर आधारित विज्ञान है.

नेशनल म्यूजियम में दिखा उप-राजदूत का नया रूप

नयी दिल्ली। दक्षिण कोरिया के उप-राजदूत संग-वू लिम ने इस सप्ताह एक अनोखी भूमिका निभाकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया. वे इन दिनों नेशनल म्यूजियम में स्वयंसेवक गाइड के रूप में भारतीय और कोरियाई पर्यटकों को संग्रहालय के इतिहास से रूबरू करा रहे हैं. लिम ने बताया कि एक दिन संग्रहालय भ्रमण के दौरान भारत की समृद्ध संस्कृति और इतिहास ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया. इसी अनुभव ने उन्हें स्वयंसेवक गाइड बनने के लिए प्रेरित किया. वे किसी भी संग्रहालय में इस तरह काम करने वाले पहले विदेशी राजनयिक हैं. उनके इस असामान्य अनुरोध का संग्रहालय प्रबंधन ने गर्मजोशी से स्वागत किया. गहन प्रशिक्षण और भारतीय इतिहास के विस्तृत अध्ययन के बाद लिम ने अगस्त से अपनी सेवाएं शुरू कीं.

भारतीय रक्षा कंपनियों को सीडीएस की चेतावनी

नयी दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भारतीय रक्षा उत्पादन क्षेत्र को तीखी चेतावनी देते हुए कहा है कि घरेलू हथियार निर्माता आपातकालीन खरीद के तहत दिए गए ऑर्डर समय पर पूरा नहीं कर पा रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि कई कंपनियां अपने उत्पादों में स्वदेशीकरण के दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रही हैं, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है. शुक्रवार को आयोजित एक सेमिनार में बोलते हुए सीडीएस ने कहा कि रक्षा सुधार केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि उद्योगों के सक्रिय सहयोग के बिना इन्हें सफल नहीं बनाया जा सकता. जनरल चौहान ने स्पष्ट किया कि जब भारतीय कंपनियां अनुबंध तो कर लेती हैं, लेकिन तय समय सीमा में आपूर्ति करने में असफल रहती हैं, तो इसका सीधा असर देश की रक्षा क्षमता पर पड़ता है. उन्होंने आपातकालीन खरीद के 5वें और 6वें चरण का जिक्र करते हुए बताया कि इस दौरान कई कंपनियों ने बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन समय पर डिलीवरी नहीं दे पाईं.

व्लादिमीर पुतिन और नेतन्याहू ने टेलीफोनिक बातचीत में मध्य पूर्व के हालात पर बातचीत की

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी और मध्य पूर्व की स्थिति पर चर्चा की है. दोनों नेताओं ने इन जगहों के मौजूदा हालात पर टेलीफोन पर बातचीत की. क्रेमलिन प्रेस सेवा ने 15 नवंबर की आधारीत यह जानकारी दी. रूस की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, क्रेमलिन प्रेस सेवा ने बयान में कहा, ₹ दोनों नेताओं के बीच मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थिति पर विचारों का गहन आदान-प्रदान हुआ. बातचीत के केंद्र में युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन और बंदियों की अदला-बदली, गाजा पट्टी हालात, ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्थिति और सीरिया में और अधिक स्थिरीकरण को बढ़ावा देने से संबंधित मुद्दे रहे.₹ सनद रहे, गाजा में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता 10 अक्टूबर से लागू है. छह अक्टूबर को इजराइल और हमास के प्रतिनिधिमंडलों ने गाजा में संघर्ष को सुलझाने के लिए अप्रत्यक्ष वार्ता शुरू की. दोनों के मध्य मिस्र, कतर, अमेरिका और तुर्किये मध्यस्थ रहे. नौ अक्टूबर को दोनों पक्षों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना के पहले चरण को लागू करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए.

भारत-रूस के बीच मास्को में व्यापार बैठक 100 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर फोकस

मास्को। भारत और रूस के बीच साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने मॉस्को में कई अहम बैठकें करएफटीए की प्रगति, व्यापार बढ़ाने के रास्ते, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने, गैर शुल्क बाधाएं घटाने, प्रमाणन और भुगतान सिस्टम जैसी सभी प्रमुख चुनौतियों पर बात की और आगे की कार्ययोजना तय की. भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार राजेश अग्रवाल ने यूरोशियन इकोनॉमिक कमीशन के व्यापार मंत्री एंड्री स्लेपनेव के साथ बातचीत में एफटीए के अगले कदमों पर समीक्षा की. दोनों देशों के बीच इसी साल 20 अगस्त को तय हुए टर्म्स ऑफ रेफरेंस के आधार पर 18 महीने की जो कार्ययोजना बनायी गई थी, उसकी प्रगति पर चर्चा हुई. बैठक का मुख्य उद्देश्य भारतीय किसानों, मछुआरों और एमएसएमई को नए बाजार उपलब्ध कराना है. दोनों पक्ष आगे की बातचीत में सेवाओं और निवेश को भी शामिल करेंगे. रूस के उद्योग और व्यापार उप मंत्री मिखाइल युरिन के साथ बैठक में व्यापार विविधीकरण बढ़ाने, महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी करने और फार्मा, टेलीकॉम उपकरण, मशीनरी, चमड़ा, ऑटोमोबाइल और रसायन जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी. साथ ही यह भी तय हुआ कि हर तिमाही प्रमाणन, कृषि और समुद्री उत्पादों की लिस्टिंग, बाजार में एकाधिकार रोकने और अन्य गैर शुल्क बाधाओं पर नियामक स्तर पर चर्चा की जाएगी. कंपनियों के लिए लॉजिस्टिक्स, भुगतान व्यवस्था और मानकों को आसान बनाने के उपायों पर भी बात हुई. भारतीय और रूसी कंपनियों के साथ नेटवर्किंग सत्र में वाणिज्य सचिव ने कारोबारियों से कहा कि वे अपनी योजनाओं को 2030 के व्यापार लक्ष्य के अनुरूप तैयार करें.

बलूच राष्ट्रीय आंदोलन ने शहीद दिवस के अवसर पर स्मृति सभा आयोजित की

इस्लामाबाद। बलूच राष्ट्रीय आंदोलन (बीएनएम) ने बलूच शहीद दिवस के अवसर पर एक स्मृति सभा का आयोजन किया, जिसमें बलूच लोगों के संघर्ष और बलिदान को याद किया गया. सभा में पार्टी अध्यक्ष डॉ. नसीम बलूच ने कहा कि बलूच समुदाय ने पाकिस्तान के नियंत्रण और अन्याय के खिलाफ लगातार विरोध किया है. उन्होंने यह भी बताया कि पहले के विद्रोह लंबे समय तक टिक नहीं सके, क्योंकि उनके पास मजबूत राजनीतिक और संगठित ढांचे का अभाव था. डॉ. नसीम बलूच ने कहा कि बिना संगठित संस्थानों के बलूच आवाज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना कठिन था. उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान आंदोलन अब 25 वर्षों से लगातार जारी है और इसे राजनीतिक संगठनों से स्थिरता और मजबूती मिली है. सभा में बलूच लोगों के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और उनके संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया. उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे अपने समुदाय के लिए एकजुट रहें और बलूच शहीदों की याद को जीवित रखें.

इज़रायल के सामने नया उभरता खतरा है तुर्की की तेजी से बढ़ती हुई महत्वाकांक्षाएं

हिज़्बुल्लाह की क्षमताएं पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई हैं

एजेंसी। तेलअवीव

पश्चिम एशिया में स्थित दुनिया का एकमात्र यहूदी राष्ट्र इज़रायल इस समय अभूतपूर्व रणनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है. अब तक उसकी सुरक्षा रणनीति मुख्यतः तीन प्रमुख खतरों—ईरान, हमास और हिज़्बुल्लाह—के इर्द-गिर्द घूमती रही है. इज़रायल का विश्वास लंबे समय से यह रहा कि इन चुनौतियों को सीमित सैन्य कार्रवाई या कूटनीतिक दबाव के जरिए नियंत्रित किया जा सकता है. मगर बदलते क्षेत्रीय समीकरण और उभरते नए शक्ति-केन्द्र इस धारणा को पीछे छोड़ते दिख रहे हैं. इन सबके बीच

तुर्की का तेजी से उभरना इज़रायल के लिए नई चिंता बनकर सामने आया है. पिछले कई दशकों से इज़रायल का मानना था कि वह अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों को बिना व्यापक रणनीतिक बदलाव के काबू में रख सकता है—हिज़्बुल्लाह को रोका जा सकता है, हमास को अलग-थलग किया जा सकता है और ईरान के प्रभाव को सीमित किया जा सकता है. लेकिन अब इन धारणाओं की नींव हिलती दिखाई दे रही है. हिज़्बुल्लाह की क्षमताएँ पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं, हमास की विचारधारा फिलिस्तीनी समाज में अब भी गहरी जड़ें रखती है और ईरान भले कुछ समय कमजोर पड़ा हो, मगर उसका क्षेत्रीय नेटवर्क पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में है.

साथ ही लाल सागर के मुहाने पर हूती लड़ाकों की सक्रियता, सीरिया में लगातार बनी अस्थिरता और लेबनान से बढ़ते तनाव इज़रायल के लिए मल्टी-फ्रंट संकट की आशंका पैदा करते हैं. ऐसे माहौल में तुर्की का बढ़ता प्रभाव नई चुनौती के रूप में सामने आया है. राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन के नेतृत्व में तुर्की लगातार इस्लामी दुनिया का नेतृत्व दावा कर रहा है, जिसके चलते वह यरुशलम सहित कई मुद्दों पर खुलकर इज़रायल के विरोध में खड़ा दिखाई देता है.

तुर्की की गाज़ा को लेकर आक्रामक बयानबाज़ी, सीरिया में उसकी सक्रियता और क्षेत्रीय राजनीति में उसकी वैचारिक दखलंदाज़ी इज़रायल की रणनीतिक चिंताओं को और गहरा बना रही है. रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की अब सिर्फ एक कूटनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक वैचारिक और भू-राजनीतिक चुनौती बन चुका है. तुर्की की महत्वाकांक्षाएँ न सिर्फ ईरान के समानांतर एक शक्ति निर्माण की कोशिश हैं, बल्कि कई मामलों में इज़रायल के लिए प्रत्यक्ष खतरा भी पैदा कर सकती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, बदलते हालात में इज़रायल अपनी पुरानी सैन्य और सुरक्षा धारणाओं पर निर्भर नहीं रह सकता. उसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति को नए सिरे से तैयार करना होगा. क्षेत्र का भविष्य अप्रत्याशित होता जा रहा है, और किसी भी संकट के अचानक इज़रायल के दरवाज़े पर दस्तक देने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता. इसलिए आने वाले समय में इज़रायल को व्यापक रणनीतिक बदलावों की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे, जिससे वह उभरते खतरों का सामना मजबूती से कर सके.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.